

सं• 50]

नई बिल्ली, शनिवार, विसम्बर 11, 1982 (अप्रहायण 20, 1904)

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 50]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 11, 1982 (AGRAHAYAN 20, 1904)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उक्क न्यावालयों, नियन्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मन्त्रालय

का. एवं प्र. सु. विभाग

कोन्द्रीय अन्वोषण ब्युरो

नर्क विल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1982

सं. ए-19021/15/82-प्रशा-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री विकासर प्रसाद, भारतीय पूलिस सेवा (हि. प्र.--1968) को दिनांक 8 नवस्वर, 1982 के पूर्वाहन से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूगे, विक्षेष पूलिस स्थापना में प्रतिनिय्कित पर प्रतिस अधीक्षक के क्यें नियुक्त करते हैं।

आर. एस. नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्था.) कोन्द्रीय अन्वेषण •य्रो

महानिद्देशालय, के. रि. पू. बल

नह दिल्ली-110066, दिनांक 16 नवम्बर 1982

सं. ओ. दो. 52/69-स्थापना—श्री राज सिंह ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उपमहानिरीक्षक, के. रि. प्. बल', नीमच के पद का कार्यभार दिनांक 31-10-82 (अपराह्न) से त्याग दिया है।

सं. ओ. दो. 294/69-स्था.—-राष्ट्रपति ने श्री के. के. जार्ज, सहायक कमांडेट 53 वाहिनी के. रि. पू. बल का त्याग पत्र दिनांक 12-9-82 से स्वीकार कर लिया है।

ए. के. सूरी सहायक निद्येशक (स्थापना)

महानिद्शिक का कार्यालय

केन्द्रीय आँद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली-110003, विनांक 16 नवम्बर 1982

सं ई-16015 (2)/15/82-कार्मिक--प्रितिनय्क्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री ए. के. सक्सीना, भा. पू. से. (राज-स्थान: 73) ने 8 नवम्बर, 1982 के अपराष्ट्रन से के. औ. सू. ब. मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक महानिरीक्षक के पद का कार्यभार संभान लिया।

सुरन्द्र नाथ सहानिवंशक

(17649)

द्रार एवं प्नवीस मंत्राताव

श्रम विभाग

श्रम ब्यगे

शिमला-171004, दिनांक 6 नवम्बर 1982

सं. 23/3/82-सी.पी.आहां.— मितम्बर, 1982 में अदियोगिक श्रमिकों का असिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अगस्त, 1982 के स्तर से दों अंक बढ़ कर 491 (चार सौ इक्कानवें) रहा । मितम्बर, 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जारे पर 597 (पांच सौ सनानवें) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निदशक

महालेखाकार का कार्यालय

तिरुवनन्तप्रम, दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं. स्थापना प्र./7/9-86/जिल्द ।।/194—इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखापरीक्षा एवं लेखा) श्री टी. पी. नारायणन को 9-11-82 पूर्वोहन में अगले आदौशों तक लेखा अधिकारी के पद में स्थानापना होने होता नियक्त करने को महालेखाकार-प्रथम, केरल संतुष्ट हाए है।

एस । गोपालकृष्णन उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्रप्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1982

सं. प्रशा. 1/8-132/82-83/328---महालेखाकार आन्धू प्रदेश, हैदराबाद के कार्यालय में निम्नांकित अनुभाग अधि-कारियों को महालेखाकार-प्रथम आं. प्र. द्वारा इसी कार्यालय में उनके नाम के आगे बनाई गई तारीखों से, 840-40-1000-द रो.-40-1200 रु. के वेशनमान में, अगले आवेश न दिए जाने तक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नित दी गई है।

नाम एवं कार्यभार ग्रहण करने की लारीख

- 1. श्री एस. शेषाद्री--12-11-1982 अपराह्न
- 2. श्री के. चंद्रशंखरन नायर--12-11-82 अपराह्न

यह पदोन्नित इन से बरोय सहस्यों के दावों पर प्रतिकृत प्रभाय डालने वाली नहीं हैं तथा आं प्र. उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में अनिणीत पड़ी याचिकाओं के निर्णय के अधीन है।

> बी. मेसन वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रजा.)

सीमा शुल्क उत्पादशूल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण नर्ह दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1982

स् 7-सी घू उ शू स्व नि अ अ — श्री के दी कि नहीं के छात्र का के प्रति पहले कि पहले निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निरोधालय, मीमा शूल्क केन्द्रीय

उत्पादन शुल्क, नयी दिन्ती में निरीक्षण अधिकारी के पद पर कार्य कर रहें थे, 17, नवम्बर, 1982 पूर्वाहन से बेतनमान रह. 650-1200 तथा 75 रुपये के विशेष बेतन प्रति माम, नकनीकी अधिकारी, सीमाणुल्क उत्पादशुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण, दिन्ती यंच, नसी दिल्ली के पद का कार्य भार ग्रहण हर लिया है।

आर. एन. सहगल रजिस्ट्रार

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डानैन्स फौक्टरियां सेवा आर्डानैन्स फौक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर 1982

मं. .51/जी./82—-राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियो को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक/संयुक्त निद्शेक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख में नियुक्त करते हैं :—

> श्री जी. एन. रामाशेषन, महाप्रबन्धक 5 अक्सूबर, 1982 (एस. ए. जी.-स्तर-1 में)

स. 51/जी./82--राष्ट्रपति महोधय निम्निलिखित अधि-कारियो को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक/संयुक्त निद्रोशक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारील से नियुक्त करते हैं:--

- 1. श्री एस. एस. आर. कृष्णमूर्ति, वर्क्स मैनेजर--31 अगस्त, 1982
- श्री एम माद्य्यन, वर्क्स मैनेजर---31 अगस्त, 1982
- श्री जी. पी. सिन्हा, वर्क्स मैनेजर—31 अगस्त, 1982
- श्री एसः राजशेखरन, वर्क्स मनेजर—31 अगस्त, 1982
- श्री बी. एल. गाँगिया, वर्क्स मैनेजर---15 सितम्बर, 1982
- श्री एम . एम . गुप्ता, वर्क्स मैनेजर—30 सितम्बर, 1982

वी. के. मेहता निद्याल

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1982

सं. 52/82/जी--श्री डी. डी. मिश्रा, स्थानापन्न प्रबन्धक विनांक 30 सितम्बर, 1981/अपराह्न से स्वेच्छा-पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

> **वी**. के.**े∾ज्ञह्**ता निद्देशक/स्थापना

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदशालय

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर 1982

सं. 5/4/82-स्थापना—महानिद्शेक, कारखाना सलाह मेवा और श्रम विभान केन्द्र, बम्बई श्री आर. छी. कूमार हलाबाई को स्थायी रूप में निरक्षिक (कलाकार और नक्शा विशोपज्ञ) के पद पर दिनांक 12-7-81 में इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान महानिदंशालय में नियुक्त करता है।

> ए. के. चऋवर्ती महानिद्देशक

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नर्इ दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1982 आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

- सं. 6/730/64-प्रशासन (राज.)/7253--श्री के. सी. आचार्य, नियंत्रत्र आयात-निर्यात (गैर-केन्द्रीय सचिवालय संवा) की संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, के कार्यालय, कलकत्ता मं 28-2-1978 के अपराहन से सरकारी स्वा में पून: बहाल किया गया है। उनको सेवा से हटाए जाने के आदेश रद्द किए जाते हैं वेसिए समसंख्यक अधिस्चना दिनांक 17-4-1978।
- 2. सेवा-निवृत्ति की आयू हु:ने पर श्री के सी. आचार्य, नियंत्रक आयात-निर्यात (गैर-कॅन्ट्रीय सचिवालय सेवा) 31 अक्तूबर, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।
- 3. यह समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 2-7-1082 के अधिकमण में g^2 ।

वी. के. मेहता उप मुख्य नियंत्रक, आयान-निर्मान

(बस्य विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नर्इ दिल्ली, दिनांक 25 अक्तूबर 1982

सं ए-12025(1)/82-प्रशासन ।। (क)—-राष्ट्रपति, श्री एम. के. पलानीस्वामी को 1 अक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक के लिए भारतीय हथकरषा प्रौद्योगिकी संस्थान, गोहाटी में वस्त्र डिजाइन के विरष्ठ प्राध्यापक के पद पर निमुक्त करते हैं।

विनय झा अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आय्क्त (लघ् उद्योग) का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं. ए-19018(374)/79-प्रशा (राज) --- भारत लैंदर कार्पोरेशन, आगरा में प्रति-निय्क्ति आधार पर, उप प्रबंधक के रूप में निय्क्ति हो जाने पर केन्द्रीय पाद्का प्रशिक्षण केन्द्र, आगरा के सहायक निद्देशक (ग्रेड-।) (चर्म/पाद्का) श्री पी. पी. पुरी ने 1 सितम्बर, 1982 (अपगह्न) में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

- मं. ए-19018(609)/82-प्रशा. (राज.) विकास आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर के लघु उद्योग सेवदर्धन अधिकारी (कांच एवं मृत्तिका) श्री आर्घ. रामामोहन राव, को 8 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, ह्वली में सहायक निवेशक (ग्रेड-2) (कांच एवं मृत्तिका) के रूप म तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।
- म. ए-19018(627)/82-प्रशासन (राज.)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), शाखा लघु उद्योग संवा संस्थान, सिलचर के अधिक्षक, श्री एस. सी. राय, को लघु उद्योग संवा संस्थान, गोहाटी में 17 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) में अगले आविशो तक, सहायक निर्देशक (ग्रेड-2) (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी सी राय उपनिदेशक, प्रशासन

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाक

1982

म. 8017 बी / ए-19012(3-आर एल कें) <math>/80-19 बी - भारतीय भूव ज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रमायनज्ञ श्री आर. एल. कालरा की 9-8-82 (अपराह्न) में त्यागपत्र पर म्क्त किया जा रहा है।

दिनांक 5 नतम्बर 1982

- म. 8031वी/ए-19012 (3-पी के जं)/80-19बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महायक रसायनज्ञ डा. पी. के. जैन को 26-6-82 (अपराह्न) में त्यागपत्र पर मुक्त किया जा रहा है।
- मं. 8038बी/ए-32013 (प्रशामनिक अधिकारी)/80-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री अमील अहमद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में बेतन नियमानुमार 650-30-740-35-810-द रों-35-880-40-1000-द रों-40-1200 रु के बेतनमान में तद्ध्यं आधार पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्र, हैंदगबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री सी. एन दिक्षणामूर्ति की अवकाश रिक्ति के स्थान पर 14-6-1982 के पूर्वाहन में 2-8-1982 (पूर्वाहन) तक पदोन्नित पर निय्वत किया जा रहा है।

दिनांक 16 नवम्बर 1982

- सं. 8264बी/ए-19011 (4-आर एल जी)/78-19बी—
 लिनिज समन्वेषण निगम लिमिटोड (मिनरल एक्सप्लोरोशन कार्पोरोशन लि.) में स्थाई रूप से भर्ती होने के फलस्वरूप श्री
 आर. एल. गेरा, डिट्रिलंग इजीनियर (किनिष्ट) ने भारतीब भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं को 26-2-1976 (अपराह्न) मंत्याग दिया है।
- मं. 8278बी/ए-19012 (4-जी के)/78-19बी——खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरोशन कार्पोरोशन ित.) में पूर्ण रूप से भर्ती होने के फलस्वरूप श्री जार्ज कारियन दिल्ला ने भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण की स्वाओं को 12-3-76 में त्याग दिया है। यह इस कार्यालय के दिनांक 5-8-1980 के

अधिसूचना संस्था 5856बी/ए-19012 (4-जी क)/78-19बी के अधिकमण में जारी किया जा रहा है।

सं. 2891 बी/7/77/एस आर एस/19ए—ल्श्री सुख राज शर्मा ने भारतीय भूबेजानिक सर्वेक्षण में लागत लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार 2-6-82 के अपराहन से स्याग दिया है तािक वे केन्स्रीय लागत लेखा कक्षा, विस्त मंत्रालय, व्यय विभाग (सिविल) में लागत लेखा अधिकारी के पद पर गवर्नमेन्ट औपियम एवं एलकालायड वर्क्स अण्डरटेकिंग, गाजीप्र में नियुक्ति के साथ अपनी नई नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सके।

एस. के. म्खर्जी महा निवंशक

आकाशवाणी महानिद्येशालय

नक्षीतल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं 32/3/82-एस-2---महानिद्शेक, आकाशवाणी, एतव्-द्वारा श्री रतन लाल कोतवाल, क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, क्षेत्रीय प्रचार निद्योलिय को रोडियो कश्मीर, श्रीनगर में विनांक 20-10-1982 (पूर्वाह्न) से विस्तार अधिकारी के पव पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एसः वीः संघादि उप निद्येशक प्रशासन कृते महानिद्याक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बस्यई-400026, दिनांक 12 नवस्बर 1982

सं. ए-19012/10/82-इ-।—-श्री सी. एच. राय, लेखा परीक्षा अधिकारी, लेखा परीक्षा निदेशालय, पूर्व रेलवे, कलकत्ता, को फिल्म प्रभाग के पूर्व क्षेत्रीय उत्पादन केन्द्र कलकत्ता स्थित कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर 20 अक्तूबर, 1982 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया जाता है।

एस. के. राय सहायक प्रशासकीय अधिकारी **जूते** मूल्य निर्माता

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निद्योज्ञालय

फरीवाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं. ए. 19024/4/79-प्र.-।।।—सेवा निवृत्ति की आय् पूर्ण करने पर इस निविधालय के अधीन क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोग- शाला, गाजियाबाद में श्री जी. एन. गर्ग, मुख्य रसायनज्ञ, दिनांक 30-9-82 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 13 नवम्बर 1982

सं . ए . 19025/4/78-प्र -।।।---इस निद्धालय के अधीन सहायक विषणन अधिकारी के पद से श्री कृज विहारी सिंह

द्वारा प्रस्तुत त्थागपत्र विनाक 1-7-1981 (अपराहन) से स्वीकृत किया गया है।

गोपाल **शरण** श्*य*ल कृषि विषणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलपाक्कम 603 102, दिनांक 3 नवम्बर 1982

म० ए० 32014/5/82-14479—रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के निदेशक इस केन्द्र के उन कार्मिकों में से प्रत्येक को जिनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं, उसके नाम के सामने लिखी तारीख से अगला आदेश जारी होने सक के लिए रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं:--

ऋम संख्या	नाम	वर्तमान पद	ता रीख जिससे वैज्ञानिक
			श्रधिकारी (एस बी)
			के पद पर
			नियु क्ति
			की गई
1	2	3	4
7		· - ·	

1	2	3	4
	सर्वश्री	_	
1	एस० पुवनशेस्त्रर	स्थायी वैज्ञा निक	1-8-82
		सहायक (बी)	(पूर्वाह्म)
		तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक	•
		सहायक (सी)	
2	के० सत्यमूर्ति	—–वही – –	1-8-82
			(पूर्वाह्न)
3	जे० ब्रम्मसूरी	—–वही 	1-8-82
			(पूर्वाह्म)
4.	वी०जी० कुलकर्णी	स्थायिवत वज्ञानिक	1-8-82
	/ 55	सहायक (सी)	(पूर्वाह्न)
5	द्यार ० कृ ष्णांमूर्ति	स्थायी वैज्ञानिक	1-8-82
		सहायक (बी) तथा	(पूर्वाह्र-)
		स्थानापन्न वैज्ञानिक	
		सहायक (सी)	
6.	एम० साम्रारू	वही	1-8-82
			(पूर्वाह्न)
7.	्टो॰एस॰ दक्षिणीमूर्ग	र्श	1-8-82
			(पूर्वास्त्र)
8	श्रीमती के० णंकारि	—-वही- 	1-8-82
			(पूर्वास्त्र)

1	2	3	4	1 2			3
9.	ए० त्यागराजन	स्थायिवत वैज्ञानिक	1-8-82	12. ,, बी०डी० यादव			6-10-82
		सहायक (बी)	(पूर्वाह्न)	13. ,, डेविड होरो			17
		तथा स्थानापन्न	•	14. ,, एन० जे० फ्रेमवाला			1,7
		वैज्ञानिक सहायक (सी)		15. ,, जी०बी० गोडवोल			"
10.	एस० कृष्णा भ्रय्यर	स्यायी सहायक फोरमैन	1-8-82	16. ,, एन०ग्रार० घाटे			,,
		तथा स्थानापन्न फोरमैन	(पूर्वाह्न)	17. ,, एस० सुब्रमण्यन			71
11.	के० शिव-	स्थायी वैज्ञानिक	1-8-82	18. ,, डीं०सी० मिश्रा			10-10-82
	सु श्रहमण्य न	सहायक (बी)	(पूर्वाह्न)	19. ,, एक्स० म्रलायसिम्रस			14-10-82
		तथा स्थानापन्न					
		वज्ञानिक सहायक (सी)				ग्रोम	रप्रकाश जैन
12.	षी० शिव-	वही	1-8-82		सहायक	निदे	शक प्रशासन
	सुत्रहमण्यन		(पूर्वाह्न)				
13.	म्रार० सुन्दर	ग्र स्थायी फारमैन	1-8-82				
	श्रीनिवासन		(पूर्वाह्न)	नई दिल्ली, दिनांक 8 न	वम्बर 1982	2	

एस० पद्मनाभन प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नर्ह दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

सं. ए. 38013/1/82-ई. ए. --- क्षेत्रीय निद्धाक, दिल्ली के कार्यालय के श्री एच. डी. लाल, विमान क्षेत्र अधि-कारी निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-9-82 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 5 नवम्बर 1982

मं० ए-32014/3/82-ई० ए०—महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्निलिखित विमान क्षेत्र सहायकों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से 6 महीने की प्रविध के लिए तदर्थ भाधार पर या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें मे जो भी पहले हो, सहायक विमान क्षेत्र प्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। उन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, बमरौली, इलाहा-बाद में तैनात किया जाता है।

%म नाम सं∘		तारीख	
1 2		 3	
 श्री जै० पी० एन० पाण् 	ġ .	4-10-82	
् 2. " एम० एम० फूल		"	
 3. ,, एस० भार० शर्मा 		,,	
4. ,, जे० एस० भाटिया		11	
5. ,, एस० पी० सिंह		,,	
 ,, पी० के० विश्वास 		11	
7. ,, ए० के० सिन्हा		,,,	
8. ,, भ्रार० चौबे	-	"	
9. ,, वी० टी० पाटिल		,,	
10. ,, एम०जे० मोतवानी		5-10-82	
11. ,, श्रार० के० शर्मा		,,	

मं० ए० 32013/7/80-ईसी०--इम कार्यालय की दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1982 की श्रिध्यूचना मं० ए० 32013/7/80-ईपी० के क्रम में राष्ट्रपित ने निम्नलिखित श्रिधकारियों को दिए गए क्रम में दिनांक 29-9-82 से और श्रन्य श्रादेश होने तक उनिनेशक/नियत्रक संचार के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उपी स्टेशन पर तैनात किया है :--

ぶ 年 स o	नाम	तैनाती स्टशन
1.	पी०एस० धुन्ता	यमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेन्द्रम
2	के० रामालिगम	वमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
3	एच० वी० सुदर्शन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
4.	एस० एच० खान	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
5.	के ० वी० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद
6.	एस०ग्रार० श्रार० राव	वमानिक संचार स्टेशन मद्रास
7	रिमाल सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम
8.	सुरेश चन्द्र	वैमानिक संचार स्टशन,, कलकत्ता
9.	वी० के० वर्मा	वैमानिक मंचार स्टेशन, बम्बई
10.	एस० के० कक्कड़	वैमानिक संचार स्टेशन, क्लकत्ता
11.	डी०सी० मेहता	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई विल्ली

दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं० ए० 38013/6/82-ई० सी०—-वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित श्रिधिकारियों ने निर्वतन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारीख मे श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:---

नाम स्रौर पदनाम	स्टेशन	सेवा
		निवृत्ति
		की
		तारीख
 सर्वश्री		
एम० ए० लिली	वैमानिक संचार	30-9-81
सहायक संचार श्रधिकारी	स्टेशन, बम्बई	(भ्रपराह्न)
बी० सी० दत्ता,	वैमानिक संचार	39-9-81
प्रहायक संचार भ्रधिकारी	स्टेशन, कलकत्ता	(भ्रपराह्न)
एस० एन० गंगोली	वैमानिक संचार	30-9-82
प्रहा यक सं चार	स्टेशन कलकत्ता	(भ्रपराह्न)
प्रधिकारी		
पी० ए० मथुनी	क्षेत्रीय निदेशक	30-9-82
प़हायक संचार	का कार्यालय,	(भ्रपराह्न)
प्रधिकारी	दिल्ली	
एम० वी० राजन,	क्षेत्रीय निदेशक	30-9-82
प्रहायक संचार	का कार्यालय,	(भ्रपराह्न)
प्र धिकारी	मद्रास	
	सर्वश्री एम० ए० लिली सहायक संचार श्रधिकारी बी० सी० दत्ता, सहायक संचार श्रधिकारी एस० एन० गंगोली सहायक संचार प्रिधकारी पी० ए० मथुनी सहायक संचार प्रिधकारी एम० बी० राजन, सहायक संचार	सर्वश्री एम० ए० लिली वैमानिक संचार सहायक संचार श्रधिकारी स्टेशन, बम्बई बी० सी० दत्ता, वैमानिक संचार सहायक संचार श्रधिकारी स्टेशन, कलकत्ता एस० एन० गंगोली वैमानिक संचार सहायक संचार स्टेशन कलकत्ता प्रिकारी पी० ए० मथुनी क्षेतीय निदेशक सहायक संचार का कार्यालय, प्रिधकारी विल्ली एम० वी० राजन, क्षेत्रीय निदेशक

दिनांक 16 नवम्बर 1982

मं० ए० 12025/1/82-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न--लिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक तकनीक श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

कम नाम सं०	कार्यभार ग्र करने की ता	-	तैनाती स्टेशन
1. श्री के० रामाकृष्णन्	2-6-82	(पुर्वाह्म)	वैमानिक संचार
2. श्रा राजेश महेश्वरी	1 1-6-82 (पूर्वाह्न)	स्टे हैंद हाब श्राड् रेप निय एः वि एः व	

सं. ए. 12025/1/82-ई. सी.— राष्ट्रपति ने श्री विनय रंजन संना को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार मंगठन में विनांक 10-9-1982 (पूर्वाह्न) में और अन्य आदेश होने तक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, पालम के कार्यालय में तैनात किया है।

प्रेम चन्द सहायक निद्येशक प्रशासन

नर्इ दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं. ए. 32014/1/80-ई. एस.—महानिदंशक नगर विमानन ने श्री डी. एस. धूर्वे, भण्डार सहायक की भण्डार अधिकारी (समूह ''ख'' पद) के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को सामान्य शर्तों पर 10-4-82 से छः मास की अविधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरो जाने तक, इनमें से जो भी पहले दो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

जे. मी. गर्ग सहायक निदोशक प्रशासन

केन्द्राय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 3 नवम्बर 1982

सं० 11 (7) 2—स्था०/82/11425—इस कार्यालय के स्थापना श्रादेश संख्याएं 150/82, दिनांक 19-5-82 श्रीर 231/82, दिनांक 31-7-82 के द्वारा निम्नलिखित कार्यालय श्रधीक्षकों केन्द्राय उत्पाद एवं सामा शुल्क (निवारण) समाहतिलय, पटना, का वैतनमान ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 - द० रो०-40-1200/- तथा नियमान्त देव सामान्य भतों के सहित वैतनमान पर स्थानापन्न प्रणासन अधिकारा, (समूह 'ख') केन्द्राय उत्पाद एवं सामा शुल्क के स्प में प्रोन्नत किया गया। उपर्युक्त श्रादेश के श्रनुसरण में उनके नाम के सामने दिए गए स्थान, निथि श्रीर समयानुसार प्रशासन पदाधिकारा, केन्द्राय उत्पाद/सोमा शुल्क (समूह ख') के पद का कार्यभार ग्रहण किए:--

ऋप सं∘	पदाधि कारी	का नाम जहां पक स्थापित किए गए	कार्य भार ग्रहण करने की निथि
1	2	3	4
-	र्विश्रा मेश्वर दयाल	प्रशासन पदाधिकारी, मुख्यालय, पटना (इस कार्यालय के स्थापना श्रादेण संख्या 220/82 दिनांक 26-7-8 के द्वारा पदस्थापना संशो- धित की गई)	2

1	2	3	4
2. ड 10	पा० कान्	प्रशासन पदाधिकार , सामा शुल्क (निवारण) प्रमंडल, मुजपफरपुर	30-8-82 (पूर्वाङ्ग)
		हाँ० कु० सहायक समाहर्ता क् र	' '

निर्माण महानिद्धालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1982

सं. 1/3/69-ई. सी. 9--इस विभाग के वास्तूचिद श्री एम. जी. अनुरक्षर वार्धकय की आयु प्राप्त करने पर 30-9-82 (अपराह्म) को सरकारी सेदा से निवृत हो गये।

नीना गर्ग प्रशासन उप-निद्शाक

मध्य रोतवे महा प्रबन्धक का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं. एच . पी. बी. /220/जी/1/एस—-श्री गिरीश भट-नागर भारतीय रोल भण्डार सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परिवीज्ञा अविध पूरी होने पर दिनांक 18-11-1975 से अवर वेतनमान (श्रेणी 1) सेवा में स्थायी किया गया है :--

> टी. एन. रामचन्द्रन महाप्रबन्धक

पूर्ति एवं पुनर्वास मन्त्रालय (पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 18 नवस्बर 1982

सं जी-65/एस० श्री०—महानिदेशक राष्ट्राय, पर क्षण गृह, कलकत्ता, निम्न वैज्ञानिक सहायकों (श्रनाशकारी तथा रसायन) राष्ट्रीय परीक्षण गृह-कलकत्ता की नियुक्ति कम्माः वैज्ञानिक श्रिष्ठकारी (श्रनाशकारी तथा रसायन) के पद पर (निम्नलिखन) शाखा कार्यालयों में, प्रत्येक के नाम के साथ दर्णायी गई तिथियों से, निधिवत श्राधार पर किमी श्रन्य श्रावेश के निकलने तक के लिए करते हैं —

न्क्रम न सं०	 ाम	पदनाम	वैज्ञानिक ग्रिधकारः के पद पर पद्योन्नति दिनांक सं	शास्त्रा कार्यालयो म
1	2	3	4	5
1. श्र भट	एम० के० टाच जी	वैज्ञानिक सहायक (भ्रनासकार)	6-9-82	राष्ट्रीय पराक्षण गह्, मद्रास

	1 2	3	4	5
2	श्री विश्वनाथ	वैज्ञातिक स्टापन	6-9-82	राष्ट्राय
	सरकार	सहायक (रसायन)		पर⊹क्षण गृह
				गाजिया- बाद
			····	

सः जी-65/एसः आं.—महानिद्शेक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता श्री रमेश चन्द्र गांधी, वैज्ञानिक सहायक (अनाशकारी) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की नियुक्ति वैज्ञानिक अधिकारी (अनाशकारी) के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शासा कार्यालय, बम्बई म दिनांक 30-8-82 (पूर्वाह्न) से किसी अन्य आदश के न निकलने तक के लिये करते हैं।

ए. बनर्जी उपनिदंशक (प्रशासन), कृते महानिदंशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता

विधि, भ्यास तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विकाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और जुग्गीलाल कमलापत गैस प्लान्ट मैन्युफ क्विरिंग के. (रामप्र) प्रा लि. के विषय में।

कानपूर, विनांक 20 अगस्त 1982

सं 1103/एल सी /8972—कम्पनी अधिनियम 1956 की धार 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वार सूचना दी जाती है कि जुग्गीलाल कमलापत गैस प्लांट मैन्यू-फिक्मिरिंग के (रामपुर) प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कस्पनी विघटित कर दी गयी है।

वी. वी. कपूर कम्पनियां कारजिस्ट्रार, उप्रदेश, कानपुर

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1982

सं. लिक्वि. 5052/21163— जबिक मैसर्ज प्राइंगों प्राइंवेट लिमिटोंड, जिसका पंजीकृत कार्यालय, 924 फीज मार्ग करोल बाग, नई विल्ली पर ही, समाप्त की जा रही ही,

और जबिक अभोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह मान लेने के लिए युक्ति युक्त कारण है कि कस्पनी के कार्यकलाप प्री तरह से समाप्त कर दिए गए है तथा समापक द्वारा प्रस्तुत की जाने थाली अपेक्षित विवरणियां लगातार छ: महीनों तक प्रस्तुत नहीं की गई, अब, इसीलिए कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 के 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुबंधों के अनुसरण में एसव् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि इस नोटिस के दिनांक से तीन महीने की समाप्ति पर मैसर्ज प्राइमों प्राईवंट निमिटेंड का नाम जब तक कि इस के विरुद्ध कोई कारण न दिखाया जाए, रिजस्टर में काट दिया जाएगा तथा कम्पनी समाप्त कर दी जाएगी।

हः अपठनीय कंपनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नवज्योति प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 8 नवस्बर 1982

सं. 2022/लिक्बि/560(3)/82—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन मास के अवसान पर नवज्योंित प्राईबिट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृल कारण दिंशत न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जोएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोषय प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटोड को विषय में ।

कोचीन, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं. 2518/लिक्नि/560(3)/82 कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्व्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केवयु प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम , 1956 और लीरो फार्मा प्रार्डवेट लिमिटोड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं. 2742/लिक्बि/560(3)/82—कम्पनी अधिनियम 1956 की भारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लीरो फार्मा प्राइ विट लिमिट ड का नाम इसके प्रति-कृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और साई फर्टीलाईजर्स लिमिटडे के विषय में ।

कोचीन, पिनांक 8 नवम्बर 1982

सं. 2833/लिक्वि/560(3)/82—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर साई फर्टीलाई जर्स प्राईविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात ने किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी। कम्पनी अधिनियस, 1956 और पेरिनाड इन्डिस्ट्रियल वैंग लिमिटोड के विषय में ।'

कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं. 863/लिक्नि/560(5)/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि पेरिनाड इन्डस्ट्रियन वंग लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया ही और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सेन्ट मेरीस पर्मार्गन्ट फण्ड लिमिटोड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं. 1130/लिक्बि/560(3)/82—कस्पनी अधिनियम 1956 की भारा 560 की उपभारा (3) के अनुसरण में एतब्-द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारिक्ष से तीन मास के अवसान पर सेन्ट मेरीस पर्मानेंट फण्ड लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया जाएगा और उन्क्स कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टिंच इन्डिया प्राईविट सिमिटोड को विषय में ।

कोचीन, दिनांक 11 अक्सूबर 1982

सं 1137/लिक्वि/560(3)/82—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्-द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारिख से तीन मास के अवसान पर स्टीच इन्डिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिवात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी आएगी।

> के. पन्चापाक्षेशन कम्पनियों का रिजस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम 1956 मृलुकतला फार्मस एण्ड कन्सट्रक्संस

प्रा. लि, को विषय में

हैदराबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

सं. 2127/टीए ।।।/560—-कम्पनी अधिनियम कौ धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मुलुकतला फामर्स एण्ड कनसदृक्संस प्रा. लि. का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वि. एस. राजू कम्पनियौँ का रिजिस्ट्रार आन्ध प्रवेश, हैदराबाद। प्रकृप आइ. टी एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अक्तूबर 1982

निद^{र्}श स. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3098 --अतः मुभ्ने, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. प्लाट नं. 67 है, तथा जो वैकुठ नगर, खंडवा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, खंडवा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1982

को पूर्वो क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मंतिरितियों) के बीच ऐसे नंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्यंश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६——
2—366GI/82

- लोफिटिनेन्ट कर्नल एन. जे. कपाड़िया नि. पूना द्वारा एजेन्ट कर्न्हीयालाल सर्राफ, गृरहानपूर। (अन्तरक)
- 2 श्री प्रदीप क्मार पुत्र कन्हौयालाल सर्राफ द्वारा कमल चित्रा मंदिर, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के नर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिष या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं [8]

न्तृज्वी

प्लाट नंबर 67 जिस पर मकान बना हुआ है, रजीस वार्ड, वैकाठ नगर, खंडवा में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिन, टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक : 25-10-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रॉज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 अक्तूबर 1982

निवर्ष सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3099
——अतः मुक्ते, देविप्रिय पन्त,
आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान वं 9/2 है, तथा जो मनोरमा गज, इंदौर में रिथत हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्टरकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इदौर में, रिजरद्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) मंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- 1. डा. कनकलता भार्गव पत्नी श्री रंजीत भार्गव निवासी - नवल क्किगोर निवास, हजरत गंजा, लखनका

(अन्तरक)

2. श्री सजय भड़ारी पुत्र श्री मज्जन सिंह भंडारी निवासी-61 अया बाजार, इन्दौर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम एवं द्वितीय मंजिल पर बना मकान नं 9/2, मनोरमा गंज, इन्द्रिस में स्थित हैं।

> देवप्रिथे पिस्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी टी. नगर, भोपाल

दिनांक . 26-10-1982

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भाषाल, दिनांक 26 अक्तूबर 1982

निर्दोश सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3100 --अतः मुभे, देविशिय पन्त,

आयकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान नं 4/2 है, तथा जो डा आर एस भंडारी मार्ग इन्दौर में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) जनतरण सं हुइ किसी जाम की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- डा. नरभ्य सिंह आर. भंडारी श्री ए. आर. भंडारी श्रीमती रोशन कुनवर भंडारी निवासी - ई-3, ईदगाह हिल्स, भोपाल। (अन्तरक)
- 2. श्री लालचंद बेनगानी निवासी - 78 बड़ा सर्राफा, इंद्वौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसुची

मकान नंबर 4/2 डा. आर. एस. भंडारी मार्ग, इन्दार में स्थित है। एरिया-2454 स्के. फीट, मकान एण्ड प्लाट ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, **चौथी** मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक : 26-10-1982

प्रकार नार्यं व दी । एक एस , -------

भायकर गीर्भानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ग्रीन सूचना

भारत सुकार

कप्रयानिय्, सहायक भायकर भायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, विनाक 29 अक्तूबर 1982

निवर्षा सं. आर्द्द. ए. सी./अर्जन/भापाल/3101 ——अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रह. से **अधिक ह**ै

और जिसकी सं. मकान नंबर 46 है, तथा जो गोपाल बाग कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2 मार्च 1982

(1908 का 16) के अधीन, 2 मार्च 1982
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल में किया गया हैं:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत्। उक्त बहुँभ्नियम के अभीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; ब्रीर/या
- (भ) एसी किसी नाम या किसी भूत ना नम्य नास्तियाँ नहें, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या भन-कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना जाहिए भा, छिपाने में स्विभा ने निए;

अतः अव, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के जमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थात् :--- श्री शानोमल पिता बंदोमल जी निवासी-46, गोपाल बाग कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री चेलाराम आसनानी पिता खेमचंदजी आसनानी निवासी - 32/1 बैराठी कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

वन्स्चीं

मकान नंबार 46 गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 29-10-1982 मोहर .

प्रकप आई• टी• एव• एस•----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के सभीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोषाल

भोपाल, विनांक 29 अक्तूबर 1982

निवर्षेश सं. आर्च. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3102 --अतः मुक्ते, देविप्रिय पन्तः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि है, तथा जो ग्राम मझानिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाजापूर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नतिष्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत उक्त बीध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीए/बा
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

बत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण बें, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निजिखन व्यक्तियों, वर्धात् हिन्स

 श्री दोवनारायण पिता लक्ष्मीनारायण निवासी - ग्राम मझानिया, हाल निवासी नीमखेडी तह. शाजापुर।

(अन्तरक)

 श्री जयस्थलाल मोहनभाई गुजराती सोनी निवासी - शाजापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पछ्डीकरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि कल क्षेत्रफल 1-610 हंक्टोयर ग्राम मझानिया में स्थित ह³।

> देषप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौभी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारील : 29-10-1982

माहर :

प्ररूप आर्घ.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निद²श म. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3103 --अतः मभ्डे, दावित्रिय पन्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि हैं, तथा जो ग्राम मभ्गानिया में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से तर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, शाजापूर में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को मर्क हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- श्री इविनारायण पिता लक्ष्मीनारायण निवासी-ग्राम मझानिया हाल निवासी नामवाङ्गी तह. शाजापर।

(अन्तरक)

 श्री रजनीकान्त पिता मोहन भाई गुजराती निवासी-झाजापूर।

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त स्थारित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ;--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि कुल क्षेत्रफल 1-829 है क्टोयर ग्राम महानिया में स्थित हो।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी, टी. नगर, भोपाल

तारील: 29-10-1982

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निवर्षेश सं. आर्घः ए. सी./अर्जन/भोपाल/3104 --अतः मुफ्ते, दोवप्रिय पन्तः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि हैं, तथा जो ग्राम मझानिया में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाजापूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से पिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिये था छिपाने भे सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिलित व्यक्तियों, अर्थातः—- श्री देवनारायण पिता लक्ष्मीनारायण निवासी-ग्राम सभामिया हाल निवासी नीमवाड़ी तह शाजापर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इंतादेवी पत्नी रजनीकान्त गुजाराती सोनी निवासी-भटट मोहल्ला शाजापर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1-673 ह^{ीकटोयर ग्राम} मझानिया में स्थित ह¹।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन राज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी टी नगर, भोपाल

तारील 29-10-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निद^भश सं. आर्ह. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3105 --अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो ग्राम मझानिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाजापुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-10-1982

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए'स गिकिसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— श्री देवनारायण पिता लक्ष्मीनारायण निवासी-ग्राम मभानिया हाल निवासी नीमवाङ्गी तह , शाजापर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रिका देवी पत्नी जयसूर्यपाल गुजराती सोनी निवासी - शाजापुर।

(अन्सरिती)

को यह सूच्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः —

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्वभू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

भूमि क्षेत्रफल 1-664 हैं क्टर ग्राम मझानिया में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त
स्वाम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल,
टी. टी. नगर, भोपाल

तारीय : 29-10-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्त्बर 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3106 --अतः मुक्ते, देविप्रियं पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स भूमि है, तथा जो मभानिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मृची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाजापुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लियं, बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अदः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. जिम्निलिखिट व्यक्तियों, अधीन: —— 3—366GI/82

 श्री देव नारायण पिता लक्ष्मी नारायण गिवासी-ग्राम भभानिया हाल निवासी नीमवाडी शहर शाजापुर, तह. शाजापुर।

(अन्तरक)

2. श्री जतन क्मार पिता जयस्र सलाल पिता राजशी भाई गुजराती सोनी निवासी-शाजापुर।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोगे।

स्थष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन्स्यीं

भूमि क्षेत्रफल 1-735 हैं क्टर ग्राम मझानिया में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयका (निरोक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, **चौ**थी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

नारीब : 29-10-1982 '

मोहर : 🥠

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निदर्भि सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3107 --अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिक्कास करने क कारण है कि स्थावर मंगित, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक है

और जिसकी मंं प्लाट नं 8 है, तथा जो नर्मदानगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपानव्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 मार्च 1982

को प्रवेक्त संपरित् के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अप्तरण से हुई किसी आय की बाबत खबत अखि-नियम के अधीन कर देने के अप्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी िस्सी धाय या किसी धन पा प्रन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या ध्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं ध्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिसित व्यक्तियों, अधीत:—— क्सारी उथा पिता नर्मदा प्रसाद सारजा तरफे आ म् नर्मदा प्रसाद पिता कन्हें पालालजी सारजा नि. 534, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर।

(अन्सरक)

 श्री रमेश प्रसाद पिता रामप्रतापजी शर्मा निवासी 642 स्नेह नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को ग्रह सुचना जारी करके पृशाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, सी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वम्सूची

प्लाट नं. 8, नर्मदा नगर, इंदौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

ता्रीम : 29-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निदंशि स. आर्इ ए सी./अर्जन/भाषाल/3108—-अत. मूर्फे, दोवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/ रह. म अधिक है

और जिसकी स. प्लाट नम्बर 17 है, तथा जो नर्मदा नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणे रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 मार्च, 1982

को पृथोंकत संपीतत के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत आंधक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिभिनियस, के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

बत. सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- श्रीमती ज्योति बाई
 पति श्री कृष्ण दासजी तरफे आम मृ.
 नर्मदा प्रसाद सारङा
 पिता श्री कन्हौयालाल सारङा
 निवासी-534, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर।
 (अन्तरक)
- श्रीमती कान्ताबाई पति केशवजी गुजराती निवासी-65, नार्थ तोडा, इवरि।

(अन्तीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विशा भया है।

प्रनुसूची

प्लाट नम्बर 17 नर्मदा नगर, इंदौर में स्थित है । नाप 40×65 ।

देवेप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोपास गंगोत्री विलिंडग, सौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपास

तारीख : 29-10-1982

प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भांपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निदंशि सं आर्ह. ए. सी /अर्जन/भोपाल/3109--अतः मुफ्ते, दोविशिय पन्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नम्बर 17 है, तथा जो नर्मदा नगर, इदौर मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण म्प में विषित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इदौर मा, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 30, मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम कं दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण सं हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अग्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- कुमारी उज्ला
 पिता नर्मदा प्रसाद सारड़ा तरफे आम मू.
 नर्मदा प्रसाद
 पिता कन्ह, यालालजी सारड़ा
 निवासी-534, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर।
 (अन्तरक)
- श्रीमती साँ माधनी पंढ़ारे पति मधुकर पंढ़ारी निवासी-छीपा बाखल, इदाँर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपश में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां सक्द अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नम्बर 10, नर्मदा नगर, इंदार मो स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, भाषाल) गंगोत्री विल्डिंग, घौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोषाल

नारीख: 29-10-1982

मांहर:

प्ररूप बार्ड .टी .एन . एस . -----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 29 अक्तूबर 1982

निदर्श सं आर्ह. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3110--अत मुभे, दोवित्रिय पन्तः,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षावर सम्पति, जिसवा जानत वाजार मूल्य 25.000/- रज. से अधिक हैं

और जिसकी स. ख्ली भूमि ही, तथा जो रवलाम मे स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुमूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम मा, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 9 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरंक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; आर्रिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री विजन्द क्यार पुत्र सन्दर सिंह जी जैन के मु आम श्री हुकुमचंद पिता सन्दर सिंह जी जैन निवासी-मोहल्ला त्रिपालिया गेट, रतलाम ।

(अन्सरक)

 मैसर्म अकलंसरीया आटो मोबाईल फर्म व्वारा भागीदार श्रीमती नीना टी. अकलंसरीया छत्रीवाली पुल, रतलाम ।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहम्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि में का हिस्सा मोहल्ला महूं नीमच रोड, रतलाम में स्थित हैं जिसका एरिया 292.35 वर्गमीटर हैं। जिस पर केंद्रा का पेट्रोल पम्प बना हुआ है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आय्क्त अर्जन रेज, भोपाल गगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारील 29-10-1982 मोहर प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निर्देश स आई ए. सी /अर्जन/भोपाल/3111--अतः स्के, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पाण 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

और जिसकी स प्लाट न 33 ही, तथा जो प्राफेसर्स कालानी, इदार में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, इदार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 27 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित का उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अनन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- भैसर्स इंदौर बिल्डर्स तरफे रातन लाल गृप्ता पिता श्री भवरलाल गृप्ता, निवासी-1/2, जावरा कम्पाउड, इंदौर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुमित्रा बाई पति मुख्तीधर जी नीमा निवागी-18, मालगंज, इदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^न, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नम्बर 33, भवर कुआ रोड स्थित प्रोफेसर्स कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिलिंडग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 29-10-1982

प्र**रूप पाई** टी॰ एन • गस•~~~

श्रायक**र प्रधितियम, 1**961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रंधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निवर्षा सं. आर्द. ए सी./अर्जन/भोपाल/3112-~अतः मुभ्ने, दोवप्रिय पन्त,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके परवान् 'उक्त प्रशिवियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अश्रीत स्थाप गित्रिशारों को ४४ विश्वास करने का कारा ने कि स्थावर सम्मन्ति जित्रका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्याये से अश्रिक है

और जिसकी म प्लाट ग 17 है, तथा जो जैन कालोनी, रतलाम म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमुधी में और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम मं, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचिन बाजार मृख्यसे कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रातिकि उचिन बाजार मृख्यसे कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रातिकि की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐस दृश्यमान प्रतिफ का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन हैं इश्य स उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) प्रन्तरण से हुई कियो ग्राय की वावत, उका ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (श) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या श्रन्य खास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

नतः सन, उक्त निधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में ,उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री श्रीमत महाराज लोकेन्द्र सिंह संग्थान रतलाम मृ. आम प्रभाराज्य लक्ष्मीजी, निवासी-लोकेन्द्र भवन, रतलाम। (अन्तरक)
- श्री प्रकाशचंद पिता गेदालालजी नाहर मोहल्ला घास बाजार, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उत्त प्रान्ति के प्रजा के प्रस्वत्य में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजणक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत्र से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में में कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम तूच स के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरगः—-ई तमें प्रयुक्त णब्दों ब्रीर पर्दों का, जो उक्त सिधाः निगम के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूधी

प्लाट नं. 17, जैन कालोनी, रतलाम में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्तः
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल,
टी. टी. नगर, भोपाल

तारीय 29-10-1982 मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन, रेंज हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

मं० म्रा० ये०सी० नं० 196/82-83--- म्रातः मुझे एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 26,000/ के में अधिक है

श्रौर जिनका संख्या 11-62-52 श्रौर 53 है, जो विज्ञायावाडा स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्त्ता श्रधकारी के कार्यालय विज्ञायावाडा में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान मार्च, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए:

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—— (1) श्री बी० वा० नारसिंहाराव नायुडु,
 पिता लेट श्रा वेंकटा रायुलु नायडु,
 पंगिडिगूडेम येलूरा तालूख

(अन्तरक)

(2) श्रामती टी० चिन्ना मत्यावाता, पति श्री मीताराम नजनियुलु ग्रीर 2, गावारनर पेट, विजायावाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

घर नं० 11-62-52 में 11-62-53 विस्तीर्ण 1082 चतुर गज विजायाबाडा में रिजिस्ट्रेन्ड्रन विलेख नं० 1515/82 रिजस्ट्रोकर्मा ग्रिधिकार। विजायाबाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त निर्≀क्षण स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निदर्शि सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3114--अतः मुभ्के, देवेत्रिय पन्तः,

अयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुट. से अधिक है

25,000/- पा. त जायग्र हु और जिसकी मं. मकान म्यूं नं न्या 8 है, तथा जा शंकू मार्ग, माधव नगर, फी गंज, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावइध अनुसूची मं और पूर्ण रूप मं विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतियन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए थान छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्भरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-~
4—366 GI/82

 श्री भूपेन्द्र कुमार आत्मज नर्यन्द्र कुमार जी निवासी शंक्र मार्ग, माधव नगर, फ्री गंज, उज्जैन।

(अन्तरिती)

 श्री प्रेमा नारायण आत्मज खुबीलाल जी चारिजया निवासी-चौक बाजार, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हंू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मकान म्या नं नया 8 अ मो का भाग सकान दो मंजिला टीन पांश ही, शंक, मार्ग, साधव नगर, फ्री गंजा, उज्जीन मी स्थित ही।

> देविप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोत्री विलिंडग, चौथी मन्जिल, टी.टी.नगर, भोपाल।

तारील 29-10-1982

प्रकप् आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 30 अक्तूबर 1982

निर्दोश स. आर्द. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3115~-अत. म्भ्रे, देवप्रिय पन्स, मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं प्लाट नम्बर 56 है, तथा जो राजमहल कालांनी, इंदार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति की उचित बाजार मृल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल सं, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुर्ड किसी आव की बाबस उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः वदः उक्त विभिन्नम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिषित स्पेक्तियों, अधीत् :--

- । श्री दर्शनलात पिता टहलराम जी आर्तत्रानी
 - श्रीमती लाजवंती पति दर्शनलाल आर्तवानी मकान न 10 राजेश नगर कालोनी, नन्दनालपुरा, इदिरि।

(अन्तरक)

श्री म्रलीधर पिता उधाराम जी राजपाल निवासी-1 बी, प्रेमनगर कालांनी, इंदौर।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न 56 राजमहल कालानी, इदारे में स्थित है।

देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौंथी मन्जिल, टी टी नगर, भोपाल।

नारीब 30-10-1982 मोहर :

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निद⁴श सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3116---अत. मुफ्ते, दोवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. नं पुराना 15 वर्तमान न 16 है, तथा जो जवाहरलाल मार्ग, स्ट्रीट नं 6, इंदौर में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 6 मार्च, 1982

मं पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाण गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया बाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री बालकृष्ण पिता महादोव उर्फा माधवराव जाेशी निवासी-176, वृन्दावन कालोनी, इंदार।
 - श्रीमती मालती
 पति मध्कर लोणकर
 निवासी-पान दरीबा, उज्जैन।

(ग्रन्तरक)

 श्री रमेश चन्द्र आहमज गेन्दालाल जी अम्बेकर निवासी-32/5 जवाहर मार्ग, इंदौर।

(भ्रन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानितयों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्सूची

मकान नंबर पुराना 15, नया नंबर 16, जवाहर मार्ग, स्ट्रीट नंबर 6, इंदर्र में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम श्रीधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 30-10-1982

प्रक्प बाइं. डी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के स्थीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निक्षां सं. आर्ह. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3117---अत. मुभे, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ई के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान नं. पूराना 15, नया नं. 16 है, तथा जो जवाहर मार्ग स्ट्रीट, इंदार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 मार्च, 1982

में प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उष्धे देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वागत, उनस् अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक कें दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉट/या
- (स) ऐसी किस्री आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धार 269-म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्म[लिखित व्यक्तियों, अर्थात्---

श्री बालकृष्ण
पिता महादेव उर्फ माधवराव जोशी
176 बृन्दावन कालोनी, इंदार।
2. श्रीमती मानती
पति मधुकर लोणकर
निवासी-जान दरीबा, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

भाग III--ख•ह 1

श्री प्रेमचंद
 आत्मज बिहारीलाल जी कटारिया
 निवासी-17, पंकरीनाथ पथ (आड़ा बाजार),
 इसौर।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना आरो करके पृवाकित सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माध्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अमुसूची

मकान नंबर पुराना 15, वर्तमान नंबर 16, जवाहर मार्ग, स्ट्रीट नंबर 6, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री विलिडग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल।

ता्रीब : 30-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निर्वोश मं. आर्झ. ए. मी./अर्जन/भोपाल/3118---अतः मुझे, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नम्बर 12 है, तथा जो जब्होरी कालांनी, मिण बाग रांड पर ब्लाक नं. 1, इन्दार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, इदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 31 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उाचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विधों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कि हैं जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धून बढ़े अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादीनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बढ़िया जीना चीहिए था, छिपाने में सुविधा के रिल्हें,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री क्मार पिता श्री लालचंदजी बाधवानी, निवासी-11 ए, अन्तपूर्ण बिल्डिंग, जव्होरी कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्री लालचंद पिता श्री कंबलरामजी सचदेव, निवासी-12 ए, अन्नपूर्ण बिल्डिंग, जव्होरी कालोनी, माणक बाग, इंदौर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 12 पर बना हुआ मकान, जव्होरी कालोनी, माणिक बाग रोड़, पर ब्लाक नम्बर 1, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टीनुटी. नगर, भोपाल

तारीख : 30-10-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आर्घ टी.एन एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 29 अक्तूबर 1982

निर्दाश स. आर्ड ए सी /अर्जन/भोपाल/3119--अत मुझे, दोवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रह. से **मधिक ह**ै।

और जिसकी स. प्लाटन 8 है, तथा जो रतलाम मा स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं). रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम मे रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मार्च, 1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उदद रथ में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (ंक्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्ही भारतीय शायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमंत हिज हाईनेस महाराज लोकोन्य्रसिंह जात्मज श्री सज्जन सिंहजी, के मृ. आम श्रीमती महारानी साहिबा प्रभाराज्य, लक्ष्मी निवासी, रतलाम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीलाबाई पति श्री गांविन्दरामजी सोनी निवासी-चादनी चौक, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस् स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 1

अनुसूची

प्लाट सूरजपोल, नम्बर 8, रतलाम में स्थित है, एरिया 1250 स्के फीट।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, बीधी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारी**स** · 29-10-1982 मोहर 🗓

प्रकृप आहें, टी. एन. एस ------

आग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निर्वोश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3120--अतः मझो, दोवप्रिय पन्त. बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित शाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि खसरा नम्बर 664/2, 664/3 है, तथा जो शंकर नगर, रायपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, रायपुर मं रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन, तारीख 29 मार्च, 1982 को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीडि/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की निष्;

 श्री परंसू बल्द कली रावत, निवासी-मौजा शंकर, नगर, रायप्र।

(अन्तरक)

यीतांजली गृह निर्माण सहकारी समिति सर्यादित, टिकारापार रायपुर द्वारा अध्यक्ष छिवनाथ मिश्रा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण ६——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि खसरा नम्बर 664/2, 664/3, शंकरनगर, रायपूर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्पीन. निम्निस्तिक व्यक्तियों, अधित् ⊱

तारील . 30-10-1982 मोहर छ प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निवर्षेक्ष सं. आर्द्यः ए. सी./अर्जन/भोपाल/3121---अतः मुझे, देविप्रिय पन्तः,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि ल नं 663/2, 653, 661/1 हैं, तथा जो शंकर नगर, रायपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अभिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 29 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री परस् वल्द कली रावतः निवासी-शंकर नगरः, रायपुरः।

(अन्तरक)

 गीतांजली गृह निर्माण महकारी , मिमिति मर्यादित टिकारापारा रायपुर द्वारा अध्यक्ष छिवनाथ मिश्रा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्यों

भूमि ससरा नं. 633/2, 653, 661/1, शंकर नगर, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन र्जेज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, जौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 30-10-1982

मोहर 🖔

प्ररूप. गाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3122— अतः मुझे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि खसरा नम्बर 18, 19 है, तथा जो ग्राम बठना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धमतरी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 16 मार्च, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. वर्थात् :--- 5 --- 366GI/82

- 1. (1) श्री दशरथदास पिता श्री कपूरचंद,
 - (2) श्री इन्दलदास पिता श्री कप्रचंद, जिशासी-अर्जनी तह, धमनरी।

(अन्तर्क)

- 2. (1) श्रीमती सदाबाई पति श्री अमरचंद,
 - (2) श्री राजेश कुमार पिता श्री अमरचंद,
 - (3) श्री गौतमचंद पिता श्री नत्थलाल,
 - (4) श्रीमिति विशिकांता पति श्री मदनलाल जैन, निवासी-सदर बाजार, धमतरी।

國家多數

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

भूमि खसरा नम्बर 18, 19 ग्राम बठोना, तह धमतरी जिला रायपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, भौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

नारीष : 30-10-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, विनांक 30 अक्तूबर 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3123--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से मिक है और जिसकी सं. भूमि ख. नं. 18/2, 19 है, तथा जो मौजा भीसा मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिसीट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 31 मार्च, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफंत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिन्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अप्तः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री पंडित जयनारायण द्वे पिता श्री जगन्नाथ प्रसाद द्वे, श्री पंडित बाब्लाल द्वे पिता श्री जगन्नाथ प्रसाद द्वे, दिवासी-सिविल लाइन्स, सागर।

(अन्तरक)

 श्री गुरूनानक कार्परेशन हार्ऊिमग मोसायटी, मेक्टेरी श्री गुरूयचन सिंह, श्री दयाशंकर सिंह साहनी, चेयरमेन, सदर बाजार, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि समरा नम्बर 18/2, 19 मौजा भैसा में स्थित हैं।

स्वेप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 30-10-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 2 नवम्बर 1982

निर्देश स आई ए सी /अर्जन/भोपाल/3124--अत मुझे, देवप्रिय पन्त,

<mark>अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस</mark>म इसके परवात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्परित, जिसका उचित बाजार गुल्य ?5,000/ रहः से **गभिक है**।

और जिसकी संखन 316 है, तथा जा मौजा अमसना म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायप्र म रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 12 मार्च, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रिक्षिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापुर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एेसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधाः के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या **भेनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किंदु;

अतः अम, उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रू, में उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

- (1) श्री बाबुलाल वल्द श्री बाधव
- (2) श्री वाउत्ताल वल्द श्री मोहन वर्मा, निवासी-सोरसी तह. रायपुर।

(अन्तरक)

- (1) श्री शत्रहुन कुमार वल्द श्री सूखीराम,
 - (2) श्री स्पाल कुमार वल्द श्री आसाराम सतनामी, निवासी-अमसेना, तहः रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुकना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा तकेंगं।

स्पव्योकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि ख नं 316, मौजा अमरीना, तह. रायपुर में स्थितं है।

> दवित्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, बौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारांख 2-11-1982 माहर :

प्रसम् नाइं. टी. एन. एस.------

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धार। 269-च (1) के मधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 2 नवस्वर 1982

निवर्षा सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3125--

अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,
ग्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनियम' कहा गया है), की
घारा 269-व के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य
25,000/- २० में ग्रिशिक है

और जिसकी सं ख. नं 82/2, 85/1 है, तथा जो मौजा बरोली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाइरवारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 मार्च, 1982

को पूर्विकत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य प्रास्तिणे की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त धिधिनयम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

- मु. अनारबार्द वेवा दाद्वीर करैंदव, निवासी-माड़ेगांव खुर्द, तह. गाड़रवारा। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री कवेवलसिंह,
 - (2) श्री प्रीतमसिंह,
 - (3) श्री दिलीपसिंह,
 - (4) श्री यशवंतिंसह ना. बा. पि. व बली श्री दौलतिंसह जा. श्री सुरतिंसह,
 - (5) श्री सूरतिसंह आ. रामबगस सभी निवासी

ग्राम जमाड़ा, तह. गाड़रवारा।

(अन्सरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करना हू।

उक्त रम्पति के प्रजैन क संबंध में कोई भा प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में वियागया है।

अनुसूची

भूमि ख. नं. 82/2, 85/1, मौजा बरोली में स्थित \mathbf{g}^2 ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

अतः अभ, उन्मत अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्ररण मं, में उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ना**रीच** : 2-11-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आर्ड. दी. एन.एस. - ---

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

्रभोपाल, दिनाक 2 नवम्बर 1982

निर्देश स. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3126--अतः मुझे, देविप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमं इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका छित्त बाजार मूल्य 25,000/-रा. संअधिक ही

और जिसकी सं. खं. नं. 85/1 ही, तथा जो मीजा डोक रबंदी में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वारासिवनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 मार्च, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (पन्तरका) मूले पन्तरित (बन्तरितिया) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभत अग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया प्रया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वायत उपत अधिनयम के ग्रमीन कर वेने के ग्रन्तरक के व्यायस्थ में कमी करने या उवसे अपने में सुविधा के किए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अभ्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त धिधिनयम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीह : ---

 श्री इस्लाल पिता श्री दगानन्द पवार, निवासी-इनेकरबन्दी, तह. वारासिवनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मैनाबाई बंबा श्री धर्माजी पवार निवासी-ड्रोकरबन्दी, तह. वारासिवनी।

(अन्तरिती)

को **यह सूचना जारी कर**के पूर्वोकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के नर्जध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा।
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनसद किसी अन्य श्यक्ति द्वारा प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वाध्याकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त प्राचितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस बक्याय में वियागया है।

अनुसूची

भूमि ख. नं. 85/1, मौजा ड्रांकरबन्दी, आर. 1, सिंकल, लालबारा, तह. वारासिवनी में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राघिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारी**ख** : 2-11-1982

प्ररूप आई० टी० एत० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निर्देश सं आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3127---अतः मुझे, विषित्रय पन्त,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के० से अधिक है

और जिसकी सं. ख. नं. 258, 260 है, तथा जो मौजा ड्राकराबन्दी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध आन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वारामिवनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संति के उकित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्याप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरित (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स तुई किसी आय को बाबत जन्त बाध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा रिसी ग्राय या किसी धन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भाधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

श्रात: श्रात, उपल अधिनियम को धारा 269-न के धनुसरण में, में, उवत अधिनिक्य की धारा 269-व की उपलारा (1) के अभीत, मिल्लीलियत व्यक्तियों, अर्थात् ६---

 श्री क्लेन्द्रसिंह पिता श्री दयानन्द पवार, निवासी-कृोकरबन्दी, तह. वारासिवनी।

(अन्तरक)

 श्री इश्वलाल पिता श्री दयानन्द पवार, निवासी-ङ्गोकरबन्दी, तह. वारासियनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वऽशिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, वा उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क मे परिभाषित है. वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय पें दिया गया है।

नन्त्वी

भूमि लसरा नं. 258, 260, मौजा ड्रांकरबंदी, तह. वारासिवनी में स्थित हो।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

ना**रीच** : 2-11-1982

मोहर 🗓

प्रकृष् भाष्ट्री. टी. एन. एस.-----

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निदर्शेश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3128---अतः मुभ्ने, दोवप्रिय पन्तः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या का नं 90, 32; 134 ही, तथा जो मौजा सलीवाडा मो स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलप्र मों, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 17 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, पक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधितः —

- 1. 1. श्री शाखा प्रसाद तिवारी
 - श्री सुशील कामार वानों निवासी-335, नेपियर टाउन, जवलपर।

(अन्तरक)

 श्री मन्तालाल वल्द विपतलाल पटोल (लोधी) निवासी-मौजा गूंडाकोरा, तहसील निवास जिला-संइला।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुए।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र मं प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथात्र सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति मों किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं व्यक्ति होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्त्रची

भृमि खं नं 32, 90, 134 मौजा रालीवाड़ा तहसील व जिला जवलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिलिंडग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भ

तारीस 12-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निर्देश स. आर्घ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3129--अतः मुफ्ते, चेवित्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या ल. नं. 32/1, 134 है, तथा को मौजा सेलीवाड़ा तहसील अबलप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 17 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेषय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सृविधा के लिए;
- अतः अबः उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. 1. श्री शारदा प्रसाव तिवारी
 - श्री सुबील कर्मार तिवारी दोनों आस्मज रोवा प्रसाद तिवारी निवासी-335, नेपियर टाउन, जबलप्र।

(अन्तरक)

 श्री भारत वल्द उमराव पटल (लोधी) निवासी-माँजा मगरधा तहसील जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत बीधीनयम्, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि स. नं. 32/1, 134 मीजा सालीवाड़ा तहसील व जिला जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आय्कत (निर्मक्षण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिलिंडग, बौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीब : 2-11-1982

प्ररूप आईं. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निविध्यः सं. आर्डः एः सी./अर्जन/भोपाल/3130--अतः म्भे, दोवप्रियं पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी संख्या ल नं 32/1, 134 है, सथा जो मौजा भालीवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाववध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) को अधीन, तारीख 17 मार्च 1982

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ने सिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- । । श्री शारक्षा प्रसाद तिवारी
 - 2. श्री सुझील क्मार तिवारी दोनों आत्मज रोवा प्रसाद तिवारी निवासी-335, नेपियर टाउन, जबलप्र।

(अन्तरक)

 श्री इंलन सिंह आत्मज विपतलाल पटोल (लोधी) निवासी-मौजा गूंडाखोरा, तहसील निवास जिला-मंडला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

भूमि ख. न. 32/1, 134, मौजा सालीबाड़ा तहसील व जिला जबलपुर में स्थित हैं।

> दंवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र[†]ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख - 2-11-1982 सोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निदर्श मं. आर्च ए. सी./अर्जन/भाषाल/3131--अतः मभ्हे, दंवप्रिय पन्तः भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. ह 110, ख. न. 1211/13, 1212, 1213,1214/1,1320/13 ही, तथा जो शंकर नगर, रायपर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनस्ची में और पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, रायपुर में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 मार्च 1982 में पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित आजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी बाग की बाबत. उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में म्**विधा** के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिषिस व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री धेवरचंद वल्द मरदार जैन पंचशील नगर, राय-पुर

(अन्तरक)

 आटोमोबाइल्स को-आपरेटिव झाउसिंग सोसायटी मोदहापारा, रायप्र

(अन्सरिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जो मौजा शंकर नगर ह. नं. 110 तह. व जिला गमपूर में स्थित हैं। ख. नं. 1211/13,1212,1213, 1214/1,1230/13 हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं, जिसका विवरण अन्तरिती समिति के सिचय ब्वारा सत्यापित फार्म नं. 37 जी में नीहित हैं।

क्षेत्रप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, बाँथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीब : 30-10-1982

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰एस॰-----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदर्शि सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/2132--अतः मुभ्के, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ख. नं. 273/3, 273/4 है, तथा जो प्राम बावड़या में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, अक्न प्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में गुविधा के निए; धोर/या
- (ख) ऐसी. किसी धाय या किसी घन या घण्य घारितकों को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रेखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर ग्रेखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुबिधा के लिए;

मतः **धव, उन्त प्रविनियम को बारा** 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम को बारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. (1) हीरालाल 2. अंबाराम पृत्रगण बोदाजी गारी 3. देवकरण अज्ञान पृत्र बापू गारी अज्ञान तरफे पालक माता भंवरबाई विधवा बापू गारी 4. भंवरबाई विधवा बापू गारी निवासी-शांति-प्रा दोवास

(अन्तरक)

2. अनुपम गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यावित देवास द्वारा अध्यक्ष आमक्तार व्यास बैंक नोट प्रेस, देवाम (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उन्त स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन खं. 273/3,273/4, ग्राम बावड्या में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, घौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप नाइरें, टी. एन्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निद^{*}श म. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3133--अतः मुक्के, दोवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि संख्या 360 है, तथा जो सीनियर देवास में स्थित है (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6 मार्च 1982

के अवान, 6 मान 1982 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औं लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारः (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

 श्री गोपाल पिता बोदरजी नि. भोपाल चौराहा, दोवास

(अन्तरक)

- 2. 1. जगदीश पिता नारायणगीर गांस्वामी
 - 2. कैलाक्षगीर पिता चंपालालजी गांस्वामी
 - 3. श्रीमती सजनबाई पति चंपालालजी गास्वामी
 - 4. श्रीमती शांता बाइ पति बाबूगीर गोस्यामी, सभी निवासी-13 कवि कालिदास मार्ग, देवास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रों क्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उबसे जिथिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुसा ह⁶।

अनुसूची

भूमि कस्वा देवास सीनियर में स्थित हैं। भूमि मं. नम्बर 360

> देवपिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौंधी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारील 10-11-1982 मोहर . प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदर्श सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3134--अतः मुभ्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 349/6 सं 349/29, सं नं 292 है, तथा जो प्लाट नं 615 गोहलपुर, जबलपुर में स्थित है (और इसमे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 श्रीमती राजक मारी नरूला पत्नी श्री चमनलाल नरूला निवासी नेपियर टाउन, जबलपुर

(अन्तरक)

2. फर्म बाबू सेल्स कारपोरेशन बड़ी मदार टेकरी, मोती नाला वार्ड जबलपुर पार्टनर्स नं. 1 मुहः सलीम 2-नसीम अहमद 3. मुबीन अहमद वल्द श्री बाब् महम्मद आफिस नि -बड़ी मदार टेकरी, मोतीनाला वार्ड, अबलप्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान म्यु. नं. 349/6 से 349/29 ख - नं. 292, प्लाट नं. 615, जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री विलिडग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 10-11-1982

भ्रूप आहें वी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवुम्बर 1982

निदर्भेश सं. आर्ड ए. सी. अर्जन/भोपाल/3135---अतः मुभ्के, दोवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी संस्था ख. नं. जूमला 5 है, तथा जो नि. मं. रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर मं, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजिमित व्यक्तियों, अर्थातु:-- 1. 1. श्री परस् वल्व कली 2. केजाबाई बंबा परस् 3. परसराम वल्द कली नि.-शंकरनगर रायपूर तह. व जिला रायपर

(अन्तरक)

 गीतांजली गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित टिकारापारा रायपूर म. प्र. द्वारा अध्यक्ष छिनिनाथ मिश्रा

(अन्तरिती)

कायहस्**चनां** जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

जमीन खं नं जुमला 5, मौजा शंकर नगर, सं नि मं रायपर। में स्थित हैं।

विविप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोंत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

नारांख 10-11-1982 मोहार: प्रक्रप आ**ड**े.टी एन एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र फ, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निदर्भेष सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3136--अतः मुभ्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या गं. 4 है, तथा जो रामसागरपारा वार्ड, रामपुर में स्थित है (और इससे उपावद्दध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीग, 5 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, शि १९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1 1 श्री मनोहर लाल
 - 2. लीलाराम पिसरान गंगाराम उत्समानी निवामी-जवाहरनगर, संबप्र

(अन्तरक) -

 श्री आमप्रकाश वल्द रामंस्वरूप अग्रवाल निवासी-रामसागरपारा, रायप्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अनुसुधी

जमीन ख. नं. 353/3, 353/4,355 व 386/1 प्लाट नं. 4, रामसागरपारा बार्ड, रायपुर में स्थित ही।

> देविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायकः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

नारील . 2-11-1982

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 नवस्थर 1982

निवर्णेश सं. आवर्ष. ए. सी./अर्जन/भरोपाल/3137--अतः मुभे, विवित्रिय पन्त,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 3 है, तथा जो रामसागरपारा, रायपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 मार्च 1982

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास कारते का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उप्योच्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य शास्तियों जो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. 1. श्री मनोहर लाल
 - लीलायम पिसरान गंगाराम उत्समानी निवासी-जवाहर नगर रायपुर

(अन्तरक)

 श्री बंशीघर वल्द भागचंद अग्रवाल निवासी-रामसागर-पारा रायप्र

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पत्लि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

नमस्यो

जमीन ल. नं. 353/3, 353/4, 354,/355, 386/1, प्लाट नं. 3 रामसागरपारा रायपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीच : 3-11-1982

माहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 2 नवम्बर 1982

निद^कश सं. आर्क्ष ए सी./अर्जन/भेपाल/3138---अतः म्भे, दोवप्रिय पन्त,

आयकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परकात् 'उक्त जिसीनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको सं प्लाट नं. 1 है, तथा जो रामसागरपारा, गयपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से प्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गयपूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के अस्पमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वार करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य में उस्त अंतरण लिखित में बास्तिविक्त रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हर्ष किसी आगकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, रुक्त अधिनियम की धारा 260-छ की उपधारा (1) के अधीन निम्निटिरिय व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. 1. मनोहरलाल 2. लीलाराम पिसरान गंगाराम उत्तमानी निवासी-जवाहर नगर, रायपूर
 - (ग्रन्तरक)
- श्री जगदीश प्रसाद वल्द रामस्वरूप अग्रवाल निवासी-रामसागरपाग, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन सं नं 353/3, 353/4, 354/355, व 386/1 ष्लाट नं 1 रामसागरपारा, रायपूर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, जौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 2-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, विनांक 2 नवम्बर 1982

निवर्षा सं. आर्द. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3139--अतः मुभ्ने, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रत. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 2 है, तथा जो रामसागरपारा वार्ड, रायपुर मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपर भे , रजिस्द्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अभीन, 5 मार्च 1982

में पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफला, निम्नलिखित उद्वरेयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 . 1 . श्री मनोहर लाल

2. लीला राम पिसरान गंगाराम उल्तमानी निवासी-जवाहर नगर, रायपुर (म. प्र.)

(अन्तरक)

2. श्री राजकामार वल्द भागचंद अग्रवाल निवासी- राम-सागरपारा, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन् को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शबदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ख. नं. 353/3, 353/4, 354,355 व 386/1 प्लाट नं . 2 रामसागरपारा वार्ड रायपुर में स्थित हैं।

> दोनप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 2-11-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्दाश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3140--अत. मुफ्ते, दोवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेपात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

और जिसकी सं स्यू नं 1/1597, नया नं 10 है, तथा जो प्राना नागा, बाबा की तलाई उज्जैन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1 मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण है निचत में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. एरन काटन एण्ड आईल मिल्स लिमि., रिज n होड आफिस मोहन सदन् 6/4, स्नेहलता गज, इवीर (अन्तरक)

2. श्री कमरूद्दीन आत्मज हाजी अब्दुलशकूर, निवासी इतवारा, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कुसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सुकोंगे।

स्पस्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्य. नं. 1/1597, पूराना नागा बाबा की तलाई, उज्जैन, नया नं. 10, जो वीरोन्द्र भवन के नाम से जाना जाता है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{रे}ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

तारीख . 10-11-1982

मोहर 🗓

प्ररूप आर्द्घ टी एन एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भापाल

भाषाल, दिनाक 2 नवम्बर 1982

निर्दाश स आई ए सी /अर्जन/भोपाल/3141--अत मुक्ते, दवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे-इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान न' 4/2 है, तथा जो डा आर एस' भेंडोरी, मार्ग इंदौर में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुमूर्ज में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी क कार्यालय, इदार मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च. 1982 को पूर्विक्स सम्परित के उधित बाजार मल्य से कम के धश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अतरितिथो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्यो से उक्त अतरण लिखित ने यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (💌) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क़र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीम, निम्ने सिंखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

श्रीडा नरन्द्र सिह आर भडारी श्रीए आर भड़ारी श्रीमती रोशन कनवर भडारी ई-3, ईदगाह हिल, भोपाल।

(अन्तरक)

श्रीडा प्रकाश चन्द्र 78, बड़ा सर्राफा, इदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्स सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (अ) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थध्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान न 4/2, डा आर एस भडारी मार्ग, इंदौर में स्थित हैं।

> दवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **अर्ज**न रेज, गगोत्री बिल्डिंग, चौथा मन्जिल, टी टी नगर, भोपाल

तारीख . 2-11-1982 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

ािन्देश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3142--अतः मुभ्ते, देविप्रय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं 731, 747, 735, 760, 762, 766, 768, 770, 777, 781, 790, 733, 754, 759, 761, 765, 767, 769, 775, 778, 789, 776 है, सथा जो विदिशा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अथीन, तारील 15 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित दाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया :——

- (क्ष) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स्र) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मृ. प्र. लैम्पस लिमिटोड भोपाल द्वारा बी. के. टायमानी पिता पंडित स्वरूप किशार टायमानी डाराक्टर आफ म. प्र. लैम्पस लिमि. निवासी-भोपाल।

(अन्तरक)

 बिट्रिनिया इण्डस्ट्रीज लिमिटंड,
 रीज आफिस 15, टाराटोला रांड,
 कलकक्ता द्वारा थी बी. नारायण स्वामी डायरेक्टर व मिचन।

(अन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उपत मर्म्पात्त के अर्जन के मबध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशना की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास जिस्ति मो किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उरा अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं 731, 747, 735, 760, 762, 766, 768, 770, 777, 781, 790, 733, 754, 759, 761, 765, 767, 769, 775, 778, 789, 776, विदिशा में स्थित हुं। यह वह स्थावर है, जिसका विवरण श्री बी. के. टोमानी, डायरोक्टर में प्र. जैस्प्त हुं। वैरिह्त हुं।

देविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, गगोत्री विलिडग, चौथा मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 11-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निद[े]श सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3143--अतः मुभ्के, दोवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वं नं. 12 है, तथा जो ग्राम मदनवोरा, विदिशा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप स विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 मार्च, 1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निबत में बास्तिषक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—— श्री मध्य प्रदेश लैम्प्स लिमिः भोपाल ब्वारा बीः केः तायमानी पिता पंडित स्वरूप किशार तायमानी डायरव्टर आफ मःप्रःलैम्प्स लिमिः भोपालः।

(अन्तरक)

2. बिट्रेनिया इण्डस्ट्रीज लिमि. रिज. आफिस 15, ताराटोला रोड, कलकत्ता ब्वारा एन. सीताराम पिता वी. नारायन स्वामी, डायरेवटर एण्ड संक्रेटरी, बिट्रेनिया, इण्डस्ट्रीज, लिमि., निवासी-बम्बर्ड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं सुर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम : मदनखेड़ा तहसील व जिला विदिशा, सर्वे नं । 12, एरिया-2 246 है क्टोयर।

> दंबप्रिय पन्ते सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, गंगोत्री बिल्डिंग, घौधा मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 11-11-1982

मोहर 🕄

प्रकप थाई• टी॰ एन॰ एम०→-

न्नागकर मिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के भ्रधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निद^{र्}श स आई ए सी /अर्जन/भाषाल/3144——अत मुफ्ते, देविशिय पन्त,

स्रायक्तर भिन्नित्यम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उचित बाजार मह्य 25,000/ ६० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो ग्राम मेहरा परगना त जिला ग्वालियर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 30 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करते का कारण है कि यथा गूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर प्रत्रेक्त (प्रत्रेक्त) भीर प्रतिक्त अधिक है भौर प्रत्रेक्त (प्रत्रेक्त) भीर प्रतिक्ति अन्तरितियों) के बीव ऐसे धन्तरण के लिए तय

पामा गया प्रतिफान जिम्मिलिखित उद्देश्य स उनत अन्तरण जिल्लामे बास्तीक एका से कथित नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए चा, छिपाने में पविधा के निए।

अतः स्रव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्षात्:--- 1 श्रीमती द्रोपदी बार्ड विधवा पत्नी स्व रामदीन ग्प्ता निवासी-मिनक विलास लदकर, स्वालियर।

(अन्तरक)

2 श्री देवस्थान गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित ग्वानियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जर के लिए कार्य-वाहिया शुरू करता हु।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इप सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भ्वतः क राजाः में प्रकाशत की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भ्रन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:--इसमें प्रपृक्त शब्दा श्रीर पदा का, जा सकत श्रीश्रानियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में विधा गया है।

भनुसूची

भूमि किता 3 रकवा 3/542 हैक्टोयर स्थित ग्राम मेहरा परगना जिला ग्वालियर में स्थित है।

> दवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, गगोत्री विलिडग, चौथा मन्जिल, टी टी नगर, भोपाल

तारील 3-11-1982 मोहर: प्रस्प आई. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3145——अतः मुक्ते, दंवप्रिय पन्त,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी संस्था प्लाट न 14/6, शीट नं 17 है, तथा जो गिविल लाइन, बेत्न में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेतल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 22 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उयत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें बचने में म्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, मैं, उक्ती अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री कृष्णदास वल्द कन्हीयालाल भार्गय व्यापारी निवासी-ललनज्ज हाल, बैत्ला।

(अन्तरक)

- 2. (1) डा. श्री धरमचंद लहकरो
 - (2) श्री पी. एस. शाह जैन निवासी-बैतुल ।
 - (3) श्री जयंत कामार बल्द प्रह्लाद दास
 - (4) श्रीमतीकांति जोजे
 - (5) श्री विजय किमार खण्डलेवाल व्यापारी निवासी-बैतल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगा।

स्पष्डीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि व प्लाट नं. 14/6, शीट नं. 17 पर बनी हुई इमारत सिविल लाइन, बैतूल में स्थित है।

देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज गंगोत्री विलिंडग, चौथा मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारील : 3-11-1982

माहर :

पान, बाह्र थी. एस एस. ------

भायकर ग्रिशियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घंधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भाषाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्ष्टी ए सी /अर्जन/भोपाल/3146--अतः म्फे, देविशिय पन्त, प्रायकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके पश्चात् 'उनन श्रीधनियम' सहा गया है), की धारा 269-ए हे अज्ञान नजा प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-इपए व श्रिमिक है

और जिसकी संख्याभूमि ख नं. 360 है, तथाजो देवास सीनियर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालये, देवास म, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 मार्च, 1982

भी पूर्वोक्त अम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगान से अधिक है और अन्तरक (भ्रग्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे गुन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रशिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी **धाय की बा**वत, उक्त धाधिनियम क प्राप्तीत कर देने के सम्तरफ के वायिक्य में कमो करने वा उससे बचने में सुविधा क लिए और/या;
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अग्य श्रास्तियों को, जिन्हें अस्तीय पायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 रा 11) या उनत भनिनयम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती शरा प्रकट नहीं किया अधा बाया किया जाना चाडिए बा, फिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, चनत ग्रंधिनियम को बारा 269-ग के धन्सरण मे, मै ७३त श्रक्षिनियम की नारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---8-366G1/82

- जी गोपाल ेप्ता जॉदरजी जिञास-81, ए. बी. रोड, भोपाल चौराहा, बाहरा बिल्डिंग के पास, दोवास। (अन्तरक)
- 2. 1. श्री शरद कमार पिता तिलकराज बहुन निवासी-नर्झ आबादी, दोबास। 2. श्री रणजीत कुमार पिता तिलकराज त्रेहन निवासी-नईआबादी, देवास र्
 - 3. श्री अनिल क्मार पिता मत्यप्रकाश मन्होत्रा निवासी-नर्दशाबादी, दोबास।
 - 4 थीमती राजिकरण पनि निलक्षराज त्रहन निवासी-नर्द आबादी, स्टेशन रांड, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्येवाहियां करता हं।

उनन नम्पति क ग्रामैन के नम्बरन में कोई भी ग्रासेप :--

- (क) इ.म. मूचनाक राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों । पर मुचनाकी तामील से 30 दिन की भविष, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ड्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ⁺कसो धन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किएजा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रशिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहा अर्थ होगा जो उमग्रस्काय में दिया सया है ।

अनुसूची

भूमि ख. नं. 360 कस्बा देवास सीनियर मे स्थित है।

द'वप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रायकर प्राय्**क्त (निरं∗क्षण) अर्जन रेज. गंगोत्री बिल्डिंग, चौथा मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीव 10-11-1982 मोहर :

प्ररूप आइ². टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निर्दोश स. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3147--अतः मुफ्ते, दोवप्रिय पन्त,

श्रीयकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उकिन बाजार मूल्य 25,090/- द• से अधिक है

और जिसकी संख्या म नं. 18/334 है, तथा जो स्टोशन रोड, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अथीन, तारील 2 मार्च, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् कल निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप में कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धः, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती जस बार्ड
 - श्रीमती पृष्पा बार्झ
 - 3. श्रीमती गगांत्री वार्ड
 - 4. श्रीमती सावित्री बार्ड
 - श्रीमती अनुसूया
 मभी निवासी-शंकर नगर, रायपुर।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती जसू बाई
 - श्रीमती द्रोपदी बाई
 - श्रीमती भावना सभी निवासी-शंकर नगर, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां गृह करता हं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स क्या की व्यक्तियों पर भूचना की तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोश्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्यक्तिरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिमाणित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

स्टोशन रोड, रायप्र स्थित मकान। अन्तरिती श्रीमती जस्सू बाई, श्रीमती द्रोपदी बाई और श्रीमती भावना व्वारा सत्या-पित फार्म नं. 37 जी. में निहित स्चना के अनुसार इसका म्यूनिसिपल मकान नं. 18/334 है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरितियो द्वारा सत्यापित फार्म नं. 37 जी. में निहित है।

> देविप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथा मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 6-11-1982

प्ररूप आई० ही० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भांपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदर्भेश सं आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3148---अत. मुक्ते, देवप्रिय पन्त, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- च्यये से पधिक है बाआ़ र मुख्य और जिसकी संख्या 723/1 है, तथा जो ग्राम मेंड्की-चक तहसील देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीस 29 मार्च, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवा कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकिया जानाचाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिल व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री भगवान पिता हनमान कमार निवासी-देवास, म. प्र. शान्तीपुरा, मील राड,

(अन्तरक)

2. मैसर्स दोवास लेण्ड फायनेन्स कम्पनी 130, सभाष चौक, देवास म. प्र. तरके भागीदार कन्हैयालाल पिता नारायणजी मानी निवासी-दोवास।

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं !

उर्न सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई घो भानेप:---

- (क) इन मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिधि या तत्मंत्रंबी व्यक्तियों पर सबना की नामील में 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किमी स्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सचना के राजपत में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उस्त स्थातर सन्धत्ति में हितबद्ध किमी ग्रत्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे ।

स्पष्टीऋरग :--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पदों का, जो उकत यधिनियम के थड़्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

संख्या नं. 723/1 ग्राम मोडकी चक , तहमील देवास मो स्थित हैं। (कुवा सहिस)

> दोवप्रिय पन्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज. गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारोब . 9-11-1982

प्ररूप भाई० टी० एन• एस०

भाषकर मिश्रीनेयम, 1931 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) ने अपीत (वना

भारतल्सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भापाल

भांपाल, दिनाक 9 नवम्बर 1982

निर्दाश स. आर्दः ए. सी./अर्जन/भाषाल/3149---अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्स,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपण्स प्रधिक है

और जिसकी सख्या 723/1 है, तथा जो ग्राम मंडकी चक, तहुसील दोवास में हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से बीर्णत हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 25 मार्च, 1982 को पूर्वास्त सम्पत्ति के अधीन, तारील 25 मार्च, 1982 को पूर्वास्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूस्य स कम क दूश्यमान अतिकला के लिए अन्तरित को गई हैं भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उपने दृश्यमान प्रतिकत ने ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पत्थह प्रतिकत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय। यया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण सिखित में सांस्विक स्प ने कियत नहीं किया गया है:—~

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी कड़ने या उससे बचने में सृतिधा के जिए; जाँड/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

सत: अब, उक्त प्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के मनुसरण में में, उक्त प्रश्चितियम की धारा ?69-ज की उपधारा (1) के में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री भगवान पिता हनुमान कनुमार शान्तीपुरा, माल राड, दंवास।

ु(अन्तरः '

 मीमर्स दोवास लैण्ड एण्ड कायनेन्स कम्पनी 130, सुभाष चौक, दोवास म. प्र. तरके भागीदार कन्ह्रीयालाल पिता नारायणजी मोनी, दोवास।

(अन्त**िर**ती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- ्र(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भोतर उक्त स्यावर सम्पति म हितब के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अञ्चाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्रां का, जो उक्त ग्रिट-नियम, के श्रष्टयाय 20-७ में परिभाषित हैं, श्र अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय भें दिक्ष गया है।

जनसची

सं. न. 723/1 ग्राम मोड्की चक, तह. दोवास मो स्थित हो।

> दंवप्रिय पन्न मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

टारीव : 9-11-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन क्षंत्र, भाषाल

भोपाल, दिनाक 9 नवम्बर 1982

निद्रोग सं. आहर्. ए. मी./अर्जन/भाषाल/3150--अत. मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या नं. 723/1 है, तथा जो ग्राम मंडकी चक, तहसील दोवास में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 30 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

श्री भगवान
 पिता हनुमान ङ्मार
 नि . शान्तीपूरा, मील रांड, देवास।

(अन्तरक)

मीमर्स दोवाय लैण्ड फायनेन्स कम्पनी
130, स्भाप चौक, दोवास मं प्र. तरफे
भागीदार कन्हीयालाल
पिता नारायणजी सोनी,
दोवास।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मं. नं 723/1 ग्रीम में डिकी चक, तह्. देशास में स्थित है तथा मकान ।

द विप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीय : 9-11-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदंश सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3151--अतः मुक्ते, दंवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या न 723/1 है, तथा जो ग्राम में ड़की चक, तह. देवाम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/का
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्रत ाय, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : — श्री भगवान पिता
 श्री हनुमान कुमार,
 नि. — शांतिपुरा, मील रोड़,
 दोवास।

(अन्तरक)

 मेसर्स देवास लेन्ड एण्ड फायनेन्स कम्पनी, 130, सभाष चिंक, देवास, म. प्र. तरफे भागीदार, श्री कन्हीयालाल पिता श्री नारायणजी सोनी, निवासी—विवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्चीं

सः नं 723/1, ग्राम मंन्डकी चक, तहः देवास में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोत्री बिल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारील ७ 9-11-1982 मोहर ए प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निवास सं. आर्द्धाः ए. सी./अर्जन/भोषाल/3152---अतः मुभ्ते, दोवप्रिय पन्तं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं। और जिसकी संस्था मकान नं 17 नया नं 23 है, तथा जो शीतला माता बाजार, इन्दरिंगे स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भार्च, 1982 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ह":--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- साह्युकारा निपटारा कमेटी ट्रस्ट ऋण को फर्म सिरमेल चोरिंदया तरफे संयोजक श्री नाभूलाल पिता थी केलरीमलजी व श्री सिरमेल पिता श्री केशरीमल चोरिंदया, नि.—शीतला माना बाजार, इन्दौर।

(अन्तरक)

श्री छत्तामल पिता श्री केवलरामजी,
 ति.—नार्थ राज मोहल्ला,
 स्ट्रीट नं. 4; इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मकान नम्बर 17, व नया न 23, शीतला माता बाजार, इन्दरि में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोपाल जौथी मन्जिल, गंगोत्री बिल्डिंग, टी. टी. नंगर, भौपाल

तारीम : 9-11-1982

प्ररूप आई[†].टी.एन.एस.------ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का **43)की घारा** 26**9-ध** (1) के <mark>ग्रधी</mark>त सूचता

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भाषाल, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदोश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3153--अत मुभो, दोवप्रिय पन्त,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में ग्रधिक है और जिसकी संख्या मकान नं 17 है, तथा जो शीतला माता बाजार, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिक कारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमा। प्रतिफल का वन्द्र प्रतिशत श्रीधक है और अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप म कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरण के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रत: अब, उक्त भिधितियम की भ्रारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-म की उपभ्रारा (1) के अभीन निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात:—

 शाह्यकार निण्डारा कमेटी द्रस्ट ऋण को कर्म भिरोमल चौरिसिया एव भवर्रासह चौरिसिया तरफें संयोजक श्री नाथूलाल पिता श्री केशरीमलजी पोखाल, नि —— सिरोमल पिता श्री केशरीमल चौरिसया, नि.—— शीतला माता बाजार, इन्दौर ।

(अन्तरक)

 थी मोहनलाल पिता श्री छत्तामल, नि.—नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

छकत सम्पत्ति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों प्रौर पक्षों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रश्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मकान न 17, शीतला माता बाजार, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोत्री विल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारपेख : 9-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निविश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3154— अत: मुक्ते, विविधिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या मकान नं. 17 नया नं. 23 हैं, तथा जो शीतला माता बाजार, इन्दार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से यिणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, इन्दार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9--366GI/82

- साहूकार निपटारा कर्मटी ट्रस्ट ऋण को फर्म सिरमल चौरिडिया एवं भंवर सिंह चौरिडिया तरफें संयोजक श्री नाथूलाल पिता श्री क्षेशरीमलजी पोरवाल व श्री सिरमल पिता श्री केशरीमल चोरिडिया, नि. ---शीतला माता बाजार, इन्दौर । (अन्तरक)
- श्री मनोहरलाल पिता श्री दतामल,
 नि नार्थ राज मोहल्ला,

इन्द**ौर**।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थेन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधः नियम के श्रद्धयाय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अद्याय में विषा गया है।

अनुस्खी

मकान नं. 17, शीतला माता बाजार, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षाय प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोशी विल्डिंग. टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 9-11-1982

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3155— अतः मुभ्ने,, दोवप्रिय पन्त,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 208 है, तथा जो मंगलवारा, भोपाल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 मार्च, 1982

को पृश्नेंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वरयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में तृविधा के सिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने म स्विभा के सिए;

अतः असः, उक्तः अभिनियम की भारा 269-ग के अन्स्रण में, में, उक्तः अभिनियम की भारा 269-द की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अ. हकीम पृत्र श्री अ. गफरूर,
 (2) श्री मकबूल सान पृत्र श्री अनवर सान,
 नियासी---जबलपर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमरूननिसा पत्नी श्री मो. इकबाल, निवासी—-इबाहिमपुरा, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी घालोप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कत व्यक्तियों में से किमी क्योपस ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला जो की प्लाट नं 208 पर बना ही। जो कि मंगलवारा, भोपाल में स्थित ही।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल जौथी मन्जिल, गंगोत्री विल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 6-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निवांश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3156—
जतः मुभे, वाविप्रिय पन्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें
इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य
25,000/- रु. से अधिक हो
और जिसकी संख्या नं. 67, 68 हो, तथा जो उज्जैन रोष्ट्र, देवास
पर रानीवाग में स्थित हो (और इसमे उपाबद्ध अन्सूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारील 16 मार्च, 1982
को पूर्ण क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मुभे यह विश्वास
करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल को

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-

रिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित

में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ∴—

- श्री कृष्णाजीराव पवार पिता श्री विक्रमसिंहजी पवार, महाराजा देवास तरफे अधिकृत आम मू. श्री बालकृष्ण पिता श्री त्कारामजी गायको, एडव्होकेट, नि ——115, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर, (म.प्र.)।
- मेसर्स शिवशिक्त लिण्ड एण्ड फायनेन्स, देवास, दू. नं. 2, गुरुद्वारा, ए. बी. रोड़, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

भगस्यी

कृषि भूमि सं. नं. 67 तथा 68, उज्जीन रोड़, देवास पर रानी बाग में स्थित है।

> विविषय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल वौधी मन्जिल, गंगोत्री बिल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 10-11-1982

मोहर 🛭

पक्ष भाई० टी० एन० एस०----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 नवम्बर 1982

निर्वाश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3157—— अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है

कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या नं. 114, 104, 70 है, तथा जो उज्जैन रोड, देवास पर रानीबाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दवास मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निणित उद्देश्य से उक्त ग्रस्तरण जिखित में वास्तविक रूप में कशित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्त्रक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजनार्यं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना नाहिए का, क्रियाने में सविद्या के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री कृष्णाजीराय पवार पिता श्री विक्रमिसंहजी पवार, महाराजा देवास तरफे अधिकृत आम मु. श्री बालकृष्ण पिता श्री त्कारामजी गायके, एडव्हाकेट, नि.—115, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर, (म.प्र.)।

(अन्तरक)

 मेसर्स शिवशिक्त लेण्ड एण्ड फायनेन्स, दोनास, द्र नं 2, ग्रूब्बारा, ए. बी. रोड़, दोवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त हाती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजरत में प्रकाशत की तारीख से 45 दित के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोत्मताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे:

स्वध्वीकः (ग . - - दारि प्रकृत मध्यां भीर नदीं का, जी उक्त श्रीष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

कृषि भूमि संख्या 114, 104 तथा 70, उज्जैन रोड़, देवास पर रानीबाग में स्थित हैं।

देविश्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गोधी मन्जिल, गंगोत्री विल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 10-11-1982

मोहर 🏻

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, भोपाल भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश स. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3158--अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्तः,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उचित्र वाजार भूल्य 25,000/- कार्य से अधिक है

और जिसकी संख्या न 60, 61, 62, 63, 88 है, तथा जो उज्जैन रोड, देवास पर रानी बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त समात्ति के उचिन बाजार मूल्य म कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रस्तरिक (प्रन्तरिकों) भीर अस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच एसे प्रन्तरण के लिए तय पाप गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमो करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कण प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री कृष्णाजीराव पवार पिता श्री विक्रमसिंहजी पयार,
 महाराजा बंवास तरफे अधिकृत आम
 म् श्री बालकृष्ण पिता श्री त्कारामजी गायके,
 एडव्हाकेट, नि.—-115, बंबी अहिल्या मार्ग,
 इन्दौर, (म.प्र.)।
- मेसर्स शिवक्षित्र लेण्ड एण्ड फायनेन्स, बेवास, ब्. नं. 2, गुरूद्वारा, ए. बी. रोड़, देवास।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ।---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीला से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इममें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि जिसकी संख्या नम्बर 60, 61, 62, 63, 88, उर्जन रोड़, क्यास पर रानी बाग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोत्री बिल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारोख: 9-11-1982

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . ------

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, भोपाल

भोपाल, विनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3159—— अतः मुझे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000 / रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 87, 62, 89, 86, 90, 85 है, तथा जो उज्जैन रोड़, देवास पर रानी बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1982 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है !--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उमत बिध-नियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के धायित्व में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री कृष्णाजीराव पवार पिता श्री विक्रमसिंहजी प्वार, महाराजा देवास तरफे अधिकृत आम मू. श्री बालकृष्ण पिता श्री तुकारामजी गायके, एडव्हाकेट, नि.—115, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दरि, (म.प्र.)।

(अन्तरक)

 मोसर्स शिवदाक्ति लेण्ड एण्ड फायनेन्स, दोवास, दू. नं. 2, गुरूद्वारा, ए. बी. रोड़, दोवास।

(अन्तरिती)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या

नपूर्वी

भूमि संख्या नं. 87, 62, 89, 86, 90, 85, उज्जीन रोड़, दोवास पर रानी बाग मों स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं, जिसका विवरण अन्तरिती फर्म के भागीदार द्वारा सत्यापित फार्म नं. 37 जी मो नीहित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोत्री विल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 9-11-1982

मोहर 🗓

प्ररूप आहू°. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्^{र्}ज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर 1982

निवर्ष सं. आई. ए. सी./अर्जन/भाषाल/3160--अतः भूझे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उर्वित बाजार मल्य 25,000/- फ. से अधिक है और जिसकी स. नं 68 है, तथा जो उज्जैन रोड़, बेबास पर रानी बाग में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध आनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्या, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और /या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के दरीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री कृष्णाजीराव पवार पिता श्री विक्रमसिंहजी पवार, महाराजा देवास तरफे अधिकृत आम मृ. श्री वालकृष्ण पिता श्री तुकारामजी गायके, एडक्हाकेट, नि.—115, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर, (म.प्र.)।
- मेसर्स शिवशक्ति लंण्ड एण्ड फायनेन्स, देवास, दु. न. 2, गुरूद्वारा, ए. बी. रोड, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसकें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि सं नं 68, उज्जैन रोड, देवास पर रानीबाग मे स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोत्री बिल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख 10-11-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निद^{क्ष}श सं. आर्ड. ए. मी./अर्जन/भाषाल/3161 --अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्ते,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं। क्या भी उन्होंने रोड़ होवास पर

और जिसकी सं. न. 114 है, तथा को उज्जैन रोड दोवास पर रानीकाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मार्च 1982

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्यिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अभ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- श्री कृष्णाजीराव पंवार पिता श्री विक्रमिसंहजी पंवार महाराजा द वास तरफे अधिकृत आम म्. श्री दालकृष्ण पिता तुकारामजी गायक एडव्हाकट नि.-115, द वी अहिल्या मार्ग, इ दौर (म. प्र.) (अन्तरक)
- मोसर्स शिवशिक्त लेण्ड एण्ड फायनं स देवास दु. नं . 2 गुरूब्गरा ए, बी. रोड़ देवास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि सं. नं. 114, उज्जैन रांड देवास पर रानीबाग में स्थित $\mathbf{g}^{\mathbf{s}}$ ।

्देवप्रियं पन्त स्थाम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

सारीय : 10-11-1982

मोहरः

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदर्भेश सं. आई. ए सी./अर्जन/भोपाल/3162 --अतः मुफ्ते, दोवप्रिय पन्तः,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/रु से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि सं. नं. 58 है, तथा जो उज्जैन रोड़ देवास पर रानीबाग में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 मार्च, 1982

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किश्व नहीं किया गया है: ••

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की आबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- श्री कृष्णाजीरान पंतार पिता श्री तिकसिंहजी पंतार महाराजा देवास तर्फे आम मू. जी बालकृष्ण पिता त्कारामजी गायके एडव्होकेंट नि -115, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर (म.प्र.)।
 (अन्तरक)
- 2. मेसर्स शिवशक्ति लेण्ड एण्ड फायनेस देवास द्. नं. 2 गुरूद्वारा ए. बी. रोड़ देवास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

कृषि भूमि स्वातं. 58 उज्जैन रोड दोवास पर रानीबाग में स्थित ही।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

तारील - 10-11-1982 मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निवर्षेश सं. आर्द्दः ए. सी./अर्जन/भोपाल/3163

---अतः म्भे, देवप्रिय पन्त,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. कि 21, 92,

और जिसकी सं. कृषि भूमि सं. नं. 83, 84, 91, 92, 93, 94, है, तथा जो उज्जैन रोड़, देवास पर रानीबाग में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् श——

- श्री कृष्णाजीराव पंवार पिता श्री विक्रमसिंहजी पंवार
 महाराजा देवास तरफे अधिकृत आम मु.
 श्री बालकृष्ण पिता तुकारामजी गायके एडव्होकेट
 नि -115, देवी अहिल्या मार्ग, इंदरि (म . प्र.)
 (अन्तरक)
- मेसर्स शिवशक्ति लेण्ड एण्ड फायनेंस देवास
 दं. नं. २ गुरूब्वारा ए. बी. रोड़ देवास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्मित्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सं. नं. 83, 84, 91, 92, 93, 94, उज्जैन रोड देवास रानीबाग में स्थित हैं।

वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ं अर्जन रंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

क्षारीखः 10-11-1982

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्वर्षः सं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3164 --अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र रू. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि सं नं 114 है, तथा जो उज्जैन रोड़, देवास पर रानीबाग में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मार्च 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या सबसे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, फिन्हू भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के शिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधृति :--

- श्री कृष्णाजीराव पंवार पिता श्री विकमसिंहजी पंवार महाराजा देवास तरफे अधिकृत आम मु. श्री बालकृष्ण पिता तुकारामजी गायके एडव्होकेट नि.-115, देवी अहिल्या मार्ग, इंदगैर (म. प्र.) (अन्तरक)
- मेसर्स शिवशिक्त लेण्ड एण्ड फायनेंस देवास
 कृ. नं. २ गृरूक्वारा ए. बी. रोड़ देवास।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथाँकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षर के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त, शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस, अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्की

कृषि भूमि सं. नं. 114, उज्जैन रोड़, देवास पर रानीवाग में स्थित हुँ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

तारी**स** : 10-11-1982

मोहरु

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्दांश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3165 --अतः मुक्ते, दाविश्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं कृषि भूमि मं नं 59 है, तथा जो उज्जैन रोड़ देवाम पर रानीबाग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 मार्च, 1982

(1908 का 16) के अधीन, दिनाक 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसम बचने में सृष्यिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री कृष्णजीराव पंवार पिता श्री विक्रमसिंहजी पंवार महाराजा देवास तरफे अधिकृत आम मु. श्री बालकृष्ण पिता तुकारामजी गायके एक्डव्होंकेट नि -115, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर (म. प्र.) (अन्तरक)
- 2. मंसर्म शिवशक्ति लंण्ड एण्ड फायनेस देवास दु. नं. 2 गुरूद्वारा ए. बी. रोड़ देवास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 चिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि सं. नं. 59, उज्जैन रोड़ देवास पर रानीबाग में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 10-11-1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भाषाल, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं. आर्झ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3166 --अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुत. से अधिक है

और जिसकी से भूमि खं नं 138/1 है, तथा जो सोनडोंगरी, रायपूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्राप्त श्री हुई कियो आप की बावत, उनत् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने ना उनने क्षने में सुन्धा के लिए; और/या
- (क) एकी किसी बाद का किसी बुत वा बन्य जास्तियों कर, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसत व्यक्तियों, क्थीन :--

 श्री सत्यनारायण बन्द लखनलाल तिवारी निवासी-कंकालीपारा रायपुर, म. प्र.।

(अन्तरक)

 श्री इतवारी उर्फ बच्च वल्द गुदलू साहू निवासी-मांजा सानडोंगरी, तह. व जिला रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पब्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्न होता को तस सम्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि 4.50 एकड़-खः नं. 138/1, मौजा सोनडोंगरी, रायपुर \dot{x}^{i} स्थित है।

दंवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

वारींख : 8-11-1982 **मोहर**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन स्पना

भारत स्रकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं. आर्दः ए. सी./अर्जन/भोपाल/3167 — – अतः मुक्ते, दैवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे⁻ इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.,000/- र_{ि.} से अधिक है और जिसकी सं. भूमि खं नः 138/1 हो, तथा जो मौजा सोनडोंगरी, के स्थित ही (और इससे ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारों के कार्यालय, रायपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 मार्च 1982 को पूर्वीक्त सपील्त के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है. और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूषिधा के लिए; और्/या

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सृथिधा के लिए;

- श्री सत्यनारायण वल्द लखनलाल तिवारी, निवासी-कंकालीपारा रायपुर, म. प्र.। (अन्तरक)
- श्री सेवाराम वल्द गृदलू, निवासी - सोनडॉगरी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्व्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि ख . नं . 138/1 , 4.90 एकड़ - मौजा सोनडॉग्री, रायपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौंथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियो, अर्थात् :---

तारील : 8-11**-**1982

मोहर ः

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निद^भश सं. आर्ह. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3168 ---अतः मुभ्ने, दोवप्रिय पन्त,

कायकर व्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भाग प्लाट नं. 44/1, ख. नं. 19, 25 एवं 26/1 है, तथा जो फाफाडिह, रायपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1 मार्च 1982 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

- को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा—-

 श्री नागजी पिता लोधराम राठौर, निवासी - फाफाडीह, रायपुर,

(अन्तरक)

 श्री योगेश का मार पिता करसन भाई पटोल, द्वारा भेसर्स करसन भाई एवं बास, इन फर्ट आफ विशन मिल, फाफाडिह, रायप्र।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भाग प्लाट नं 44/1, सं नं 19, 25 एवं 26/1, फाफाडीह, रायपुर में स्थित हैं। एरिया-2680 स्कें फीट.

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 8-11-1982

मोहर 🗓

प्ररूप आहाँ,टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनाक 8 नवम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3169 --अतः मुभ्ते, दोवप्रिय पन्ता,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 44/1 का भाग है, तथा जो फाफा-डीह, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1 मार्च 1982

को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एोमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातु— श्री नागजी पिता लोधराम राठौर, निवासी - फाफाडीह, रायपुर,

(अन्तरक)

2. श्री धर्मोन्द्र कुमार पिता करसन भाई एव ब्रास इन फर्ट आफ विशन मिल, फाफाडीह, रायप्र। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य अपिकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिला में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

प्लाट गं. 44/1 का भाग, ख. गं. 19, 25 एवं 26/1, फाफाडीह, रायप्र में स्थित हो।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, भोषाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी. टी. नगर, भोषाल

तारीख : 8-11-1982

प्रकप बार्च . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्दाश सं आर्ह ए सी /अर्जन/भोपाल/3170 ---अत मभ्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी स स न 123/1 है, तथा जो दीपक कालोनी, मौजा तित्रडीह, दर्ग में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दर्ग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30 मार्च 1982

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निक खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वासन, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कसी करने या उससे वक्ते के सृविधा के लिए; जॉर/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं कस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :--11-366GI/82

- । शी श्रीपाद राज एत्र कृष्णाराव ठाकर सा नि प्रशीद हि व जिला दर्ण। (अन्तरक)
- श्री हरजीत सिंह आत्मज स्रजन सिंह निवासी-दर्ग आयापरा तह व जिला दर्ग। (अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो धक्त जीधनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसुची

भृमिष न 123/1 का टाकडा दीपक कालोनी, मौजा तित्रडीह, दर्गमे स्थित।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज भोपाल गगोत्री बिल्डिंग, घोषी मन्जिल टी टी नगर, भोषा**ड**

तारींग ११। २०१७ मोहर.

प्ररूप शाह .टी एन एस . -- -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, भोपाल

भोपाल, विनांक 8 नवम्बए 1982

निदंश मं. आई. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3171--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संस्था मकान म्यू नया नं. 8 अ है, तथा जो णंक मार्ग, माधव नगर, फ्रीगज, उज्जैन मो स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण म्य से विणित है), रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मारीख 30 मार्च, 1982

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए गय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप में तथिन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री भूपेन्द्र कृमार आत्मज
 शी नरोद्ध कृमारजी,
 निनासी शंकृमार्ग, माथव नगर,
 फ्रीगंज, उज्जैन।

(अन्तरक)

श्री अनोसीलाल आत्मज
 श्री खुशीलाल चोत्रिष्टिषया,
 निवासी—उज्जैन मोहल्ला, दौलतगंज,
 फब्बारा चौक।

(अन्तरिती)

क्ये यह स्थाना जारो करके पूर्वों क्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्**ची**

मकान म्य् नया नं 8 अ में का भाग, मकान दो मिन्जिला टीन पोश है जो कि शंक, मार्ग, माधव नगर, फ्रीगंज, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल वौथी मन्जिल, गंगोत्री बिल्डिंग, टी टी. नगर, भोपाल

ना**रील** ' 8-11-1982

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, भोपाल

भोपाल, विनांक 11 नवम्बर 1982

निर्दाश सं. आई. ए. सी. अर्जन/भोपाल/3172--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट न. 55 बी है, तथा जा सिविल कोर्ट, शांहजानाबाद, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीश 3 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी थाय की बाबत, उक्त जिमित्रम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बंधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (।) के अधीन, निम्नसि वित् व्यक्तियों अर्थात्:--- श्रीमती फरजाना अस्तर पत्नी श्री सैयद अस्तर हसन, निवासी——करबला रोड़, भोपाल।

(अन्तरक)

 श्रीमती असमत जहां पत्नी श्री मा. अंख्तर इमाम इस्माइली, निवासी—32, मो. मस्जिद, शांहजानाबाद, भोषाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना ह ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंबारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

स्ण्डिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

एक किता मकान, चार मन्जिला अनकम्पलीट जो प्लाट नं. 55 बी के अंश पर बना हीं, समरा नं. 44 का अंश हो, सिविल कोर्ट के पास, शांहजानाबाद में स्थित ही।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकंर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोत्री विल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीन : 11-11-1982

प्रकथ जार्ह. टी. एन. एस. -----

नाम्कर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) को अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निषंश सं. आर्इ. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3173--अतः मझे, देवप्रिय पन्त, नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसको संख्या नजूल प्लाट नं. 230 है, तथा जो नया गंज, रायगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायगढ़ मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकेल से, एसे दश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबिश उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से करियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से बृद्ध किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे अचने भा सृष्टिया के लिए: ' और/बा
- (क) एंबी किसी बाग या किसी धन या अभ्य आस्तियों कां., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः कन, उकत अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नीलियत स्थिनस्यों, अर्थास्ः—

 श्री प्रमोद कामार अग्नवाल बल्व श्री महाबीर प्रसाद अग्नवाल, रायगढ़।

(अन्तरक)

श्री प्रहलाद राय, श्री प्रहलाद राय, रायगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

· उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अनुसूची

नजूल प्लाट नं 230 का भाग, नया गंज, रायगढ़ कें स्थित $\overline{\epsilon}^*$ ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोत्री विल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीब : 8-11-1982

प्ररूप आई. हो. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन र्जा, भापाल

भापाल, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्दोश स. आर्दा. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3174--अतः मुझे, दोवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' ऋहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रतः से अधिक है और जिसकी संस्था प्लाट ख. नं. 367/1 व भवन, मशीग है, तथा जो जसपूर नगर, जिला रायगढ़ भे स्थित हैं (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जसपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीच 17 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पति के उपचित बाजार मृत्य सं कम के टक्समान प्रतिफेल के लिए अन्सरित की गर्इ है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री झूमरमल जैन पिता स्व. श्री भूरमल जैन, नि.— जसप्र नगर, तह. जसप्र, रायगढ़।

(अन्तरक)

श्री बालम्कंदलाल प्त्र
स्व. श्री बाबूराम सिधामनलाल,
चर्च राङ, रांची बिहार वर्तमान मे,
जसप्र नगर, रायगढ़।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक्ष में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्वाबत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

जसपूर नगर में स्थित संजय टाकीज नामक सिनेमा बिल्डिंग, भूमि जिसका नंबर 367/1 तथा सिनमा मशीन जिसका विवरण अंतरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में नीहित हैं। यह वह सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं. 37 जी में दिया गया हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, चौथी मन्जिल, गंगोत्री बिल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

ना**रनेब** : 8-11-1982

प्रमा आर्थ. टी. एन. एस.----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-म(1) के अभीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, भापाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी , अजन/भापाल/3175-- अतः मझे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 खं के अधीन ए- न आंचिकारी ज्ये यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका उचितृ बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सञान न 22/3 है, तथा जो शक्कर बाजार, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकं (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निर्मिश्व उद्वेदशों में उक्त अन्तरण निम्नित्ति में बास्तिवक हूप से काथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नागत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधः के सिए; और/ना
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्ह भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा सुन्त्रथा के लिए।

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, अक्त क्षिपिनियम की अग 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती गीता बाई पत्नी श्री कीमलदासणी, निवासी-मकान नं. 22/3, शक्कर बाजार, इन्दौर।

(अन्तरक)

श्री विजय क्मार पिता
 श्री अचलचंदजी जैन,
 निवासी—इन्द्रलोक कालोनी,
 इन्द्रिर।

(अन्तरिती)

भग्नी स्थान कारी करके पृत्रामित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारीका से 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवाही।

बसम्ब

मकान नं 22/3 , शक्कर बाजार , इन्दौर मे स्थित हैं। (प्रथम मन्जिल का भाग)।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, भोपाल चौथी मन्जिल, गंगोत्री बिल्डिंग, टी. टी. नगर, भोपाल

ना**रीन** : 8-11-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयजर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक र आयक्क (निरीक्षण) अर्जन र्जज-। , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं 2130/23-1/82-83---अतः मुझे, आर. आर. शाह,

श्रीयकर श्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दश्चात् 'उन्त श्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सम्भाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाधर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मूक्ष 25,000/- इ० से प्रधिक है

और जिसकी सं मर्वे नं 22, 23, 24, 26, सब प्लोट नं 2, एस पी 48 है तथा जो एफ पी. एस 15, केशवक्षंच प्लेट नं 10, स्थानक वासी सोसायटी के नजबीक वाइज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संविध्य है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-3-1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उका अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

 सुमती लेन्ड कोपेरिशन भोषायदर - दक्षामनान रामनाल जीतेन्द्र सेम्बर, पहली मंजिल, नवरगप्रा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

१. श्री प्रभावेन नवनीतलाल शाह केशवकांज फलंट नं. 10, स्थानक वासी सोसायटी के नजदीक, नवरंगप्रा रोलव क्रोसिंग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को पर पुराए सभी घरते पृथीस्त सम्मति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजणत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भातर पूर्वांकत करित के किया है।
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्राच्यन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-भव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के

स्थरद्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त चब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलट जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग यार्च है जो वाष्ठज अहमबाबाद मो स्थित ही तथा गा राजिस्ट्रार अहमदागद रिजरूपीकर्ता बिकी-खस नं : 3566/15-3-3? ही।

> आर. आर. णाह सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारी**ल** : 19-10-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एसं.- ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमवाबाव

अहमवाबाद, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 2131/23-1/82-83--अतः मुझे, आर. आर. शाह, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्न अधिनियम' कहा गग्रा हो), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 195 🕂 196 टी. पी. एस 19, ही तथा जो स्मेनगर, अहमदाबाद में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोदयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :-- शीमती जामुद्रवेन शीवचंद संध्यी 13. पतीमा सोसायटी, मंमनगर रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

श्री नानकराम बरीयलवास काफवानी
श्री बृतीयलवास काफवानी
श्री सुरोश वी काफवानी
कयी कांपोंरोशन
(फांमवाला)
नीन दवालाना, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मकान जिसका कृल क्षेत्रफल 585.27 वर्ग मीटर है जो मेमनगर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद र रजिस्टीकर्ता सिककियत नं. 2980/मार्च 1982 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

नारिष . 19-10-1982

महार :

प्रस्प नाई. टी. एन. एस. -----

आगकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

निवास नं पी. आर. नं 2132/23-1/82-83--अतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर विधित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधित्यमं' कहा ग्या हैं), की धार 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वो नं. 1050/1, सब प्लोट नं. 1, है। तथा जो बेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याब्लम, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4 मार्च, 1982 को

(1908 का 16) के अधीन, 4 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पमाह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरिक (मन्तरिकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखन उद्देश्य से उक्त सम्तरण निष्वित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी खाय की बाबत उक्त अझिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्रिनिथम या धनकर अग्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविशा क लिए;

मतः वन, उनतं विवित्यमं की धारा 269-व के प्रमुख्य की, में, उनतं अवितियमं की छारा 269-व की उपवारा(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :---

(1) श्री शंकर भाई केशय लाल पटले श्रीमती जीवीबेन, केशव लाल पटले की विधवा पत्नी सुभारवास गांव-आपनी, जिला अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री दामांदर दान माहन लाल 23, श्रेतल सोसायटी गुलबाइ टोकश, अलीसब्रीज, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य विक्तमों द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2666 वर्ग यार्ड है जो गांव वेजलपुर जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्टीकर्ता विकिशियत नं 3144 और 3143/ 4-3-82 है

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीब : 19-10-1982

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 19 अक्तूगर 1982

निदोश न. पी. आर. न. $2133 \frac{1}{23}$ $\frac{1}{23}$ ──अतः म्भो, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य., 25,000/-रा से अधिक हैं। और जिसकी सं सर्वो नं 116, काल्पूर बांडी 3 है। तथा जो रतनपाल, शहकी पोल, अहमदाबाद में स्थित है इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-1982 .को पूर्वाक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **दश्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में एमें दश्यमान प्रतिकल का पन्प्रह

प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तद पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिते उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हु**इं** किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिष्टम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

1. श्री शान्तीलाल भूदरभाई के/ओ महासुखलाल शान्ती-ाल रतनपोल, हाथी खाना, अहमवाबाध

(अन्सरक)

2 अली सकार शंख जमालपुर खाडकी शेरी, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मास किसीव्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-न्द्र। फिर्सा अन्य श्र्यावित दनारा अधाहस्ताक्षरी **क** णस लिखित में किए उन सक गै।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अमुसुची

मकान जिसका काल क्षेत्रफल 108 वर्ग यार्ड है जो रतनपोल, शठकी पांत, अहमवाबाद स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमवाबाद रजिस्दीकर्ता विक्रीसन नं. 3354/11-3-1982 ही।

> आर आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, अहमदाबाद

अत , अब , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ना₁रीख 19-10-1982

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 19 अक्तूबर 1982

निदंश न. पी. आर न 2134/23-1 82-83--अतः मृझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास का कारण 👸 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं। और जिसकी संटी पी एस 3, एफ पी 255, एस पी नं 3 हो। तथा जा अलिसब्रीज, अहमदाबाद में स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के अभित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:---

- श्री अनुभाई रमन लाल गज्जर और अन्य मीठाखली, रिल्वे कोसी ग के नजदीक, अलिसब्रीज, अहमदाबाद (अन्सरक)
- 2 श्री जीवन दास क्षेत्रल दास और अन्य ''इन्द्रभवन' नरोडा अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुधी

प्लट जिसका क्ल क्षेत्रफल 12-8-16 वर्ग यार्ड है जो अंलिसब्रीज, अहमवाबाद में स्थित है सथा सब रिजस्ट्रार अहमवाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्तीसत न $3404^{2}11-3-82$.है।

आर. आर. शाह् गक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंजना, अहमदाबाद

नारीस : 19-10-1982

प्रस्प आहर्षे. टी एन. एसा.----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 19 अक्तूबर 1982

ीन्द्रशे न पी आर न 2135/एक्वी/23/। 82-83 —-अत मुक्ते, आर आर शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की । धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स एफ पी न 187/2, पैकी दी पी एस 3 है तथा जा अभिक्त न 1, फर्स्ट पलोर, नेशनल चेम्बरर्स, आश्रम राड अहमदाबाद में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-1982

ति को 16) के जवान 11-3-1982
को पूर्विक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सपित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
क्ष्म से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् —

- नीमा ट्रॅडिंग कम्पनी प्रोपराइटर श्री बीठल भाई पसोसमभाई अमीन 'नीमा' सरदार पटेल कालोनी स्टेडीयम के सामने नवर गपुरा, अहमवाबाद
- (अन्तरक)
 2 लयामारन्स एण्ड कोमीकाल्स लिमिटेड डायरेक्टर नरोन्द्र प्रसाद मी पटोल 5, पटोल मोसायटी, अलिसब्जीज अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्तब्ध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिबित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आंफिस जिसका क्षेत्रफल 804 वर्ग फीट है जो नशनल चेम्बर आंफिस न 1, फर्स्ट फ्लोर आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकासित न 3376/11-3-1982 है।

आर आर शाह सक्षम **प्राधिका**री, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

ता**रीस** 19-10-1982 मोहर प्ररूप गाइ.टी.एन.एस. -----

माय्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

निवंश नं पी. आर. नं 2136 23-1,82-83— अतः मूझे, आर. आर. शाह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मल्य

25,000/ एत. से **बाधक ह**ै

और जिसकी सं. सर्वों नं. 119, 122 सं 124, 126, 128 पैकी प्लाट नं. 62 है। तथा जो वस्त्रापुर अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिगियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-3-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिब्क रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संदूर किसी आय की मायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उत्तसे बुचने में सूर्तिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जामु या किसी अनु या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्थिना के लिए?

अतः अन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री पूनमचंद राजपाल 4, मंगलम सोसायटी जीन्तान रोड, सुरोन्द्र नगर (अन्तरक)
- 2. श्री अन्धिन कुमार मनुभाई पटेल और अन्य दीलीय अपार्ट मेन्ट को-ओ.-हा. सोमायटी लिमिटेड, एल. जी. अस्पताल के सामने मनीनगर, अहमदाबाद (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यो

अमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1267 वर्ग यार्ड है जो वस्त्रापूर जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकस्तित नं 3512/15-3-82 है

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीन : 19-10-1982

प्रस्प गाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अक्तुबर 1982

निवंश न पी. आर. न 2137--अत म्भे, आर. आर. शाह, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इपमें इन र परवात् 'उस्त पधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के यजीन ाअम पाबिकारी की, यह विश्वास करते कः कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक मुल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है और जिसको सं सर्वो नं 140/1 है। तथा जो गाव बांडक-दंब जीला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सुचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मा रजिस्ट्रीकरण अधिनिय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-3-1982 को पृथाकत सम्पत्ति है उचित बाजार मूटा से कब के दुश्यमान प्रतिकत के लिए प्रत्तिरेन को गई है और मुझे पह विश्वाप करने का कारण है कि रवाप्वींका सम्पन्ति क उचित बाजार पुरुष, उसके दृश्यमान प्रतिफर से. ऐसे दश्यभान प्रतिकल का अन्द्रड प्रतिगत से प्रधिक र भ्रौर श्रान्तरः (अनागता) भाग नगरेगा (अन्तरितिरों)के बीच ऐस प्रनारण के जिए तथ पाटा गया प्रतिकता जिस्ति खित उद्देश्य में उका ग्रम्वरण निविष्ठा में वास्तविक रूप से कथित नदी किया गया है।---

- (क) भ्रन्तरण से हुई िकसा प्राय का बाबत उन्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसा भाष रा किसा घन था अस्य आस्तियो का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर पश्चितियम, रा धनकर पश्चितियम, रा धनकर पश्चितियम, रा १९५७ (1957 का 27) के प्रधायनार्थ प्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त एधित्यम को धारः ३६९-ग क अनु-यरण मे, म, उत्तर श्रधितियम की धारः २६९-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री भीखा भाई जीदा भाई और अन्य गांव-बोडक्खें व जिला अहमवाबाद
 - (अन्सरक)
- 2. श्री मनुभाई हीमा भाई पटोल और अन्य सरवार पटोल स्टोडीयम, नवरंगपुरा के नजवीक, वैज्यंता अहमवा-बाद

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उस्त श्रिष्टि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रष्ट होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

ननुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल । एकड़ 21 गुठा है, जो वोडकचेव, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार जहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीवत नं. 3331/8-3-82 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमबाबाद

तारी**क** ∴ 19-10-1982 मोहर : प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अक्त्बर 1982

निवंका नं पी. आर. न. 2138/एक्वी /23/1/82-83 अतः मूओ, आर. आर. आर. काह, आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिस्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं. 146/5 है तथा जो गांव बोडक-दोव जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-मूची में और पूर्ण रूप हो वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 मार्च, 1982

1908 का 16) के अधीन, तारींख 8 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्कृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निग्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से प्रित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री अंबा लाल मोनी राम गाय आंबली जिला अहमदाबाद।

(अन्त**रक**)

श्रीमन्भाई हीमाभाई पटाल और अन्य, नवरणप्रा सरदार पटाल स्टाडीयम के नजदीक "बैजयन्ता" अहमदाबाद।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त गृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका काल क्षेत्रफल 2 एकर 2 गुठा है जो बोडकदोव जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रिजन्टीकर्ता बिकलिया ने 3332/8-2-82 है।

> आर आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन राज-।, अहमदाबाद

तारीच 19-10-1982 मोहर

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 22 अक्तूबर 1982

निदेश नं पी. आर. नं 2139---अतः म्फे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 360 पैकी एफ. पी. 248, टी. पी. एस. 26 ही। तथा जो धासना सीम अहमदाबाद में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्तण अधिनायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1982

में पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्स नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री कालीदास गोविंदभाइ पटोल कान्ताबेन कालीदास पटोल भावनाबेन काली दास पटोल थी कौशीक कुमार कालीदास पटोल पाराबेन कालीदास पटोल उमीलाबेन कालीदास पटोल गांव वासना जीला अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. श्री रमन भाई रनछोड भाई मुख्य प्रयोजक श्री दामन को. ओ. हा. सोसायटी तालुका मोजे मकरबा के/ ओ. कालीवास गोविंदभाई पटील गांव वासना जीला अहमदाबाद

(बन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका काल क्षेत्रफल 2874 वर्ग मीटर है जो वासना मीम, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता निकिश्वत नं. 4881, 4882, 4889, 4882, 4888, 4893/31-3-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम <mark>प्रधिकारी,</mark>

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीख 22-10-1982 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अक्तूबर 1982

निद्येश नं पी. आर. नं 2140/23-1/82-83--अतः मूझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. 280 है। तथा जो पालडी अहमदा-बाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1982

का प्वाक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गृह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे इंग्समान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——
13—366GI/82

 श्री दीपक क्मार एस. कुस्मगर कुल म्लस्यार श्री सतीशचंद्र व्धा लाल शाह, गीता बाग के नजदीक, न्तन सोसायटी के सामने सी. जी. रोड, चालडी, अहमदाबाद

(अन्तरक)

 श्री शैलेश क्मार एम शाह 8, किश्राकुंज 94 मरीन डाइप बोम्बे-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लेट जिसका कुल क्षेत्रफल 84 वर्ग यार्ड है। नं. 9 जो यालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकांग्लत नं. 4807/81-3-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहामदाबाद

तारीव : 22-10-1982

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमबाबाद - अहमदाबाद, विनांक 22 अक्तूबर 1982 निदोश नं. पी. आर. नं. 2141/23-।/82-83--अत: मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वों नं 296 पैकी है। तथा जो वाहज अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, 29-3-1982

कां पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से ाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

1. श्री शैलेश आयाभाई अमीन की ओर से कुल मृबत्यार श्री आयाभाई एच. अमीन 1280, सारंगपूर तली-याकी पोल के सामने, अहमवाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अंबानाल असाभाई पटना और अन्य 14, फ्रेंडिस कोलोनी नारनपुरा अहमदाबाद

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा नकेंगे

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लंट जिसका काल क्षेत्रफल 95 वर्ग मीटर है जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्री-कर्ता विकासित नं: 4148/29-3-1982 है।

> आर. आर घाह सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहामदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारी**व** 22-10-1982

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भ्रायकर म्रश्चिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 289-व(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिष-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अक्तूबर 1982

निद्धां न . पी. आर. नं . 2142/23-1/82-83--अतः मूझे, आर. आर. शाह,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् ¹उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० स

और जिसकी सं. शंफ पी. नं. 548 पैकी सब प्लोट नं. 4 पैकी टी. पी. एस. 3 है, तथा जो छडावड, वी. एस. अस्प-ताल के सामने अलिसज़िज, अहमदावाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 31-3-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उनके वृश्यमा। प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीकि है और अन्तरक (अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं कियः गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मित्र-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोह्यए था, फिपाने मे सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण नें, मैं, सन्त श्रविनियम की श्रारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन ो निम्नु श्रिक्त अविनयों । अर्थात् धः—

- (1) श्री गौतमक मार बुधालाल स्तरीया, कर्ता और मेनेजर (अंच यु. अंफ.), बुधालाल शकरालाल,
 - (2) श्री अध्विनक् मार बी. स्तरीया, संयुक्त कट्बिके (अच.यू.अफ.), वी. अस. अस्पताल के सामने, अतिसब्जि, अहमदाबाद।

(अन्सरक)

 मेसर्म अम. के. बील्डर्स, कालकोट हाउन्तर, 8-10, रामरीन लेन, फोर्ट, बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्बत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन विद्यालय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त ग्रिधितियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रष्टवाय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल जमीन का 1910.65 वर्ग मीटर है, जो वी. अंस. अस्पताल के सामने अंलिसब्रोज, अहमदाबाद में स्थित है, तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकाखित नं. 4898/31-3-82 है।

> आरं. आरं. शाह सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजे-।, अक्षमदाबाद

तारीब : 22-10-1982

मोह्यु 🗓

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।, अहमदाबाव
अहमदाबाद, दिनाक 22 अक्तबर 1982

निक्श न पी आर न 2143/23-1/82-83--अत मुझे, आर आर शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं। और जिसकी स सर्वे न 54 और 55 है, तथा जा वासना सीम, जिला अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मे रिजन्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 31-3-1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्यो से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियो, अर्थात् —

- 1. (1) श्री नारनभाई बबाभाई पटेल,
 - (2) श्री चव्भाइ बी पटल, गाव गोटा, जिला अहमदाबाद।
 - (3) श्रीमती जडीबेन श्री रनछोडभाई कानदास की पूत्री, गांव वासना, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 कवम को -ओ -हा सोसायटी लिमिटेड, अोर्गनाई जर श्री दशरथभाई केशवलाल पटेल, गाव मकरवा (सरलेज के नजबीक), जिल्ला अहमदाबाव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 836 वर्ग मीटर है +625 10 वर्ग मीटर है, जो वासना, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकासित नं 4824/4818/दिनांक 31-3-1982 है।

आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीस 22-10-1982 मोहर .

प्ररूप बाइं. टी. एन्. एस.-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की घारा 269व(1) के भ्रभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमवाबाद अहमदाबाद, विनांक 22 अक्तूबर 1982

निदोश नं . पी . आर . नं . 2144/23-1/82-83---अतः मुझे, आर. आर. शाह, *बायकर अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्वत प्रधिनियम' कहा गया है), की चारा 249 ख के अधीन मक्षम ब्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से आधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 1050/1, सब प्लोट नं. $1 \text{ } \text{ह}^3$, तथा जो वेजलप्र, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 24-3-1982 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को पृवर्गिकत के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रसिफ्स से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्दरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

प्तल निम्निमिक्ति नहेश्य से **उड्ड बन्धरक नि**खित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) प्रस्तरण ये हुई किसी श्राय की बाबत जकत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य धास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधि-नियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए का, जियाने में सुविधा के जिए;

बतः, अन, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269क्च की उपश्चारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थितः---

- (1) श्रीमती सीताबेन
 श्री केशवलाल मोहनलाल की पुत्री, सुधारवास, गांव आंबली, जिला अहमदाबाद।
 - (2) श्रीमती शारदाबंन श्री केशवलाल मोहनलाल की प्त्री सुधारवास, गांव आबली, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

श्री वामोदरदास मोहनलाल,
 23, धेतल सोमायटी, गुलजाई टेकरा,
 अलिसब्जि, अहमदाबाद-380006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना गारी धरके पूर्वोक्त सम्मिक क्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी अपिक्तियों पर सूचना की ताबीच से 30 दिन का प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भागर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी अपिक्त हारा;
 - (ख) इस सूचना ए राजाव में प्रकाशन को तारीख से 43 दिन के भौतर उका स्थावर नंगत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वब्दीकरण: → इसमें प्राृक्त णब्दा ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में विद्यागया है।

अतसची

जमीन जिसका क्ल क्षेत्रफल 2666 वर्ग यार्ड है, जो गांव वेजलपूर, जिला अहमवाबाद में स्थित है, तथा सब रिजस्ट्रार अहमवाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्तीबत नं. 4266 और 4261/ 24-3-1982 है।

> आर. आर. शाह सक्षम ग्रधिकारी**;** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज-।, अहमदाबाद

तारीख : 22-10-1982

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.----

क। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सुचना

अर्जन रॉज-१, अहमदाबाद

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 22 अक्तूबर 1982

निवोध नं पी. आर. गं. 2145/23-1/82-83---अतः मुझे, आर. आर. शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-

रं. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वं नं. 262-2 पैकी 220 और 221 पैकी हैं, तथा जो घोडासर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देव से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीट/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

भ्तः अख, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— शीमती रसीकदेन,
श्री रतीलाल पानाचंद्र की विधवा,
श्री जयन्द्र रतीलाल पटोल,
श्री हर्षव रतीलाल पटोल,
श्री नरोन्त्र रतीलाल पटोल,
श्री भरतभाई रतीलाल पटोल।
जेठाभाई की पोल,
लाडीया, अहमवाबाव।

(अन्तरक)

 शालीग्राम घोडासर को - ओ हा . सोसायटी लिमिटडे, के/ओ पोप्युलर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, शान्ती चम्बर, आयकर भवन के पीछे, दीनेश होल के सामने, नवरंगपुरा, अक्षमदाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिं करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 15106 वर्ग यार्ड है, जो घोडासर, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा जो सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता बिक्तीबत नं. 4230, 4231, 4232, 4237, 4238, 4226, 4227, 4233 और 4234/24-3-1982 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख: 22-10-1982

मोहर् 🗄

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^उज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 22 अक्तूबर 1982

निषक्षे नं. पी. आर. नं. 2146/23-1/82-83---अतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕- रु. से अधिक ह और जिसकी सं. अफे पी. नं. 247, टी. पी. एस. 20 है, तथा जो स्यामकांज सोसायटी, सेन्ट सेवियर्स कोलेज के सामने, नवरंगपुरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-3-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफाल से, एसे इत्यमान प्रतिफार का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— श्री रमनलाल विट्ठलभाई पटेल और अन्य, दयामकांज सोसायटी, सेन्ट सेवियर्स कोलेज के सामने, नवरंगप्रा, अहमदाबाद-9।

(अन्तरक)

श्री किरीटक्मार मोहनलाल शाह,
 1/2, स्वस्तिक सृपर मारकेट,
 आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 355 वर्ग मीटर है, जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकाबित नं. 3904/18-3-82 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारील: 22-10-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाध, दिनांक 22 अक्तूबर 1982 निदोध नं. पी. आर नं. 2147/23-1/82-83---

अतः मृझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. अफ. पी. नं. 163 पैकी टी. पी. एम. 22 हैं, तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 17-3-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं।---

- (क) जन्तरण से हुई कि सी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (क्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मनीलाल सोमचंद मोदी, जमालपुर चकला, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्रीमती होमाबेन प्रवीनचद्र शाह, को/ओ श्री मनीलाल सोमचंद्र मोदी, जमालप्र चकला, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

वन्स्ची

फलेट जिसका क्षेत्रफल 88 वर्ग यार्ड है, जो पालडी, अहमदा-बाद में स्थित है, तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं. 3760/17-3-1982 है।

> आर. आर काह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

तारीख : 22-10-1982

मोहर

प्ररूप भार्ड. टी. एन एम ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अक्तूबर 1982

निदोश नं पी. आर. नं. 2148/23-1/82-83÷-अत. म्भे, आर. आर. शाह, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 99-13, टी. पी. एस., नार्थ साइड पैकी है, तथा जो एलिसब्रीज अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में, रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्विश्रन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में **धास्तविक रूप** से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूर्तिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन क्रिन्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

14-366GI/82

- 1. श्री जयकिशन भाई बी. पंचाल
 - 2. श्रीमहोन्द्रभाई बी. पंचाल
 - श्री हीरोन भाई बी. पंचाल
 - हर्रेश भार्ड बी. पंचाल वरीयापूर, चार रास्ता, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

मैसर्स राजेश कारपीरोशन की ओर से
श्री वजु भाई, भीमजी भाई पटोल और अन्य
लताषेन वजुभाई
रज्याचारी, दरीयापुर, अहमदाबाद।
श्री नटवरलाल संकलचंद पटोल
आमलीका चोल, शाहपुर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्ल क्षेत्रफल 700 वर्ग यार्ड है जो एलिस-बृीज, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 3718, 3714, 3713 और 3717/16-3-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-१, अहमदाबाद

तारीम : 21-10-1982

प्ररूप आई. दी. एन. एस्. - - - - --

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निदेश नं पी. आर. नं 2149/23-1/82-83--अत: म्भे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य ?5,000/-रु. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. सर्वे नं. 86+98+87+217/टी. पी. एस सब प्लोट नं. 9 है, तथा जो एफ पी. 240, मेमनगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन-सची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 मार्च, 1982 को प्वरिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूयमान प्रतिफल सो. एसे श्रूयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- डा. श्री मुकंद संजय कुमार मेहता 25, इन्कलाब सोसायटी, आबावाडी, गुलवार्रका टेकरा, अहमवाबाद।

(अन्सरक)

- 2. (1) श्री सुरोन्द्र मोहनलाल शर्मा बी-5, सुरोश अपार्टमोन्ट, वर्शन रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
 - (2) मीनाषेन बाबूभाई रमेश शर्मा के/आं गीता मुर्नि भण्डार, खाडीया चार रस्ता,
 - (3) श्री शशीकान सी. चोकसी, नवरंगपुरा, श्रीराम अपार्टमेन्ट, बादासाहेब का बंगला,
 - (4) श्री चराग ह्रीवदन सत्यपथी सूमम सोसायटी, नवर गपुरा,
 - (5) कल्पेश बाबुभाई चरीस और अन्य सेवाकाकी वाडी, साडिया, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धींकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त् अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 400 रे386 वर्ग यार्ड है, 1/16 पैकी जो भेमनगर, टी. पी. एस. ।, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 3487, 3488, 3489, 3490 और 3491/12-3-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

ता्रीच : 22-11-1982

प्रकृप थाई• टी• एन• एस•---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 2150/23-1/82-83---अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

और जिसकी स. एफ. पी. 280 है, तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नां लिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर कर के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था खिमाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्मीलिश्चित व्यक्तियमें, अर्थात् :—

- श्री दीपक कुमार एस. क्सुमगर की ओर से कुल मुखत्यार
 - श्री सतीश कुमार ब्रधालाल शाह गीता बाग के नजदीक, नृतन सोसायटी के सामने, सी. जी. रोड, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- श्री वसुमतीबेन मनुभाई शाह
 सुभा,
 नेपयीन सी. रोड.
- 20, नेपयीन सी. राड, बाम्बे-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अविवि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश र की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवटीकरण:—६समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रषं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

पलंट जिसका कुल क्षेत्रफल 84 वर्ग यार्ड है, जो नं. 3, पालडी, अहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमवा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकासित नं. 4843/31-3-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमवाबाद

तारीच : 22-11-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 22 नवम्बर 1982

निवंश नं पी. आर. नं 2151/एक्वी./23-1/82-83 ——अतः मूफ्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रत. से अधिक हैं

अर जिसकी सं. फेक्टरी मकान लखतर, जिला-स्रेन्द्रनगर है, तथा जो पाटडी दरवाजा के बाहर, भागावाडी तालावडी के नजदीक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाधवान में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त शिवार) के वीच एस अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रविक्त कर्म में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- अना अतेयल मील जीनी ग फेंक्टरी, प्रोपराइटर श्री बाल भद्र सिंह जी, इन्द्र सिंह जी जाला, लखतर पैलेस, लखतर, जिला- सरन्द्र नगर।

(अन्तरक)

- 2. 1. लगतर आयल प्रोडक्टम प्राईविट लिमिटेड की ओर में डायरेक्टर
 - श्री शाह कान्तीलाल, हिमतलाल और अन्य लखतर, जिला-स्रोन्द्र नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मोतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनयम, के अभ्याय 20-क में प्रिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फेक्टरी मकान जो लखतर, जिला-सुरोन्द्र नगर में स्थित है तथा सज-रिजस्ट्रार वाधवान रिजस्ट्रीकर्ता विकक्षित नं. 934/31-3-1982 है।

आर०आर० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख : 22-11-1982

प्ररूप आह^{*}० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 22 ग्रक्तूबर 1982

स० पी० ग्रार० न० 2152/23-1/82-83--ग्रत मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ।जसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या सर्वे न० 262-1 ग्रौर 263 है। नथा जो घोडासर जिला ग्रहमदाबाद मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद मे रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनाक 18-3-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरको और अतरिती अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तैविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नां जिल्ला व्यक्तियों अर्थात् —— (1) श्री हर्षद भाई रतीलाल पटेल जेठाभाईकी योल खाडीया, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) सखम घोडासर को ग्रो० हा० सोसायटी के/ग्रो० पोपूलर कस्ट्रकणन कम्पनी णान्ती वेम्बर्स दिनेश रोल के सामने ग्रायकर भवन के पीछे, नवरंगपुरा ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5360.75 श्रीर 3830.25 है जो घोडासर जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिज-स्टार श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखाता न \circ 3776 में 3779/18 - 3 - 1982 है ।

ग्रार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

तारी**ख** 22-10-1982 मोहर प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 अक्तूबर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एफ पी० नं० 320 सब प्लाट नं० 4 है तथा जो भीडाखली चंगीसपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 18—3—1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के शियत्य में कभी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मीनम लेंड डवलपमेंट कंपनी की ग्रोर से भागीदार श्री प्रमोदकुमार भाई रतीलाल कर्ता, ग्रीर मेनेजर श्रीरसमुख भाई कस्तुभाई शाह नवरंगपुरा, ग्रह-महदाबाद

(अन्तरक)

(2) पल्लीवीयार्क अपार्टमेंट श्रोनर्स एसोसिएश न मेम्बर्स रेखाबेन हरेन्द्र गांघी, नवंरगपुरा मार्टिक के सामने नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 136 वर्ग यार्ड है, जो मीडाखली चंगीसपुर, ब्रह्मवाबाव में स्थित है तथा सब रजिस्टार ब्रह्मवाबाव में रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 3893/18-3-82 है।

न्नार० मार० णाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 22 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० नं० 2154/23-1/82-83---श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी संख्या एफ० पी० 255, सब प्लाट नं० 3, टी० पी० एस०-3 है । तथा जो शेखपुर खानपुर नवरंगपुरा, ब्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, ब्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िकपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अनुभाई रमनलाल गज्जर और अन्य मीहारवली रोलवे ऋतिंग के नजदीक मीहारवली, अलीसब्रीज, अहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रेयस मंगलदास जवेरी श्रीर श्रन्य महालक्ष्मी माता का मंदिर के नजदीक, दोशी बालाकी पोल कालूपुर श्रहमवाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 121.65 वर्ग यार्ड है, जो श्रोलीसब्रीज ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखात नं० 3736/ मार्च 1982 है

> ग्रार० ग्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-10-82

मोहर ;

प्ररूप आहर् . टी एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-[, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद दिनाक 30 श्रक्तूबर 1982

स० पी० भ्रार० नं० 2155/23/I - 82 - 83 - - श्रत. मुझे, श्रार० श्रार० शाह

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिभकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या बोड नं ० 16, सर्वे नं ० 16, 262 स्रोर 262 अ है। तथा जो प्रधुमन नगर सदर बाजार राजकोट में स्थित है। तथा जो प्रधुमन नगर सदर बाजार राजकोट में स्थित है। रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 12-3-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि स्थित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की नावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और्√वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्रीमती तारामती नवनीत लाल पारेख जसानी रोड, सदर राजकोट

(ग्रन्तरक)

(2) देणाई विल्डिम के/म्रा० जयमुखलाल मोहनलाल देणाई 56, जनकल्याण मोमायटी, एस्ट्रोन, सीनेमा के नजदीक राजकोट।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्व्यं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - कमें यथा परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अंतर्भ की

मील्कत जिसका जमीन का क्षेत्रफल 81.31 वर्ग मीटर है, जो कोड नं० 16, सर्वे न० 262 ग्रौर 262 ग्र सदर बाजार प्रधुमन नगर राजकोट में स्थित है तथा सब रिजस्टार राजकोट रिजस्ट्रीकर्त्ता बिशीखन नं० 231/15 जनवरी, 1981 तथा रिजस्ट्री मार्च 1982 से की गई है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारी**ख** · 30—10—1982

मोहर,

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अभीन् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 30 म्रक्तूबर 1982

सं० पी० श्रार० नं० 2156/23-1/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्भाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संनत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- ६० में मिधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जमीन का बेडा पंचवटी सोसायटी के नजदीक हैं। तथा जो जमीन यार्क, हाउसिंग बोर्ड के सामने राजकोट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-3-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने हा कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्झह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्लिजित उद्शय से उक्त अन्तरण निखित में वास्नविक कम से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; औद्द/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ।——
15—366GI/82

(1) केशवलाल भूरा भाई राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जय रघुराज सिंह जी प्रधुमन सिंह जी जाडेजा ग्रमीन यार्क., पंचवटी सोसायटी के नजदीक, हाउसिह बोर्ड के सामने राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी किरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या त'सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पठ-ीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्शे का, जो उपत ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धम्सूची

मील्कात जिसका मकान का क्षेत्रफल 445.65 वर्ग मीटर है जो श्रमीनयार्क पंचवटी सोसायटी के नजदीक राजकोट में स्थिति है तथा सब रजिस्टार रजिस्ट्रीकर्सा बिकीखाता नं० 1970/30 मार्च, 1982 है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद,

तारीख: 30-10-1982

मोह्यु 🖫

मुक्य बाह् _ टी. पुन. पुन.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

सं० पी० श्रार० नं० 2157 एक्बी०23-I/82-83--- ब्रतः मुझे, ब्रार० श्रार० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 2552 से 2562, राजेन्द्र प्रसाद रोड, है। तथा जो पंचनाथ मंदिर के नजदीक राजकोट में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कम, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उक्त जीध-तियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा को लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री सुनील उर्फ रजनीकांत हरीलाल मनीयार 'ग्रभयकुंज' पंचनाथ मंदिर के नजदीक, राजेन्द्र प्रसाद रोड, राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) वासुमती भगवानदास खखर बी— म्रानंद वर्णन फ्लैट नं० 25, पेडार रोड, बोम्बे-26।

(भन्तरिती)

को सहश्रुचना कारी करको पूर्वोक्त, संप्रित को वर्जन को निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जिसका मकान का नाम 'ग्रभयकुंज' से प्रचलित है जो राजेन्द्र प्रसाद रोड, राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्टार राजकोट में रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखाता नं० 928 4-3-1982 है।

श्रार० श्रार० शाह्र सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज I, श्रहमदाबाद

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निस्नृतिचित व्यक्तियों, अधितः—

तारीख: 30-10-1982

प्रकप काइं.टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर दिनांक 13 श्रक्तुबर 1982

सं प्रर्जन/82-83/317-मातः मुझे, धानंद सिंह धाई० धार० एस०

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त घिनियम' कहा वया है), की घारा 269-ख के प्रक्षीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी संख्या एक इमारत है तथा जो हाइड मारकीट श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमृस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया अना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, में उज्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीग, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थ्यु:— (1) श्रशोक कुमार पुत्र किशन चन्द वासी हाइड मारकीट जी० टी० रोड अमृतसर मारफत वृजमोहन मुलाजम लक्ष्मी कमरशियल वैंक जी० टी० रोड सुधियाना

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती निर्मल रानी पुत्री बैली राम कसी खजाना गेट श्रम्तसर
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिभभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्याक्तमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

एक इमारत जो हाइड मारकीट श्रमृतसर में है जायदाद नं० 6 1 भीर 352 श्रर्वन जैसा सेल खीड नं० 21526/ 16-3-1982 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> मानंद सिंह, माई० प्रार० एस० सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 3 चन्त्रपुरी, ममृतसर

तारीख: 13-10-1982

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० भ्रर्जन/318--भ्रतः मुझे, श्रानंद सिंह, श्रार० श्रार० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या एक इमारत है तथा जो हाइड मार्कीट अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वों कत संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तर्ण लिखित में बास्तिविक स्पू से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) जनारण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधाने में सुविधा के लिए। आदि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

भृति सन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्तृलिखित अपनित्यों नर्भात् :---

(1) श्री वृजमोहन पुत्र श्री किशन भन्द्र वासी हाइड मार्कीट जी० टी० रोड मुलाजम लक्ष्मी कमरिशयल बैंक, जी० टी० रोड, लुधियाना

(धन्तरक)

(2) दौलत राम पुत्र श्री पूरन चन्द खाजाना गेट स्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्द सम्मत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध् में कोई भी जाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो हाइड मारकीट श्रमृतसर में है जायदाव नं० $61\,\%$ री उ $52\,\%$ वेन जैसा सल औड नं० $21525\,/16-3-82$ रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह भ्राई० श्रार० एस सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी, श्रमुससर

तारीख: 13-10-1982

प्ररूप धाई• टी• एन० एस०----

भ्रायकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269 व (1) के **भ्रधी**न सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक | 13 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं प्रजन/319—-ग्रतः भुसे, ग्रानंद सिंह, ग्रार० ग्रार० एस०

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मिधिक है,

श्रौर जिसको संख्या एक इमारत है तथा जो हाइड मार्किट श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकार। के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिक्षियम, के ग्रिप्तीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रव; उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात:— (1) श्री अशोक कुमार पुत्र किशन चन्द्र वासी हाइड मार्किट जी०टी० रोड अमृतसर मारफत बृज मोहन मुलाजम लक्ष्मी कर्माशयल बैंक जी०टी० रोड लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

- (2) दौलत राम पुत्र पूरन चन्द्र खजाना गैट श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बादू में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्तरी के पात लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्मध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उस्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो हाइड मार्किट ग्रमृतसर में है जायदाद नं० 61 श्रीर 352 श्रबँन जैसा कि सेल डीड नं० 21118/ 19-3-1982 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों श्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, भ्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, म्रमृतसर

तारीख: 13-10-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1982

सं० अमृतसर/82-83/320---ग्रतः मुझे, ग्रानंद सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०

श्रापकर अग्निनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उथत अग्निनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के ग्रभीन समय प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका छिंबत बाज्यर मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

भौर जिसकी संख्या एक जायदाद है तथा जो गली बैंक वाली किशन कोट अमृतसर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीतिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिन नियम, के अधीन कर देने के बन्तरक के कामिश्व में कमी करने या उक्ते वभने में सुविधा के लिए: शीयंथा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रथत स्विधिनयम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जला अन उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उप्धारा (1) के अधीन, निमनुतिविद्या व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री चतर सिंह मेहरा वासी गंगा बिलर्डिंग श्रमृत-सर ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवराज पुत्र नरेन दास वासी बारा मकान इस्लामाबाद प्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके श्रिधमोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिनके वादू में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है),

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसुची

1/2 मकान खसरा नं० 111 (9 मरला जो किशन कोट श्रमृतसर में है जैसा सेल डोड नं० 21469/ 15-3-82 रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी; श्रम्तसर

नारोख: 20-10-82

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . ------

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के धंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

नायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एक शेंड प्लाट नं० 4 है तथा जो भारत नगर बंटाला रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्त्रा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सा अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय मा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के! लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन निम्नजिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) महंत विशन दास चेला श्री हरनाम दास घी मंडी श्रम्तसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा महिंद्र सिंह पुत्र बिशन सिंह, चजरा जिला होशियारपुर गुरबचन सिंह पुत्र ग्रमर सिंह वासी गांव हरोपुर, डाकखाना चजरा जिला हिशियार-पुर ।

(भ्रन्तिरती)

(3) जैसा ऊपर संख्या नं 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके ग्रीधभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृक्षोंक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक मोड प्लाट नं० 4 खनरा नं० 693 जो 1430 व० ग० है जो श्रोबादा भारत नगर बटाला रोड श्रमृतसर में है जैता सेल डाड नं. 21994/22-3-1982 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रान्तद सिंह, भ्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण म्रजैन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, मृमृतसर

तार्खः: 15-10-1982

प्रकप जाई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज ध्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 2 नवम्बर 1982

सं० 322—ग्रतः मुझे ग्रानंद सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो 5 रेस कोरस रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च। में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्या-लय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22 मार्च 1982

क्यं प्वें विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् "~~ (1) सुरिंदर सिंह पुन्न श्री बर्रावदर मिंह वासी पटो महला श्रोसंग जिला फरादकोट श्रव 5 रेम कोर्स रोड, ग्रम्तसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो भोला नाथ पुष्न किणन चन्द 5 रेम कोरस रोड श्रमुतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) भौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपस्ति के ग्रजम के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् ६---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया ग्या है।

अमृस्ची

1/4 भाग इमारत 250 व० ग० जो 5 रेस कोरस रोड भ्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 21862/22-3-82 को रजिस्टाकर्ता भ्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, श्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज-3, चन्द्रप्री, ग्रम्ससर

तारीख: 2-11-82

प्ररूप. आर्घ. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 2 नवम्बर 1982

मं० प्रार्जन/323—प्राप्तः मुझे, ग्रानन्द सिंह, श्राई० ग्रार० एस०,

प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी संख्या एक जायबाद है तथा जो 5 रेस कोरम रोड श्रमृतमर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के नियं अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशानी से भिष्ठक है और भन्तरिक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरिक के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरण किखित में बास्तविक रूप मे कथित नहीं फिया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उवस अधिनियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; ब्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोनी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- 16--366GI/82

(1) श्री मूरिंदर सिंह पुत्र भी बर्राजदर सिंह वासी पटी महला सिंह, श्रौसग जिला फरीदकोट श्रब 5 रेस कोम रोड श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) भोला नाथ पुत्र किणन चन्द्र 5 रेभ कोरसं रोड श्रमुतमर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 मे कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके म्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासीप :--

- (क) इय सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थालर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघातस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगें।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के श्रव्याय 20-कं में परिभावित हैं, वही सर्घ होगा, जो उस सहयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/4 भाग इमारत 250 व० ग० जो 5 रेस कोरस रोड श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 22441/29-3-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में क्ष्री है ।

म्रानद सिंह, म्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी [सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, म्रमृतसर

ता<u>री</u>ख: 2-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतमर

श्रमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० एक्यू०/329—-श्रत: - मुझे, श्रानंद सिह, श्राई० श्रार० एस०,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या एक जायदाद है जो रानी का बाग श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियो, अर्थात् .--

- (1) जसमीन जैकसन पुती श्री ए० श्रार० श्रसंगर वामी कोरट रोड, श्रमृतसर संतोष श्रसगर खुत ए० श्रार० श्रमंगर वामी कोरट रोड श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- (2) मुरेन्द्र कुमार महगल वकील पुत्र श्री ग्यान सन्द महगल, भूषिन्द्र सहगल पत्नी एस० के० सहगल वासी 3009/734 रानी का बाग श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 मे कोई किरायेदार हो
 1. मुख्यलाल 2. रामरतन 3. सुन्दरी देवी
 4. पालीराम 5. बाबू लाल 7. ग्रमीचन्द
 8. पीतम्बर लाल

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्र**धोहस्ताक्षरी** जानना है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है)** को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकर्ण।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9/21 भाग जायदाद नं० 3009/734 जो रानी का बाग ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 22352/26-3-1982 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है ।

श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ३ चन्द्रपुरी, श्रम्तसर

तारी**ख** : 5-11-1982 मोहर :

प्रकप माई० टी० एन० एस०--

माथकर ध्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

- <mark>प्रज</mark>न- रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतभर, दिनांक 5 नवम्बर 1982

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उका ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्वए से प्रधिक है

स्रौर जिसकी मंख्या एक जायदाद है तथा जो रानी का बाग श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार बृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए।

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ा के, अनुसरण मे, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री महकल श्रसगर पुत्र श्री ए० श्रार० श्रसगर वासी कोरट रोड श्रमृतसर नजदीक ग्रेंड होटल श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सृरिन्द्र कुमार वकील पुत्र ग्यान **चन्द्र सहग**ल, भृपिन्द्र सहगल पत्नी एस० के० सहगल वासी 3009/734 रानी का बाग श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो -1 मुखलाल 2. राम रतन 3 सुरुदरी देवी

4. पाली राम 6 लेखराज 7. ग्रमी चन्द

8. पीतम्बर लाल

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह पूजन। जारो करक पूर्जा≄न सम्पत्ति के **धर्जन** के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पति क प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इय सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रविध्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वान्त व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगें।

स्वध्वोकरण: ---इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों का, जो चक्त श्रीध-नियम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उन ग्रन्थाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

9/21 भाग जायदाद नं 0.3009/734 जो रानी का बाग श्रमृतसर में है जैसा कि मेल डीड नं 0.22351/26-3-82 र्जिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

म्रानंद सिह, म्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी नहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, भ्रमृतसर

तारीख . 5-11-1982 मोहर :

प्रकप भाई • टी • एन • एस •-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैं दराबाद दिनाक 30 म्रक्तूबर, 1982

सं आर ए ए सी नं 179/82-83-अतः मुझे, एम ० जगन मोहन भायकर श्रीविनियम, 1961 (198 का 43) (जिसे इसमें भविनियम[े] कहा इसके पश्चात् 'उक्त की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राविकारी की, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रक्षिक है, भीर जिसको संख्या ग्रससमेंट नं० 10138 है, जो रामानायुड्पेट माचिलीपटनम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय माचिलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्पतिके उचित बाजार मूल्यसे कम के दृश्यमान प्रतिकन्न के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करनेका कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्त भ्रस्तरण निजित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया क्या है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त भ्रिक्षित्यम के अभ्रीत कर देने के वस्तरक क दायिश्व में अभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिय। और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या बन-कर अमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा बा या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बुधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों सुधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों सुधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों सुधीन

(1) एम० राजामाणा पिता श्री वारादाराजुलुनायङ् रामानायुडुपेट, माचिलं,पटनम् ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रो जा० नारासिह।राज्, पिता वेंकटा सुब्बया मुख्य पार्टनर, श्रा बा० वेंकाटेस्वारा एंटरप्राइसेस गोडुगुपैटा मचिल।पटानम्।

(भ्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजंन के सम्बन्ध म कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त णब्दां और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही अये होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मनसची

जमोन विस्तीर्ण 630 चतुर गज 21 वार्ड रामानयुडु-पेट, माचिलीपटनम् रजिस्ट्रीङ्कत विलेख रजिस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारा माचिलीपटनम् ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रोंज, हैंदराबाद,

तारीख: 30-10-1982

मोहर

प्रकृष धाई॰ टी॰ इन॰ इड॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज. हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 30 अक्तूबर 1982 सं० ए०सा० नं० 180/82-83--अतः मुझे, एम० जगन मोहन;

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की सारा 269-ख के अधीन संसम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि श्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार पूरुष 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिसको संख्या डि० नं० 21/50 सी० है, जो रामानायुडुपेट माचिल्भिपटनम् में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय माचिल्भिपटनम् में रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान माच

को पूर्वोक्त सम्मित के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की बई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का छिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवर्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक का से किया नहीं किया गया है !--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत उत्सत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/सा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या का या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने म सुविधा के निए;

यतः अवः उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-य की उपश्चारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्राएम० बानूप्रकाश मनर/जी० पिता श्री अबाही बालाराव रामानायुडुपेट मास्लि। ५२२म् । (अन्तरक)
- (2) श्रः जी० नारासिंहाराजु मुख्या स्रधिकारः श्रं. बुच्चः वेंकाटेस्वारा येंटर प्रैसस गोडुगुपेट, माचिलः-पटनम् ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्चन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासीप '---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की वारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिवब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित [है, बही अर्च होगा, जो उस अक्याय में दिया गया है।

नन्सूची

घर दि॰ नं० 21/50 सा० 21 वार्ड रामानायुडुपेट, माचि-लीपटनम् विस्तीर्ण 448 चतुर गज राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 824/82 राजस्ट्रीकर्त्ती ग्रिधिकारी माचिलीपटनम् ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद,

तारं।खा : 30-10-1982

प्ररूप कार्ड . की . एन . एस . ------

भागकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० ये०म्रार०र्मा० नं०08182-83---म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका संख्या जमीन/धर नं० 21/50-सी वार्ड 21 है, जो रामानाडुपेट माचिली पटनम् में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय माचिला-पटनम में भारताय रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्शरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्बेष्य से उच्त अंतरण लिचित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथितियम् के अभीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चे में सुविधा के सिद्य; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में क्विंधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री एम वरदाराजुल नायड पृत्र
 श्री वोंकटा रामाराव, रामानायडपेट, माचिलीपटनम ।

(अन्सरक)

 जा० नारासिहमराजु, पिता वेंकटासुब्बाय्या श्री पुत्रका १८८६कारा एंटरप्राइसेस गोडुगुपेट माचि-लीपटनम ।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना भारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन/धर नं० 21/50 सी० वार्ड 21 विस्तीण 601 चतुरगज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 826/82 रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी, माचिलीपटनम

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबोद

दिनांक : 30-10-1982

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

श्रायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक** आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज हैंदराबाद

हैदराबाद दिनांक 30 अक्तूबर 1982

मं० ग्रार० ये०मे । ० नं० 82/82-83 — श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० अससमेंट नं० 10138 है, जो रामानायुडु-पेट माचिलीपटनम् में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, माचिलीपटनम् मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के ग्रधान तारीख मार्च, 1982

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा केत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उन्तर अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिखित व्यक्तियों, अधीत् ध— (1) श्री एम० रामेष, पिता वारादाराजुलु नायुषु रामानायङ्गेट, माचिनीपटनम् ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रः जी० नारासिहाराजु, पिता वेकटामुब्बाय्या श्रः बुम्बी वेकाटेम्बारा एटरप्राष्टमेस, गोडुगुपेट, माचिलापटनम् ।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणं:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमान/घर नं ----वार्ड 21, ग्रमसमेट नं 10138 विस्तार्ण 600 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 828/82 रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी माचिलीपटनम् ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद,

वार्ष : 30-10-1982

प्ररूप आई. टी एन एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 30 अक्तूबर, 1982

मं० म्रार० ए०सी० न० 183/82-83---म्रत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

स्रोर जिसकी म० न० 8-3 है, जो पाट्टागीपुरम् गुठूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रांकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुठूर में रिजर्स्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

(1) श्री कोल्ला पेध नारासिरेड्डी प्रकाणनगर नारासाराव पेष्ट ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० मुराली रामानाद, पित डाक्टर वा० रामानाद सिह, ट्रनक रोड, गुठूर ।

(ग्रन्तरित।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अनुसुची

घर न० 8-3 श्रससमेट न० 2067 पुराना पाट्टाभो-पुरम गुठूर दो मजिल विस्तीर्ण 800 चतुर गज रजिस्ट्रा विलेख न० 3174/82 रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी गुटुर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैंदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख 30--10-1982

शरूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 30 भ्रक्तूबर 1982

सं० ग्रार० ए० म(० नं० 184/82-83--ग्रतः मुझे, एम. जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसका सं० श्रार० एस० नं० 50/3 जो पाटामाटा विजयावाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--17-366 GI/82

(1) श्री० वी० वेंकटा रामाफ्रिशना पिता वेंकटा-स्वाराराव पाटामाटा विजयावडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विकि रामा कोग्रापारेटिव बिल्डिंग सोसाइटी प्रसिडेट श्री० के० श्रीरामामूरती, पाटामाटा विजयावाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंतित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्दीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ग्राप्त एस० एस० नं० 50/3, रजिस्ट्राकुत विलेख नं० 1771/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विजयावाडा ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 30-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 श्रम्तूबर 1982

सं० ग्रार० ए०सी० नं० 185/82-83---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या जनीत है, जो 4 वार्ड राजामंडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रोकर्ता श्रश्रिकारी के कार्यालय राजामंडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रश्रीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में-, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पी० बाला बेंगालारेड्डी पिता भुसालाय्या रेड्डी विगराम रोड ईर्जी:पपेट, राजामर्डी । (श्रन्तरुक्त)
- (2) श्रामतः परि जाताजालक्ष्म ,पति परि चिना वेगतारेट्ड, देशायार तीधी, विगरामरोड, ईस्रीसपेट, राजामंडी ।

(भ्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्यनभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यागः
- (का) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमोन वेंकेंट देवातावारी विधि ईन्नीमपेट. वितीर्ण 369 चतुरगज 4 वार्ड (बुल्लीतोटा के पीछे) रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 2056/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी राजामंडी ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 30-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

सं० ग्रार० ए०सं:० नं० 186/82-83-श्रनः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिनका संख्या श्रार० एय० नं० 56/3 है है, जो पाटा-माटा विजयावाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूच। में स्रोर पूर्ण क्या से वर्णित है), एजिस्ट्रेंकिसी श्रधिकारी के कार्यालय, विजयगाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रेंकियण श्रधिनियम 1908 (1908 हा। 16) के श्रधान मार्च, 1982

को पूर्याकत रंपित के अचिन बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की धर्द है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण हो कि यथापूर्योक्त संपित का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यभान प्रतिकाल से, एसे दृश्यभान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिश्वात में अधिक हो और अन्तरका (शन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निन्नालिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थान छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) श्री वी० वेंकाटा रामाष्ट्रण्णा पिता वेंकटास्थारा-राव, पाटामाटा, विजयावाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामा कोग्रापारेटिव बिलडिंग सोसाइटी प्रसिडेंट श्री के० रामामूर्ती, पाटामाटा विजायावाडा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपतित के अर्जन के संबंध मे कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से -45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाना संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्त्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्परि

जमीन ग्रार० एस० नं० 56/3 विस्तीर्ण 0-73 सेंटस रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1728/82 रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी विजायावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 30-10-1982

मोहर 🐠

प्रकप् आई. टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक **8 श्रम्त्**वर 1982

संब्ह्यार० येवसाव नंव 187/82---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका संख्या डि० नं० 17/538 है, जो इंगलांग पालेम माचिलापटनम् में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, में मार्च, 1982 को भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधान मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्शब्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अंत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री वेस्री मोमय्या, पिता रामाय्या, इंगर्लाश पालेम मचिलापटनम् ।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. (1) श्री सोमा रामाब्रहमाम,
 - (2) श्री एस० राममोहन राव,
 - (3) श्री एस० प्रसाद राव,
 - (4) श्री एस० कृष्ण राव, सरकिल पेट, मचिल।पटनम्।

(भ्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताशीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्रानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपुत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमची

घर नं० 17/538 इंगलोश पालेम माचिलीपटनम् विस्तीर्ण 1077 चदुर गज एक मंजिल के साथ रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1229/82 रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो माचिलीपटनम् ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-10-1982

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैक्षराबाह

हैदराबाद दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० ए०क्रार०सी० नं०188/82-83---श्रतः मुझे, एस० जगन मोहन,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या अार एस० नं ० 55/2 है जो पाटामाटा विजायावाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय, विजायावाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मन्य से कम
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकत के पन्दह प्रतिशत से अधिक है ग्रौर
भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तकिक रूप से कथित
नहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण से दुई किया आया को बाबन, उना प्रक्रि-नियम, के सर्घीत कर वेने के अपनरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के भ्रयौजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त ग्रिष्ठिनियम को धारा 269-म के धन्-सरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सक्षीन, निम्नलिखित क्यक्तियो श्रयातः— (1) श्री वी० वेंकाटा रामकृष्णा पिता वेंकाटेस्वा राव, पाटामाटा, विजायावाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामा कोम्रापारेटिव बिलडिंग सोसाइटी प्रसिडेंट श्री के० श्रीराममूर्ति, पाटामाटा विजायावाडा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में
 हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पाम लिखिन में किए जा मर्केंग !

स्पक्कीकरण :--- इसमें प्रयुक्त सम्बोधीर पर्वोका, को जनत धितियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं सर्व होगा जो जम सम्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन श्रार० एस० नं० 55/2 विस्तीणं 1-40 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1667/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी विजायावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

नारीख: 30-10-1982

प्ररूप आई. टी एन एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ए (1) य प्रदीन सच्चन

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद विनाक 4 नवम्बर 1982

स० म्रार० ए०सी० न० 189/82-83—मृत मुझे, एम० जगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मणान किन्न नाबार मृह्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या अ१र० एस० न० 60/2 है, जी पात्नापाडु - विजायावाडा में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, विजायावाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को प्योंक्त सपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिद्यंत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण निष्ति में बास्तिबक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त भिवित्यम्, की आग 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती त्री० सरोजिनी देवी पति श्री नागाभूषाणम मोगलराजापुराम विजायावाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) दि० भ्राद्रा सिमेट कम्पनी और एमपलाईस भ्रौर इडस्ट्रीयल को श्रापरेटिव हॉर्डीसन सोसाइटी लिमिटेड जी०न० 2477 प्रासिडेंट कृष्णामूर्ति विजायाबाडा। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, क भीतर पृत्रांक्त व्याच या म सी कमी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 5 याकरस कांद्रिका मे पातापाषु पचायत विजायाबाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2481/82 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी विजायाबाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 4–11–1982 मोहर . प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 30 अक्तूबर 1982

सं० श्रार० ए०सी० नं० 190/82-83-श्रनः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मख्या श्रार० एम० नं० 55/2 है, जो पाटा-माटा विजायावाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से निणत है). रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, विजायावाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रितिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण सं धुर्ड किसी आयं की ताबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क निए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1920 के 11) या उट्टन ऑप्रोनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उक्त गीधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) वि॰ वेकाटा रामाकृष्णा पिता वेकाटेस्वानराराव, पाटामाटा विजायावाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामा कोन्रापारेटिव बिल्डिंग सोसायटी, प्रिस-केंट के० श्रीरामा मूर्ति पाटामाटा विजायावाडा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन 1 याकर 4 सेंटस ग्रार एस० नं० 55/2 पाटामाटा विजायाबाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1581/82 रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी विजायाबाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद्य

तारीख : 30-10-1932

प्रक्रम नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

· हैदराबाद दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० श्रार० ए०सी० नं० 191/82-83--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ही

श्रौर जिसकी संख्या श्रार० एस० नं० 55/2 है, जो पाटामाटा विजायावाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यान्य, विजायावाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूओं यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्पर्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्क मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) वि० वेकाटा राम।कृष्णा पिता वेंकाटेस्वाराराव, पाटामाटा विजायावाडा ।

(श्रन्तरक)

(2) रामा कोग्रापरेटिव बिल्डिंग सोमायटी प्रसिडेंट श्रीरामा मूर्ति पाटामाटा विजायावाडा । (श्रन्तरिती)

को गहसूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पट्टीकरण .--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन श्रार० एम० न० 55/2 पाटामाटा विस्तीर्ण 1 याकर 40 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1626/82 रजिस्ट्रीकृतों ग्रिधिकारी विजायावाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-10-1982

प्ररूप आर्थ: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भूर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

सं० म्रार० ए०सी० नं० 192/82-83-म्बतः भुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है, की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भ्रार० एस० नं० 55/1 55/2 है जो पाटामाटा विजायावाडा स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, विजायावाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात्:—
18—366GI/82

(1) श्री **वा**ल्लूर वेंकाटा रामाकृष्णा पिता श्री वेंका**टेस्वा**रा राव पाटामाटा, विजायावीडा ।

(जन्तरक)

(2) रामा कोश्रापारेटिव बिल्डिंग सोसायटी प्रसिडेंट के० श्रीरामामूर्ति पाटामाटा विजायावाडा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त् संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए या सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन धार० एस० नं० 55/1, 55/2 पाटामाटा, विजाया-वाडा विस्तीर्ण 1 याकर 38 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1519/82 रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी विजायावाडा ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-10-1982

मोहर ;

प्ररूप स्नाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के श्रतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 4 नवम्बर 1982

सं० ए०मी० न० 193/82-83—श्रत मुझे एम. जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने हा कारण है कि ह्यावर सम्मति, जिनहा उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रौर जिसकी सख्या 1/4 विभाग, सारास्वाती है जो टाकीज श्रौर 1/4 विभाग श्री सीताराम रैम मिल में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मुम्मीडिवाराम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च, 1982

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्नरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोकत सम्मित का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में मुखिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐपी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मिखिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त मिधिनियम, या धन-कर मिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपान में सुविधा क लिए;

्रिमतः अव, दरत अधिनियम की घारा 269-ग के भनुतरण में, में, उश्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखत व्यक्तियो सर्थात् :— (1) श्री सि० हैच्च, सीतारामाराजू, पिता सत्या-नारायण राजू भ्रामालापुरम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगाता वेकाटा रातनम पिता श्री जे० पदमा-नाभम तन्नेलका मुम्मीडीवाराम तालूख, वेस्ट गोदावरी जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिनको अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पढटोकरणः क-इममें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जी उक्त अक्षितियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं मंगें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 विभाग सरस्वती टाकीज सिनेमा थियेटर मे भ्रौर 1/4 भाग श्री सीताराम रेस मिल मे मुम्मीडिवाराम रिजर्ट्र कृत विलेख न० 622/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मुम्मीडीवाराम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद,

नारीख 4-11-1982 मोहर :

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० म्रार० ए०सी० नं० 194/82-83- श्रन . मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या 1/4 विभाग सारास्वाती है जो सिनेमा टाकीज में स्रौर 1/4 श्री सीताराम रैंस मिल में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी के कार्यालय, मुम्मीडीबाराम में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिश्वित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्त्रण से हुइ किसी जाय की बाबत सकत जीध-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसते ब्चने में सुविधा के लिये; और∕या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री मी० हेच सीतारामाराजू, पिता सत्या-नारायण राजू भ्रमालापुरम।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जागाता जानािकरामाय्या पिता श्री पदमानाभम तानेल्लानका मुम्मीडीवाराम तालूख ई० जी० जिल्ला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किश व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे**ं विया** गया हैं।

अनुसुधी

1/4 विभाग सारास्वाती टाकीज सिनेमा थियेटर में श्रौर 1/4 विभाग श्री सीतारामा रेंस मिल मुम्मीडीवाराम में रिजस्ट्रीकृत विलेख नंज 623/82 रिजस्ट्रीकृती श्रिधकारी मुम्मीडीवाराम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 4-11-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायकं बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जम रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ए०सी० नं० 195/82-83--- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या श्रार० एस० नं० 514/3 है, जो भीमावाराम में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भीमावाराम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आयं या किसी अन् या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निस्नीलीकत व्यक्तियों, सूर्यात्

- (1) श्री मोहम्मद ग्रब्धुल माजीद, पिता श्री मोहम्मद ईबराहीम साहेब, 11 वार्ड घर नं० 14-3-79, भीमावाराम, (ग्रन्तरक)
- (2) भीमारावाराम एजुकेशनल सोसायटी नं० 9-4-36 वार्ड 20 भीमावाराम , बेस्ट गोदावरी जिल्ला ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्या के राजपुत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल्ला जमीन 1 याकर 78 सेंटस भ्रार. एस० 514/3 भीमायाराम रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 815/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भीमायाराम।

> एम० जगन सोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**व**: 4-11-1982

प्ररूप आई. टी., एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, भोपाल

भांपाल, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/भोपाल/3113---अतः मुभ्ने, दोवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 99 है, तथा जो जैन कालांनी, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का

16) के अधीन, तारील 4 मार्च, 1982
में पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्टेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधास (1) के अधीन निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री श्रीमंत महाराजा माहब
 श्री लोकेन्द्र सिंह संस्थान रतलाम रतलाम म्. आम महारानी सा. प्रभाराज्य, लोकेन्द्र भवन, रतलाम,।

(अन्तरक)

 श्री जय प्रकाश पिता समीरमल जी जफरिया टी. आईं. टी. रोड, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपैत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 99, जैन कालोनी, रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोत्री बिलिंडग, जोथी मन्जिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारील : 29-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवंस्बर 1982

सं० श्राप्त० ये०सं।० नं०197/82-83--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- हैं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकः सख्या एस० नं० 153/2 है, जो दुरगापुराम विजायावाडा स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राक्ता श्रिधकारः के कार्यालय विजायावाडा में रिजस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रुधान मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समित का अचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) बी० सिवारामाक्वन प्रसाद, पिना नागाभूषणम, मोगलराजापूराम, विजायावाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा ताराका प्राभू कोग्रापारेटिय हौस विल्डिंग मोमायटी लिमिटेड, विजायाबाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत 1-66 सेंटस डुरगापुराम विजायाबाडा में रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2157/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी विजाया-वाडा ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैंदराबाद

तारी**ख** : 4-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

मं० ग्रार० ये०सी० नं० 226/82-83--ग्रत: मुझे एम० जगन मोहन,

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 23-6-8 है, जो पटनम बाजार गुठूर स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रधिकारी के कार्यालय, गंठूर में रजिस्ट्राकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मी० एच० शिवाजा, पिता वेंकाटारातनम फानसी सर्वेंट, कुमारामपाठेम वोधी, विजायावाडा। (श्रन्तरक)
- (2) श्रःमर्तः एम० ग्रिल्वेल् मंगा नायार पित श्री कोटेस्वाराराव, मीं/ग्री० श्रः हनुमान ऐपन स्टेर्स, पटनम बाजार गुठूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अन्सची

घर नं० 23-6-8 पटनम बाजार, गुंठूर 251-3 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3500/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता ब्रिधिकारी गुंठूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकांरी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निर्नक्षण) स्र्जन रेंज, हैदराबाद्द

নাरोख : 4−11−1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रामकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० आर० ये०सी० नं० 225/82-83--- प्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/क्षपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 153, 157, 158 ग्रीर 159 है, जो तैनार्ल। स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन ग्रनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तैनार्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982।

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रदेह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत चंदत ग्रिक्ष-नियम के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किमी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अविनियम की बाद्य 269-व के सनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की घाटा 269-व की उपवादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री एस० पिच्चाय्या पिता रामाय्या स्यापार घर नं० 16-2-1981 तैनाली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० श्रम्ता कुमारी पति श्री साईबाबा बीस रोड, तैनाला।

(अन्तरितोः)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवदोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भूषि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भूयें होगा,जो उस भ्रष्टगय में दिया गया है।

जनसर्ची

व त ० ग्रार० एस० 153, 157, 158, 159, ग्रादब मंजिल विस्तीर्ण 176.2 1/2 चहुर गज तैनाली में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2386/82 रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी तैनाली ।

> एम० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारांख : 4—11—1982

प्रकार चार्ड• टीं० एत**० एस॰**-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैक्साबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 नवस्बर 1982

स० म्रार० ये०सी० न० 224/82~83—-ग्रन मुझे एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से पश्चिक है

ग्रीर जिसक। स० 153, 157, 158, ग्रीर 159 है, जो भोमावाराव स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबन ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण म्य में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकार। के कार्यालय भामावाराम में रजिस्ट्राकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982।

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठानियम के स्रशीत कर देने के स्थलार के दायित्व में करने या उससे बची में सुविधा के लिए भीर/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्ते भारतीय अध्यकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः, बन, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-गर्क श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्पतिखित क्यक्तियों, श्रवीत 1—— 19—366GI/82 (1) श्राः एप० पिचन्नाटयाः (2) एम० वेशाट राज, बाग्रास्थ नान्यापेट तनाल्यः।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा के० साईबाबा (2) श्रामता के० ग्रामणा कुमार्गा बोस रोड, तैनाल ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उका मध्यति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप म्चना के राजरंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पर्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो सक्त ऑधनियम के अध्याय 20 के में परिचाषित है, बही अर्च होगा, जो उस म्रज्याय में दिया गया है।

अन्स्**ची**

घर न० 153, 157, 158, 159, बोस रोड, तैनाल, मे रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 323/82 रिजस्ट्रीकर्मा श्रिधकारी तैनाल।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (नि**रीक्षण**) श्रजन रेज, ह**ैदराबा**द

न(र)खा . 4—11—1982

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० भ्रार० ये०सी० नं० 223/82-83—श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० ग्रार० एस० नं० 515 ग्रीर 514/1 है, जो भीमावाराम स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यान्य, भीमारावाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधितः —— (1) श्री मोहम्मद घड्डुल माजीद, पिता मोहम्मद इन्नाहम साहेब, 11 वार्ड घर नं० 14-3-79, भीमावाराम।

(ग्रन्तरक)

(2) भीमावाराम ऐजूकेशनल सोसायटी नं० 9-4-36, वार्ड 20 भीमावाराम वेस्ट गोदावरी जिला, (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

खुल्ला जमीन 1 याकर 78 सेंटस म्रार० एस० 515, 514/1 भीमावाराम रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 813/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी भीमावाराम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्ररूप भाई० टी० एन• एस•----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० ग्रार० **ए**०सी० नं० 222/82-83---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० 15-65 है, जो पामारू भें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजायावाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982।

की पूर्विक्त सम्प्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:~~

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे अभने मे युविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी कियी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

ग्रन: ग्रब, उस्त प्रधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--

- (1) के० सुब्बाम्मा पति सूक्बाय्या पामारू (श्रन्तरक)
- (2) श्री बी० कृष्ण रेड्डी पिता श्री राम रेड्डी नं० 15/65 पामारू, कृष्णा जिल्ला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

बन्स्ची

रैस मिल नं० 15-65 पामार रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 401/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी विजायावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) · घ्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 नथम्बर 1982

सं० श्रार० ए०सी० नं० 221/82-83--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 66/1ए है, जो पायाकापुराम विजायाबाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजायाबाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० हरी मत्यानारायणा राव पिता पुरनाचंद्रा-राव नं० 11~40-117, पुलिपाटीवारी वीधी, विजायावाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) दी हरषा कोम्रापरेटिव बिल्डिंग सोसायटी न्नार०/वे० के हानुमाटया 11-59-23, जुम्मा मस्जिद वीधी विजायावाडा ।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन 2-02 याकर्म ग्रार० एस० नं० 66/1 ये पाया-कापुराम गांव विजायाबाडा रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2384/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी विजायावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-11-1982

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

स० श्रार० ए०सी० न० 220/82-83-श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 66/1 ए० है, जो पायाकापुराम विजायावाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय विजायावाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मों, उयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन, व्यक्तियों अर्थात:—- (1) श्री के० पूरना चन्द्राराव पिता पुष्नाय्या, नं० 11-40-117, पुलिपाटीवारी वीधी, विजायावाडा ।

(अन्तरक)

(2) दी. हरषा कांआधारांटिक बिलांडिंग सांसंटी आर/ बै. के. हाउमाय्या 11-59-23 जुभा मसजिद वीथी विजायावाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्पच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, जो उक्त जिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मनुसूची

जमीन 2-02 याकर्स भ्रार० एस० न०66/1 ए पाया-कापुराम गांव विजायाचाडा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2383/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी त्रिजायावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 4-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धु (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० ग्रार० ए०सी० न० 219/82-83—श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या श्रार० एस० नं० 66/1 ए है, जो पायाका-पुराम विजायावाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय विजायावाडा मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबसा, उक्स अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री के॰ पुन्नाराव पिता पूरनाचन्द्वाराव, 11-40-120, पुलियापाटीवारी, वीधी, वैजाग । (ग्रन्तरक)
- (2) दी हरषा कोम्रापरेटिव बिल्डिंग मोसायटी ग्रार० बी० श्री के० हनुमाय्या 11-59-23 जुम्मा मस्जिद वीधी विजायावाडा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हैं।

उनत सुम्पृतित् नो नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी संस 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनसमी

2-02 याकर्स जमीन स्नार० एस० नं० 66/1ये पायाका-पुराम विजायाबाङा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2385/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी विजायावाङा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ना**रीख** : 4--11--1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-प (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवभ्बर 1982

सं० भ्रार० ए०सी० नं० 218/82-83--- स्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या नं 66/1 ए है, जो पायाकापुराम विजायाबाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजायाबाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:---

- (1) के० हरी मत्यानारायणा पिता पूरनाचन्द्राराव. 11-10-117, पुलिपाटीवारी, वीधी, वैजाग । (ग्रन्तरक)
- (2) दी हरपा कोम्रापरेटिय बिल्डिंग सोसायटी म्रार/बी के० हनुमाय्या 11-59-23 जुम्मा मस्जिद वीधी, विजायाबाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी थे पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

याकर्स व जमीन श्रार० एस० नं० 66/1 ये पायाका-पुराम, विजायावाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2385/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी विजायावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज, हैदराबाद,

तारीख: 4--11-1982

प्ररूप भार्षे दी । एन । एस । ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नथम्बर 1982

सं० श्रार० ए०सी० नं० 217/82~83—श्रत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या ग्रार० एस० नं० 66/1 ए है जो, पायाका-पुराम विजायावाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजायावाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च, 1982।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भी फे॰ पुनाराब पिता पूरनाचन्द्र।राव. 11-10-120, पुलिपाटीबारी, वोधो, वेजाग । (ग्रन्तरक)
- (2) दी० हरपा कांम्रापरेटिश विल्डिंग सांसायटी श्रार/बी श्री के हनुमाय्या 11-59-23 जुम्मा मसजिद वीधी विजायाबाद्या ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ब 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हिंस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनसची

0-50 याकर्स जमीन स्नार० एस० नं० 66/1 ए पायाका-पुराम विजायाबाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2465/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता भ्रधिकारी विजायावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्रारूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिश)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं श्रार ए०सी० नं 216/82-83-श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन;

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कर अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ग्रार० एस० नं० 66/1 है जो पायाका पुराम विजायावाडा स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकार के कार्यालय विजायावाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकार के कार्यालय विजायावाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकार के 1908 (1908 का 16) के ग्री मार्च 1982 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूष्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विस्नितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--20-366GI/82

- (1) श्री के० पूरना चन्द्रा राव, पिता पुन्नाय्या बेजाग। (ग्रन्तरक)
- (2) दि० हरषा कोग्रापरेटिव बिल्डिंग सोसायटी म्नारं। बी० प्रासिडेंट श्री के० हानुमाय्या डी० नं० 11-59-23 जुम्मा मस्जिद रोड , विजायाबाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरि के पास निस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

0-50 सींटस जमीन पायाकापुराम विजायावाडा नं० 66/1 ये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2466/82 रजिस्ट्रीकर्ता मिक्षकारी विजायावाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ए०सी० नं० 215/82—83——श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन्⊊

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या श्रार० एस० नं० 13 है जो श्रिडिव-वाराम वैजाग स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय वैजाग में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िल्पाने में स्विधा के लिए।

अतः अत उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती डी॰ सारास्याती देवी, पति डी॰ यी॰ ए॰ एन॰ जी॰ राजू गुप्ता वीधी भीमुनिषटनम वैजाग ।

(ग्रन्तरक)

(2) किशाना रियल एस्टेट और पार्टनर शिपफर्म 11-7-14 जडजी कार्ड के पास वैजाग । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

DEED OF

कुल्ला जमीन श्रिडिविवाराम गांव वैजाग में नं० 13 विस्तीर्ण 0-76-20 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2865/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी वैजाग ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच : 4-11-1982

श्रुक्य आर'⊙ टी तु पुन तु पु**न**्नारण्यार

आयुक्तर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 4 नधम्बर 1982

सं० म्रार० ए०सी० नं० 214/82-83--म्रतः मुझे; एम० जगन मोहन

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 हर. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भ्रार० एस० नं० 13 है, जो भ्रडिवि-वाराम वैजाग स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्या-लय वैजाग में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन माच, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्प से किथात नहीं किया गया है:--

- (क) कृत्तद्वम् सं हुर्द किसी नाय की बाब्त्, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से क्वने में सुविधा के किए; बौद/वा
- (क) ऐसी किसी आगु या किसी भन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में सूब्रिंग के लिए;

अत्ः अतः, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधील, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी॰ भ्रप्पालानारसिंहा गाजापातिराजू, पिता लेट सि॰ हेच॰ ए॰ एन॰ राजू, गुप्ता बीधी, भीमुनीपटनम, वैजाग ।

(भ्रन्तरक)

(2) किशना रियल एस्टेट और पार्टनरिशप फर्म मुख्या श्रिधकारी एस० वेंकाटारामाना नं० 11-7-14, जडजी कोर्ट के पास, वेंजाग । (श्रन्तरिती)

को यह सुभना जाड़ी करके पृत्रांक्त सम्मृतित के अर्थन के हिस्ए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कुल्ला जमीन श्रिडिविवाराम गांव, वैजाग विस्तीर्ण, ए०सी०भ्रो० 0-76-20 रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी वैजाग ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हदराबाद

हैदराबाद दिनांक 4 नवस्बर 1982

सं० म्रार० ए०सी० नं० ---- म्रत: मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या ग्रार० एस० नं. 13 है जो ग्रिडिविबाराम वैजाग स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वैजाग मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाइत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; गुरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जुधीन, भिम्नुलिखितु व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी० ग्रप्पालानारासिंहा गाजापातिराज्, पिता लेट सी० एच० ऐ० एन० गुप्ता वीधी, भीमुनीपटनम, वैजाग ।

(अन्तरक)

(2) िकशना रियल एस्टेट और पार्टनरिशप फर्म मुख्या अधिकारी एस० वेंकाटारामाना, नं० 11-7-14 एजडी कोर्ट के पास, वैजाग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पृष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।।

अनुसूची

कुल्ला जमीन श्रिडिविवाराम गांब, वैजाग विस्तीण ए०सी० 0-76-20 रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2647/82 रिजस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी वैजाग्र∰।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्रारूप आई°.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हदराबाद दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं॰ ग्रार॰ ऐ॰सी॰ नं॰ 212/82-83-श्रतः मुझे एस॰ जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या श्रार० एस० नं० 13 है, जो श्रिडिविवाराम वजाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वैजाग में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908का

16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से 'अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिशतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उच्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अबं, उन्कत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उन्कत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 (1) श्रीमती डी० द्यारास्वाती पित बी०ऐ०एन०जी राज् गुप्ता वीधी, भीमुनिपटनम बैजाग ।

(भ्रन्तरक)

(2) किशना ऐस्टेट ग्रौर पार्टनरशिप फर्म मुख्य श्रिधकारी एस० वकाटारामाना 11-7-14 जडजी कोर्ट के पास वैजाग ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सामें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रसि लिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अमृसूची

कुल्ला जमीन प्रक्रिविवाराम गांव वैजाग में विस्तीण 0-76.20 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 2950/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी वैजाग।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4---11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ऐ०सी० नं० 211/82-83--- अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन मक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. मं अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या श्रार० एस० नं० 13 है, जो ग्राडिविवाराम वैजाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वैजाग में रजिस्ट्रीकरण श्रिधियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

(1) श्री डी॰ ग्रप्पालामार्रीसहा गाजापातिराजु पिता लेट श्री सी॰ एच॰ सी॰ ऐ॰ एन॰ राजु, गुप्ता बीधी, भीमुनीपटनम वैजाग ।

(श्रन्तरक)

(2) फिशना रियल ऐस्टेट और पार्टनरिशप फर्म मुख्य अधिकारी एस० वेंकाटारामाना, नं० 11-67-14, जडजी कोर्ट के पास, वैजाग । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आही करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कुल्ला जमीन श्रिडिनिवाराम गांव वैजाग विस्तीर्ण ए० सी० 0-76-20 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2553/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिकारी वैजाग ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्रस्य जाईं टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुषना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1982

सं० घार०ज ए० सी० नं० 210/82-83:---यतः मुझे; एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं०13 है, जो श्रिडिविद्याराम वैजाग स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रृनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय वैजाग को पूर्वीक्त में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम. 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण, से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ज्तः जब, सक्त जीभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त जीभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखिद्ध व्यक्तिमों, अर्थात् :---

- डी० वी० ए० एन० जी० राजू, पिता श्रष्पाला नारा-सिंहा, राजू गुप्ता वीधी, भीमुनिपटनम, वैजाग। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती क्रिशना रियल एस्टेट आर पार्टनरिशप फर्म मुख्य श्रधिकारी एस० वेंकटारामाना, 11-7-14 जडजी कार्ट के पास, वैजाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करैके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कुला जमीन ग्रिश्विवाराम गाँव वैजाग में विस्तीन 0-76-20 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख में 2383/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिष्ठकारी वैजाग।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक 4-11-1982 मोहर:

प्ररूप् बाइ . टी . एन . एस . -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं शार ए० सी० नं० 209/80-83:—यतः मुझः, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं भार एस नं 13 है, जो वैजाग में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय वैजाग में रजिस्ट्रकारण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1982

को प्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जोर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूख्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती) (अम्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ंक) अन्तरण से हुई िकसी आगुकी बाबत , उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; जौर/या
- (का) ऐसी किसी आव या फिसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हुं भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धरा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपवारा (1) के नुभीन, निस्नुनिधित स्वीक्त्यों स्वीक्टंड श्री की० वी० एस० एस० ए० एन० श्रार्० राजू, पिता वैंकटा श्रप्पाला नारासिंहा माजापानिराजु गुप्ता वीधि भीमुनिपटनम, वैजाग।

(श्रन्तरक)

2. श्री किशना रियल एस्टेट श्रीर पार्टनरिशप फर्म मुख्य श्रिधकारी एस० वेंकटारामाना, 11-7-14 जहजी कार्ट के पास, वैजाग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिदवारा;
- (व) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपुथ किसी बन्य व्यक्ति वृकारा अभोहस्ताक्षद्री के पाड़ निचित में किए या सकेंगें।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्र्यो

मुल्ला जमीन म्रडिबिवाराम गांव वैजाग में विस्तीर्ण $0-76\cdot20$ सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2555/82 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी वैजाग ।

एस० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 4-11-1982

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० भ्रार० ए० सी० न० 208/82-83:—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 13 है, जो स्राडिविवाराम वैजाग स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वैजाग में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मूल्य, उसके नृज्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है और भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधिन नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की धावत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —— 21—366G1/82

1. श्री वी० वी० एस० एस० ए० एन० **रामिलग** राजू, पिता बी० ए० एन० जी० ग्रार० गुप्ता वीधी भीमुनिपटनम वैजाग।

(भ्रन्तरक)

2. श्री किशना रियल एस्टेट श्रीर पार्टनरिशप मुख्या ग्रिधिकारी श्री० वेंकटारामाना, नं० 11-5-14, जडजी कोर्ट के पास, वैजाग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- व्यक्ति क्या क्यांक्त क्यारा, अथोहस्ताप्तरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इस्में प्रयुक्त चन्दों और वर्षों का, ओ उनक अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

अनुसूची

कुल्ला जमीन म्रिङिविवाराम गांव में वैजाग विस्तीण 0-76.20 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2554/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता म्रिधिकारी वैजाग।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० ग्रार० ए० सी० न० 207/82-83:—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 13 है जो श्रिडिववाराम वैजाग स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, वैजाग मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के श्रिधीन मार्च, 1982

प्रितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गयर प्रतिपल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्व से कनी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिप्पाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं-, मं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

 श्री डी० वी० एस० एस० ए० एन० श्रार० राजू, पिता ए० एन० जी० राजू, गुप्ता वीधी, भीमु-नीपटनम, जैजाग।

(भ्रन्तरक)

2. श्री क्रिशना रियल एस्टेट श्रीर पार्टनरिशय फर्म अधिकारी श्री वेकाटारामाना, न० 11-5-14, जहजी कोर्ट के पास, वैजाग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कांग्र्भ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सृष्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जकत न्थायर नंगीत में हिटक्ष्म किमी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधिहस्ताक्षणी के पाल जिसान में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कुल्ला जमीन म्रडिविवाराम गांव में वैजाग विस्तीर्ण 0-76.20 सेंटम रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2649/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता भ्रधिकारी वैजाग।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 4-11-1982

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 नवम्बर 1982

सं० म्रार० ए० सी० नं० 206/82-83.--यत. मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम गाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-गा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ग्रारं० एसे० न० 13 है जो श्रिष्ठिवाराम वैजाग में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकत्तां श्रीबकारी के कार्यालय, वैजाग में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभं यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री बीम डी० वी० एस० एस० ग्रप्पालानारासिंहा रामालिगाराजू, गुप्ता वीधी, भीमुनिपटनम बैजाग। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ऋिशना रियल एस्टेट और पार्टनरिशप फर्म मुख्या अधिकार एस० वेंकटारामाना, नं० 11-7-14 जडजी कोर्ट के पास. वेंजागा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विरु जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शन्दो और पदो का, ओ उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मी विदा गया है।

अनुसूची

भुल्ला जमीन श्रिडिवियाराम, विषाखापटनम में विस्तीर्ण 0-76-20 सेंटस रजिस्ट्रीकॅन विलेख नं० 2384/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी वैजाग।

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 4-11-1982

मोहर 🕄

प्रारूप आईं.टी. एन. एस. ------

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण्)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० म्रार० ए० सी० नं० 205/82-83:—यतः मुझे एम० जगन मोहन,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी नं० श्रार० एस० नं० 13 हैं जो श्रिष्ठिविवाराम बैजाग में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बैजाग में श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्म से कि शित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर विने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्री डी० वी० एस० एस० ए० नारासिंहा रामालिंगा राजू गुप्ता स्ट्रीट, भीमुनिपटनम, वेजाग। (श्रन्तरक)
- 2. श्री किशना रियल एस्टेट श्रीर पार्टनरिशप फर्म मुख्या श्रिधकारी एस० वेकटारामन, नं० 11-7-14 जडजी कोर्ट के पास, बेजाग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विख्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कुल्ला जमीन श्रिडिविवाराम, विशाखापटनम में विस्तीर्ण 0-76-20 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नंम 2385/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी वैजाग।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 4—11—1982

प्ररूप आइ . डि. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

स० ग्रार० ए० सी० नं० 204/82-83:—यत: मुझे एम० जगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 13 है जो श्रिडिविवाराम वैजाग स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, वैजाग में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908

का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री डी० वी० ए० एन० गाजापातीराजू, पिता डी० सी० हैच श्रप्पाला नारासिहाराजू, गुप्ता बीधी, भीमुनीपटनम, वैजाग।

(भ्रन्तरक)

2. श्री क्रिशना रियल एस्टेट श्रौर पार्टनरिशप फर्म मुख्या श्रिथिकारी एस, वेंकाटारामाना, नं० 11-7-14 जडजी कोर्ट के पास, वैजाग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पृथाँक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यकृ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल्ला जमीन ग्रडिविवाराम, विशाखापटनम, में विस्तीर्ण 0-76-20 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2552/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी वेजाग।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 4-11-1982

मोहर्ः

प्रकृप आर्घ .टी . एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, हैदराबाद

हैराबा, दिनाक 4 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ए० सी०न० 203/82-83:—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269 स के अभीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार गृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० ग्रार० एम० नं० 13 है, जो ग्रिडिविवाराम बैजाग स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बैजाग, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च 1982

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए तम पामा गया प्रतिफल किल निम्बितियाँ उद्यास सारा दिवा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

बतः अव, उक्त मधिनियम कौ भारा 269-ण के बन्सरण मों, मां, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निध्ननिसित व्यक्तियों. अर्थात्:——

- श्री सारास्वाती देवी पित वेंकाटाटप्पालानारासिंहा
 मानापाति राजू भीमृनिपटनम, विशाखापटनम।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती किशना रियल एस्टेट श्रौर पार्टनरिशप, फर्म, मुख्या श्रिधकारी एस० वेंकटारामाना नं० 11-7-14, जडजी कोर्ट के पास, विशाखापटनम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित को अर्थन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसरं प्रयुक्त शब्दे और पर्वे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रवस्त्री

खुल्ला जमीन श्रिडिविवाराम गांव विशाखापटनम में विस्तीर्ण 0-76-20 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2949/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी विशाखापटनम ।

> एम० जगन मोह्रत सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

भाग [[[—खण्ड 1]

प्रकृष् बाद् .टी.एन.एस्.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

जारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थानन सम्मिन, जिभवा उचित बाजार मन्त्य 25,000/- ना. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 13 है, जो ग्राडिविवाराम वैजाग में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बेजाग में रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त नंपिति का उचित वाजार मृत्य, उराके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत :---

 डी० वेंकाटाउप्पयालानारामिह। गानापति राजू भीमु-निपटनम, विशाखापलनम।

(धन्तरक)

 श्री कृशना रियल एस्टेट ग्रीर पार्टनरिशप फर्म, मुख्या ग्रिकितरी एस, वेंकटारामाना, नं० 11-7-14, जडजी कोर्ट के पास, विशाखापत्तनम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन श्रिष्ठिवाराम गांव विशाखापस्तनम में विस्तीर्ण 0-76-20 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2388/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी विशाखापत्तनम।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 4-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ए० सी० नं० 201/82-83:—यतः मुझे. एस० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 13 है जो ग्रिडिविवाराम बेजाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बेजाग में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के भ्रधीत मार्च 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भे, भी, उक्त लिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री डी० मारास्वानी देवी पति वेंकाटाप्पालानारासिह गानापति, राजू, भीमुनिपटनम, विशाखापत्तनम (अन्तरक)
- 2. श्री कृशना रियल एस्टेट ग्रीर पार्टनरणिप फर्म, मुख्याग्रधिकारी एस० वेंकाटारामाना, नं० 11-7-14, जडजी कोर्ट के पास, विशाखापत्तनम। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन घ्रडिविवाराम गांव विशाखापत्तनम में विस्तीर्ण 0-76- सेंटम रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2866/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता घ्रधिकारी विशाखापत्तनम।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

नारीख: 4-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ए० सी० नं० 200/82-83ः—यतः मुझे_∎े एम० जगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एन० टी० एस० नं० 3 है, जो माचावाराम विजायावाडा स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजायावाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्दिश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--, 2--36601/82

- 1. श्री ए० सेशी रेड्डी, (2) श्री ए० वेंकाटारेड्डी मुझानमि, तैनाली तालूख, गुंठूर जिल्ला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बीनस कोन्रापारेटिव बिल्डिंग, सोसायटी लिमिटेड विजायावाडा, 33-22-1/2 मोगलराजापुरम, विजाया-वाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कुल्ला जमीन 3-13 याकर्स माचावाराम विजायावाड़ा में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2352/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी विजयावाड़ा ।

> एम० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्चर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख: 4-11-1982**

मोहर १

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 199/82-83:—यतः मुझे एम० जगन भोहन,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एन० टी० एस० नं० 3 है, जो माचावाराम विजायाव डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजायाबाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के कित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहों किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सिषधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—

- श्री ए० सेणीरेड्डी, (2) बी० ए० बेंकाटारेड्डी मुन्नानिंग, तैनाली, तालुख, गुटूर जिल्ला। (ग्रन्तरक)
- 2. दी० वीनस कोम्रापरेटिव बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड विजायावाडा 33-22-1/2 मोगलराजापुराम, विजाया-वाडा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल्ला जमीन 3.00 याकर्स माचायाराम विजायावाड़ा में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2/87/82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी विजायावाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ए० सी० नं० 198/82-83:—यतः मुझे, एम० जगनमोहन,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27-12-63 है, जो गवरनमेंट विजायावाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजायावाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य स' कम के दृश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुन कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जनगण स हुई किसी आय को बासत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे मुचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ए० पेरिदेवी तायाराम्मा (2) श्रीमती टी० वी० सुब्धाम्मा कुमारी बीधी, सामारंगम चैक, विजय वाड़ा-1।

(श्रन्तरक)

2. श्री ए० बालारामाक्वश्ना पिता बेंकाटा नागभूषणम डाक्टर स्थामी वीधी, गांधीनगरम, विजायावाडा-3। (मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्मना के राज्यव में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

घन नं० 27-12-63 गवरनर पेठ विजायाधाडा विस्तीर्ण 560 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2283/82 रजिस्ट्री -कर्त्ता स्रधिकारी विजयावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, ब्रैदराखाट 1.

तारीख: 4-11-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टो.एन एस.-----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्ज रेंज, हैधराबाव
हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० धार० ए० सी० नं० 302/82-83:---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है जो हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूज्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक स्र्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बी० किणनासागर, मानेजिंग डायरेक्टर एम०/एस० किशना सागर श्रौर श्रसोसियेटस, सोमाजी-गृड , हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० सरस्वती पति पी० सांबसिवाराव, 8-3-966/ 24 नागरजुना नगर, हैदराबाद।

(ग्रतरिन्ती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उब्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त क्षोती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

घर प्लाट नं० 8-3-69/113 1डी पाल्लाधी भ्रापार्ट-मेंटस, दल्तालेयानगर कालोनी हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 695/82 रजिस्ट्रीकर्ता हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 4-11-1982

प्रूप माइ.ं. टी. एन. एस ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० म्नार० ए० सी० न० 303/81-83:—यतः मुझे, एम० जगन भोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो दालान्नेयानगर हैदराबाद में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्त अभि-नियम के बधीन कुट दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी कुटने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के लिए;

नतः, अवं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात--- श्री बी० कृणनासागर, मैनैजिंग डारेकटर एम०/ एस० कृणना सागर श्रीर एसोसियेशन, सोमाजी-गुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री टी० बी० कृपानादेवी पिता टी श्री निवास सन्तोपेट, श्रोंगोल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर प्लाट नं० 8-3-69/113/ग्राई डी पाल्लावी ग्रपार्टमेंटस, दत्तात्नेयानगर कालोनी हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विस्रेख नं० 694/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षीण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 304/82-83:—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो दक्तान्नेयानगर हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्क्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

 श्री बी० त्रिशनासागर, मैनेजिंग डारेकटर एम०/एस० त्रिशनासागर और श्रसोसियेटस, सोमाजी-गुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० जानाकी पति के० भास्कर, धर नं० 65/2 श्रार० टी० विजायानगर, कालोनी, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर नम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्दीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर प्लाट नं० 8-3-69/113/1 पाल्लावी श्रपार्टमेंटस वत्तान्नेयानगर कालोनी हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 693/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी केराताबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

संर्वे म्रार० ए० सी० नं० 305/82-83:--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो दात्तात्रेयानगर हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कैराताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतिगितयों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सृविधा के स्तिए; आरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

- 1. श्री कृशनासागर, एम० पी० मैसर्स कृशनासागर श्रीर एसोसियेटस, सोमाजीगुड़ा, हैवराबाद। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बी॰ वेकाटाराव, पिता श्री बी॰ रंगाराव, कांता राम, गाव, गुडिवाडा तालुख।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर्तृ सम्परित की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध भें कोई भी काक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 8-3-169/113/2 सी पाल्लावी श्रपार्टमेंटस, हैवराबाद रजिस्ट्रीकत विलेख नं० 692/82 रिकस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी कैरासाबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8~11-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - -- -

भायकर आ^{र्}धनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीय) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982 सं० ग्रार० ए० सी० नं० 306/82-83:—यतः मुझे, एम० जगनमोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है जो दत्तात्रेयानगर हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैराताबाद में राजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बम्बत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिमियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रो बो० किशनासागर, भुख्या श्रिधकारी/एम० एच किशनामागर श्रौर एमोसियेटस, सोमाजीगुडा, हैदरा-बाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी॰ सारास्वाती पित बी॰ बालारामारेड्डी सुपारिन टेंडिंग, इंजनीयर ए० पी॰ एस॰ ई० बी॰ नैल्लूर । (ध्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौत से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पछीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उच्कर अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट नं० पाल्लाबी श्रशार्टमेंट मुनिसिपल नं० 8-3-169/113 दत्तावेयानगर हैदराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 69/82 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी कैराताबाद।

> एम० अगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

मं० श्रार० ए० मी० नं० 307/82-83:--यतः मुझे, एम० जगनमोहन,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है जो दत्तावियानगर हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैराताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अत[.] अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--23--366 GI/82

- एम/एस० ऋणनासागर श्रौर एसोसियेटस, 6-3-902/5 रामभवन रोड सोमाजी गूडा हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- श्री बी० सी० एच० वी० एस० के० एच० बाबा पिता श्री० सी० एच० विस्वानादम 75 शांति निकेतन ग्रणुशक्तीनगर बाम्बे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अमुसुची

प्लाट नं० पाल्लावी श्रपार्टमेंट मुनिसिपल नं० 8-32 169/113 दत्तात्रेयानगर हैदराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 690/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी कैराताबाद।

> एम० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

स० म्रार० ए० सी० नं० 308/82-83.—यतः मुक्षे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्री जिसकी सं० जमीन हे जो श्रमीरोट हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुयूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन मार्च 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूट्य से कम के दृश्यमान प्रति-फा के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझ यह विश्याय करन का कारण है कि यथापूर्वीक्ष रम्भाति का छिचत बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से दर्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और पन्तरका अन्तरका और अन्तरिती (अन्तिगियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पत्या गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निश्वित म यास्तिक हुए म कथि। नहीं किया गया

- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क्य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनतमाँ अधीन, निम्नलिखित अधीन,

 श्री बालाराम पिता सी० रागुरामाम्या 7-1-407 अमीरमेट हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

2 एम/एस/ विजय टावर्स 7-1-70/4ि/ तेचर +पृर हास्पिटल रोड श्रमीरपेट हेदराक्षाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

कुल्ला अमीन नं० 7-1-209/5 विस्लीर्ण 511 चतुर गज श्रमीरपेट हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 1596/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज हैंदराबाद ।

तारीख 8--11-1982 मोहर प्रह्म टाइट टी एन एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 309/82-83:—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रधावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन है जो श्रमीरपेट हैवराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्णरूप से विणत है रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वेकित संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वासु करन का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल सो, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत स आधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करूने या उससे बच्चने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविभा के निए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित क्यक्तिनुयों, जुर्धात् :--- श्री एन० कोन्वडारामाय्या पिता श्रीरामृलु 54/ए संजीवारे डडीनगर हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. एम/एसम विजय टावर्स $7-1-70/\widehat{\mathfrak{sl}}/1$ नेचर क्यूर हास्पिटल रोड श्रमीरपेट हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

क्ये यह सूचभा जारी करके पृत्रोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान की तामीन से 30 दिस की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांनी हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उच्छा स्थावर सम्पत्ति में हितस्त्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कुल्ला जमीन नं० 7-1-209/5 विस्तीर्ण 511 चतुर गज भ्रमीरपेट हैदराबाद राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1597/82 राजस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारो_. सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षग) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-11-1982

प्रकाप बाइं.टी.एव.एस्. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ए० सी० नं० 310/82-83:—यतः मुझे एम० जगनमोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8-2-287/11 ए है जो बंजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्यारण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (स) एसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया एया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. एम/एस० भागयानगर स्टूडियोस रोड नं० 14 बंजाराहिल्स हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० श्रब्बास श्रली बेग श्रौर 3 3/16 णांति निकेतन नया दिल्ली-110021।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के नार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णेड ग्रीर जमीन 500 चतुर गज म्युनिसिपल नं० 8-2-287/11 ए ग्रीर सम्बे नं० 129/73 तट्टीखाना रोड नं० 14 बंजारा हिल्स हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2380/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

नारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ए० सी० नं० 311/82-83:— यतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जपीन है जो कोपाल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेडचेल में जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति अ उाचित बाजार मूल्य ग कम के स्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिचित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूविधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1 श्री डी० बुमा देवी पति डी० बी० शंकर राव (2) के० विजाया लक्ष्मी पिता के० केसावाराव हैसराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कें सीतारामराजू पिता के वेंकाटारामाराजू हैदराबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है [8]

अनुसूची

सर्वे नं० 55 जमीन विस्तीर्ण 4 याकरस 36 गुंटास कोपाल्ली गांव मेडचेल रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1991/82 रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधिकारी मेडचेल।

> एम० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकारु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० करनाल/122/81-82--श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

प्रौर जिसकी सं मकान नं एस सिं नं के VIII-479 है लिया जो रमेण नगर, करनाल में स्थित है (और इससे उपान्बद्ध प्रमुस्नी में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रिधिकारी के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारी मार्च, 1982 को पूर्वे कि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वे क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उष्यक्ष से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- श्रीमती शकुन्तला रानी विधवा श्री म्रोम प्रकाश राजेन्त्र कुमार पुत्र प्रेम प्रकाश मि० म० नं० VIII-323, इब्राह्मि मण्डी, करनाल।

(भ्रन्तरक)

म० न० $ext{VII}_{I=479}$, रमेश नगर, करनाल । (ग्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्परक्षीकरण :--इसमः प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा हैं।

अनुसुची

सम्पत्ति मकान नं० एम० सी० नं० VIII-479, रमेश नगर, करनाल में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल मे, रजिस्ट्री संख्या 6400 दिनांक 8-3-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहप्तक

तारीख: 5-11-1982

प्रकप बाइ¹. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अधीन स्च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० श्रम्बाला/77/81-82—श्रतः मुझे, श्रार० के० मयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० कोठी नं० 101 एल, माडल टाउन है तथा जो श्रम्बाला शहर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्वाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वो क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्तित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या:
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों, अर्थात् :----

 श्री मुरेन्द्र कुमार शर्भा पुत श्री एम० सी० शर्मा माडल टाउन, श्रम्बाला शहर।

(भन्तरक)

 श्रीमती वार्धा प्ररोडा पत्नी श्री रमेग कुमार ग्ररोड़ा कोठी नं० 101, एल०, माडल टाउन, श्रम्बाला गहर।

(म्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों क्स करियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत त प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी घरा व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखा। में किए जा सकेंगे।

म्बद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अम्सूची

सम्पत्ति कोठी नं० 101-एल०, माडल टाउन, श्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, श्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 6329 दिनांक 17-3-82 पर दिया है।

> श्रार० के० मयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 5-11-1982 मोहर: प्ररूप० माई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982

मं० जगाधरी/105/81-82—ग्रत मुझे, श्रार० के० मयाना,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी०-11/187 है तथा जो यमुनानगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का छिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने भिष्ठक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किलत गरी किया थया है:—

- (क्त) जन्मरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों कां, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :— श्री जगमोहन कृष्ण भल्ला पुत्र जवाहरलाल मि० यमनागर्लः, यमनानगर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी जगमीहन सिंह श्री भगत सिंह पुत्र जगमीहन सिंह गांव व डाकखाना खारवान, तहसील जगाधरी

(भ्रन्तरिती)

को पर् सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ग्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी डें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० बी०-11/187 यमुनानगर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्री संख्या 7188 दिनांक 8-3-82 पर दिया है।

> ग्राग्० के० मयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंग, रोहर्सक

नारी**ब** : 5-11-1982

प्ररूप आहर्षे. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० करनाल/123/81-82—ग्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 40 कनाल है तथा जो अजोन्द्र त० करनाल में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वेक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:—— 24—366 GI/82

 सर्वश्री जय मिह, जिला भिंह पुतान श्री णिय दयाल श्रीमित भागवती विधवा श्री णियदयाल गांव व डा० प्रजोन्द्र।

(ग्रन्तरक)

 मैं० महादेव राइस मिल्ज, ग्रगोन्द्र बजरिये श्री मोहन लाल पुत्र परशोत्तम दास गांव व डा० ग्रगोन्द्र त० करनाल।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

सम्पत्ति भूमि 40 कनाल गांव भ्रगोन्द्र में स्थित है जिसका भ्रिष्ठिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 6557 दिनांक 12-3-1982 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-11-1982

प्रक्रम आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 नवम्बर 1982

सं० बल्लभगढ़/23/82-83—-प्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० श्रौद्योगिक फैंक्टरी नं० 4 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रंप्रैल 1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ये से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्तिलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उच्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विभा के लिए;

जतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनसरण में, में, अक्त विधिनयम की धारा 259-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्षांत् :--

- (1) श्री इकबाल नाथ भण्डारी पुत्र नौबतराम नि० 9, जयपुर एस्टेट, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती बसन्त कौर पत्नी करतार सिंह, 2. श्री कुलदीप सिंह पुत्र करतार सिंह, 3. श्री करतार सिंह पुत्र लच्छा राम नि० 1 एन 128 न्यू टाउनिशिप, फरीदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बी उक्त जिथितियम के जध्याय 20 क में परिभाजित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

अनुसुची

सम्पत्ति भौद्योगिक फैक्टरी नं० 4 फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय बल्लभ-गढ़ में रजिस्ट्री संख्या 977 विनांक 26-4-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

विनोक: 2-11-1982

प्ररूप भाइ. टी. एत. एस.-----

नायकार अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन तुमना

भारत बरुकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982

निदेश सं० ग्रम्आला /88/81-82--- ग्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 16 कनाल है तथा जो गांव सिंधा-वाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तर्ग के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त जन्तरण सिवित में वास्त-

- (क) नक्तरण से हुई किसी नाव की नाव्य क्यार अधि-विवय के स्थीन कर दोने के नक्तरक के दावित्य में कमी करने ना क्यार्च वचने में मृत्यिभा के निए; नौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के किस्तु

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्मसिशित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री भाग सिंह पुत्र श्री चन्दन सिंह गांव डा० सिंघा-वाला ता० ग्रम्बाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रोशनलाल पुत्र रामजस श्रीमती जगजीत कौर पत्नी श्री इन्वर सिंह ग्रमरजीत सिंह पुत्र उन्द्र सिंह ग्रशोक कुमार पुत्र राम नारायण श्रीमती पुष्पा मित्तल पत्नी सुरेश मित्तल नि० श्रम्बाला शहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित् में फिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अमुसुची

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल सिंधावाला में स्थित है जिसका प्रिप्तक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, श्रम्बाला में, रिजस्ट्री संख्या 6261 विनाक 15-3-82 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्तं (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

प्रायकर अधिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 नवम्बर 1982

सं० ग्रम्बालां/87/81-82:----ग्रतः मुझे, ग्रार० के० भयानाः

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इतके पश्वात् 'उनत प्रधितियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उवित बाजार मूस्य 25 00)/- द० से अधिक है भीर जिसकी सं० 11 कनाल 12 मरले है तथा जी मिषावाला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय श्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख मार्च 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त ग्रन्तरण निजित में वास्तिबक रूप में कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आप का बाबत उक्त प्रिक्षित नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, था धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री चन्दन सिंह उर्फ चमन सिंह पुत्र श्री मंगल सि गाव व डा० सिधावाला त० अम्बाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जगजीत कौर पत्नी इन्द्र सिंह, श्री श्रमरजीत सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, श्री रोशन लाल पुत्र रामजस, श्रीमती पुष्पा मित्तल पत्नी सुरेश कुमार, श्री सुरेश मित्तल पुत्र वासुदेव मित्तल नि० 358 हनुमान गली, जीद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति 11 कनाल 12 मरले गांव सिंघावाला में स्थित है जिसका ग्रधिक निवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय भम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 6262 दिनांक 15-3-82 पर दिया है।

> भ्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 6-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 प्रक्तूबर 1982

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज्यए से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 7281/3 व० ग० है तथा जो सिविल हस्पताल सोनीपत के सामने स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रजैल 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कंम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक बिक कर्ए से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः— श्री राम चन्दर पुत्र श्री लधा राम म० नं० 578 मौहल्ला कलान, सोनीपत।

(ग्रन्तरक)

- 2 (1) श्रीमती सीमावन्ती पत्नी राम सरूप पुष्त ग्रर्जनदास
 - (2) श्री बिहारीलाल पुत्र राम लाल पुत्र लखीमल नि॰ म॰ नं॰ 152 एल॰ मॉडल टाउन, सोनीपत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोड्र भी नाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 को परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट $728 ext{ } 1/3 ext{ } ao ext{ } गo ext{ } सिविल ext{ } हस्पताल सोनीपत के सामने स्थित है जिसका ग्रिधक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय, सोनीपत मे, रिजस्ट्री संख्या <math>100 ext{ }$ दिया है।

ग्नार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी जसहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

नारीख: 25-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनोक 3 नवम्बर 1982

सं० बल्लभगद्/534/81-82:—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 18 बीघे 15 बिस्त्रे है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उाचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:----

- (ख) अन्तरण से हुर्इ किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीसिंख्यु व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं मयुरा इमपोर्टस एवम् एक्सपोर्टस प्रा० लि०, 201-202 दीपाली बिल्डिंग, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री भूली पुत्र भवानी, हरचन्दी पुत्र भवानी, सिया राम पुत्र हीरा लाल नि० ग्रोल्ड फरीदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 18 बीघे 15 बिस्वे फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय बस्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 15622 दिनांक 17-3-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 3-11-1982

प्ररूपु आर्षः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 2 नवम्बर 1982 निर्देश सं० सोनीपत/130/81-82----श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

धायकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ह्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि क्षे० 728 1/3 व० ग० है तथा जो सिविल हस्पताल सोनीपत के सामने में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है धौर मन्तरक (अन्तरकों) घौर घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से कुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भारतयों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के शिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अवसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 श्री राम चन्दर पुत्र लधा राम म० नं० 578 मोहल्ला कलान, सोनीपत।

(ग्रन्तरक)

 (1) श्रो कृष्ण लाल पुत्र श्री बिहारीलाल (2) श्रीमती सोमावन्ती परनी राम सरूप मार्फत I/218, श्रशोक बिहार, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समित से 30 विन की धविध, को भी प्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील कैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कैं पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

सम्पत्ति भूमि क्षे० 728 1/3 वर्गं गज सिविल हस्पताल सोनीपत के सामने स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 4854 विनांक मार्च 1982 पर दिया है।

न्नारं० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नामकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-11-1982

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 2 नवम्बर 1982

सं सोहना/149/81-82:—प्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की थारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० भूमि 28 कनाल है तथा जो घामरोज में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के विजत है) रिजस्ट्रीकर्सी ग्रधिकारी के कार्यालय सीहना,में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मुन्ती पुत्र श्री उमराव पुत्र गोकल गांव डा० घामरोज ता० सोहना।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सावित्री छाता पत्नी श्री श्रार० छाता राम नि० 114 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाव्र सम्परित में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरीं के पास लिखित् में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 28 कनाल धामरोज में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय सोहना में, रजिस्ट्री संख्या 1386 दिनांक 17-8-1982 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहसक ।

तारीच: 2-11-1982

मोहरः

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 2 नवम्बर 1982

निदेश सं० मोहना/148/81-82:—-ग्रनः मुझे ,आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि 48 कनाल है तथा जो षामरोज में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सोहना, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख मार्च, 1982

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 25—366 GI/82

 श्री जयपाल सिंह पुत्र मितरू सिंह पुत्र जसवन्त सिंह, नि० घामरोज ता० सोहना।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहन छाता राम पुत्र ग्रार० छाता राम नि० 114 सुन्दर राम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति भूमि 48 कनाल घामरोज में स्थित है जिसका अधिक विवरण, रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, सोहना में, रिजस्ट्री संख्या 1388 दिनांक 17-3-1982 पर दिया है।

> श्चार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-11-1982

मोष्ट्रांट 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

शायकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन र्जेज, रोहरूक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982

बाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० युकान का प्राधा भाग है तथा जो राजगुरू नार्केट, हिसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से बिणा है), राजस्ट्र कर्त्ता श्रधिनारी के नार्यात्म, हिपार में रिजिट्टी रूपण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रजीन, नारीख मार्च, 1982

को पूर्गीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि श्थापूर्गीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गमा प्रतिफल निम्नासित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाहत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में मृषिधा के लिये; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आराकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

 श्री राम दान पुत्र श्री नारायण दान 666 मोबाइल मार्केट, हिमान।

· (श्रन्त रक)

2 श्रा हिए सिंह पुत्र णंकर लाल पुत्र लेख राम, म० नु 705 XVIII, मीहल्या सेनियान, हिसार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

सकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों को **ई** भी आक्षोप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सैं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सम्बना की तारिक में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुस्ची

सम्पत्ति दुकान का श्राधा भाग, राजगुरू मार्केट, हिसार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकत्ती के कार्यालय, हिसार में, र्राजस्ट्री संख्या 5727 दिनांक 15-3-1982 पर दिया है।

> न्नार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तार.ख: 5-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० हिसाः /831/82-83:—-श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० दुकान का श्राधा भाग है तथा जो राजगुरू बाँजार. हिमार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकार के कार्यालय, हिमार में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य . उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री जाम दास पुत्र श्री न रायण दास 666, श्राटो मोबाइल मार्केट, हिसार।

(श्रन्तरक)

 श्रा हरि मिह पुत्र शंकर लाल मौहल्ला सातिया, हिसार।

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन को अवधि , जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त शिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस गुध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्मत्ति दुकान का स्राधा भाग, राजगुरू बाजार, हिलार में स्थित है जिनका स्रधिक विवरण रिजस्ट्रीक्ति के कार्यालय, हिसार में, रिजस्ट्रीसंख्या 5961 दिनांक 9-3-1982 पर दिया है।

> ंग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 5-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 6 नवभ्बर 1982 सं० पानीपत/210/81-82:──म्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 1 बीघा 8 बिस्थे हैं तथा जो राज-पुताना, पानीपत में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वा कि संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

 श्रा अशोक कुमार विनोद कुमार सुतील कुमार पुतान श्रा खुशाल सिंह, नि॰ सीताराम हाउस, गाता रोड, पानीपत।

(अन्तरक)

2 श्रा राम निवास पुत्र मातूराम मार्फत सर्वेटिक्स फेबिक्स, जा० टा० रोड, पान,पत।

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारीं करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 8 बिस्वे राजपूताना, पानीपत में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण राजस्द्रीकत्ती के कार्यालय पानीपत में, राजस्द्रीसंख्या 10245 दिनांक 29-3-82 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक।

तार्ख: 6-11-1982

प्रारूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक।

रोहतक, दिनांक 6 नवम्बर 1982

सं० पार्न₁पत/211/81-82:—-श्रतः मुझे ग्रार० के० भयानाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रहे से अधिक है

म्रोर जिसक। सं० भूमि 1 बीघा 8 बिस्वे है तथा जो राजपुताना पानीवत से स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची
में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्त्ता श्रिधकारी
के कार्यालय, पानापत में रिजस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के निए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंनी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रा त्रशोक कुमार पुत्र खुणाल चन्द मि० सीता राम हाउस, गीता मन्दिर रोड, पानीपन।

(भ्रन्तरक)

2. श्रां विनोद कुमार पुत्र राम निवास श्रां.मर्ताः शिक्षावती पत्न, राम निवास मार्फत में रावेटिक्स भै. श्रिक्स, जारु टारु रोड पानीपता

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावत संपत्ति मां हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह^{र्च}, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^{र्च}।

अनुसूची

सम्पति 1 बीघा 8 बिस्वे राजपुताना पानं।पत मे स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रे।कर्त्ता के कायिनिय पानं।पत में, रजिस्ट्रः संख्या 10246 दिनां के 29-3-1982 पर दिया है।

> ध्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज रोहतक

तारीख 6-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 5 नवम्बर 1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति., जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिनका सं० भूसि 4 वाघे 5 बिस्वे हैं तथा जो कृष्ण पुरा, पानीपत में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध श्रन्सूबा में ग्रीर पूर्ण का ने वर्णित है), रजिस्ट्राकृता ग्राधिक रा के सार्यालय पानीपत में रजिस्ट्र करण द्वाधिनिह्न, 1908 (1908 का 16) के ग्राधान तारीख मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्प स कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने म मृत्रिधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री अवतार कृष्ण खन्ना पुत्र राधा कृष्ण खन्ना कृष्णपुरा, गोहाना रोड, पानीयत।

(भ्रन्तरक)

2. श्रा गिरधारं। लाल शर्मा पुत्र विष्णु दत्त शर्मा पुत्र ग्राशाम सिंह श्रा ईश्वर सिंह पुत्र श्री सुरजन सिंह नि० कृष्णपुरा, गोहाना रोड, पानीपन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पाम लिक्ति मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीबे 6 बिस्वे कृष्ण पुरा पानीपत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में, रिपस्ट्री संख्या 9481 दिनांक 9-2-1980 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रोंज, रोहतक।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नाराख: 5−11−1982

मोहर र

प्ररूप आई टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 नवस्वर 1982

स० पानोपत/192/81-82 — ग्रतः मुझे ग्रार० के० भयानाः

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसको स० भूमि 26 वनाल 1 मरला है तथा जा सिवाहा मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्वः मे ग्रीर पूर्ण का से विणा है), रिजर्स्ट्राक्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पानापत मे रिजस्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अतरको) और अतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिविक म्प से किथत नहीं किया गया हैं ——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मास्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

 मर्बश्री रणधार सिंह, मुखे सिंह, पेखर सिंह, पुत्रान चरण सिंह पुत्र जुगलाल, श्रामन फलपत विधवा चरण सिंह, गांव डा० सिवाह।

(अन्तरक)

2 सर्वश्र राजेण कुमर, दिनेण कुमार पुत्रन श्रा कालु राम पुत्र परम राम म० न० 51, रिमा कालोन, पार्निपत।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगा करता हूं।

उक्त सपित्त के सम्बन्ध में कोई आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया। पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति भूमि 26 कनाल 2 मरला सिवाह में स्थित है जिसका अभिक विवरण रिजर्स्ट्र उत्ती के कार्यालय, पानीपत में, रिजम्ट्र।संख्या 9626 दिनाक 15-3-1982 पर दिया है।

श्रार० के० भयाता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहनक।

तार ख 2-11-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 6 नवम्बर 1982

मं० पार्नापत/193/81-82:—श्रतः मुझे श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

त्रीर जिमकी सं ज्लाट नं 29 क्षेत्रफल 778 व ग है तथा जो मी टाउन, पानीपन में स्थित है (श्रीर इससे उपा बढ़ अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री ति श्रिशि हारे। के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्र करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तार ख मार्च, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और म्मे यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्धयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नही किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- श्री सर्ताश कुमार पुत्र श्री चादीराम निः० मङ्गल टाउन, पान पत्।

(ग्रन्तरक)

2 श्रा ग्रविनाम जैन पुत्र नरेम चन्द्र जैन नि० 393-बी०, माडल टाउन, पानंतित।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त मम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति प्लाट नं० 29 क्षेत्र० 778 व० गज माङल टाउन, पाने पत मे स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रिजर्स्ट्रा-कर्त्ता के कार्यालय, पानीपत मे, रिजर्स्ट्रासंख्या 9987 दिनांक 22-3-1982 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक।

तारीख 6--11-1982 मोहर: प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मार्च नार्व 159 श्राप्य माडल टाउन है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्म कर्ता श्रीधारार के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्र वरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तार खा मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त मम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक मेंप में किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण मे हुई िकमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
76—366 GI/82

 श्री मनोहर लाल भर्मा पुत्र श्री अस्त्रादत्त म० नं० 260, सेक्टर 22 ए० चण्डीगढा

(ग्रम्तरक)

 श्रा अमें बार सुम्मा पुत्र श्रा गिरधारं। लाल म० नं० 17, जवाहरनगर, पानीपत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आध्ये :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं 159 आर माडल टाउन, करनाल में स्थित है जिन पा प्रधिक वित्ररण रिजस्ट्राकर्ता के कार्यालय करनाल में, रिजस्ट्री संख्या 6568 दिनांक 15-3-82 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना, सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, रोहतक।

तार्ख: 9-11-1982

मोहर ;

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं० सोनापत/132/81 82:—श्रतः मुझे ग्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका मं० दुकान नं० 17, लाजपत राय मण्डः, हैं तथा जो सोनापत में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिक री के कार्यालय, सोनापत में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ताराख मार्च, 1982

को पूर्वित सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सूविधा के लिए।

1 सर्वश्री नेमी चन्द, मौजा राम, रमेश चन्द पृक्तान श्रा जोहरा मल गाव खेवडा जि० सोनीपत ।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० जैन जा० प्रा० लि०, 12-23, राना झासी मार्ग, देहला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभात्ते पुरुत नं । 17 त नाताः य मन्हो, गुड-मन्ही, सोनीगत में स्थित है जिनाः श्रीधिक विवरण रजिस्ट्राकर्ता के कार्यालय, मोनीगत में, एजिस्ट्री-पंख्या 5074 दिनांक 15-3-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, नक्षम प्राधिकारः, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र—

तारीख: 10-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूपु आइ². टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, रोहतक

राहतक, दिनाक 10 नवम्बर 1982

सं० गुड़गावां /292/81-82:—-अतः मुझे, स्नार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक हैं

श्रीर जिनका मं० मकान नं० 155 बा० (श्राधा भाग) है तथा जो न्यू कालान गुडगावा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्र कर्ना अधि हारी के कार्यालय, गुड़गावा, में रजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख मार्च 1982

कां प्विकित सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है ६——

- (क) अन्तरण संहुई शिसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री आशी साल पुत्र श्री उत्तम चन्द्र, नि० 155 बी०, न्यू कालोनी, गुड़गावां।

(भ्रन्तरक)

2. श्रामता फूल जात कौर पत्नी स० नरेन्द्र सिंह कोहली सी०-2, चिराग इन्क्लेब, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त स्मात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस धूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में 'कए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 155 बी (स्राधा भाग) न्यू कालोनी, गुड़गावा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रांकर्ता के कार्यालय गुड़गावा में, रिजिस्ट्रां संख्या 8, दिनांक 31-3-82 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजन रेज, रोहतक।

तारोख: 10-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 10 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मुल्य 25,000/-रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 155 वा (श्राधा भाग) हि तथा जो न्यू कालोनी, गुड़गावां, में स्थित है (ब्रांग इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि हारी के कार्यालय, गडगावां, में रजिस्टीक्षरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, को पुर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री श्राणी लाल पुत्र श्री उत्तम चन्द, नि० 155 बी० न्यु कालोनी, गुङ्गावां।

(ग्रन्तरक)

 श्रामता फूलजात कौर पत्ना स० नरेन्द्र सिंह कोहर्ला नि० सी०-2, चिराग इन्क्लेब, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति मकान नं 155 बी (श्राधा भाग) न्यू कालोनी गुड़गावां में स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण, रजिस्द्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गावां में, रजिस्द्रीसंख्या 132 विनांक 16-4-1982 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायका श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, रोहतक।

নাস্ৰি: 10-11-1982

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा थारा 269-ष (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहरूक

रोहतक, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्देश मं० जगाधरः / 118/81-82.—-प्रतः मुझे, स्नार० के० भयाना,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रघीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

स्रोर जिसका सं० प्लाट ए० बा० सां० डा० ई० एफ. जा० एच० का 1/4 भाग हे तथा जी जगाधरा में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ना अधिकार के कार्यालय, जगाधरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंगरिती (अन्तरितियां) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धुनुया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुबिधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. मैं युनियन मैंटल इन्डस्ट्रीन, जगाधरी बर्जारए
 - 1. जय प्रकाभ जैन पुत्र उग्रसैन जैन
 - 2. नेम जन्द्र पुत्र जय प्रकाश
 - 3. जनिन्द्र जैन पुत्र ज्यान⊦लाल
 - 4. श्रामता शुशाला देवो पत्नो ज्यानी लाल
 - 5. श्रामता लक्ष्म। जैन पत्नी दर्शन लाल

(ग्रन्तरक)

- 1. श्रां देश राज पुत्र नानक चन्द
- 2. लेखा राज पुत्र थोगा राम नि० यमुना नगर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट का 1/4 भाग गोबिन्दपुरी जगाधरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण र्गजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीसंख्या 7493 दिनांक 22-3-1982 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकार्रा, सहायक श्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक।

नारिख: 10-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जगाधरी/119/81-82:—-अतः मुझे, ग्रार० के० भयानाः

ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाठ ए० वी० मी० डी० ई० एफ० जी० एच० का 1/4 भाग है तथा जो जगाधरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं प्रनियन मटलस इन्डस्ट्रीज, जगाधरी, बजरिये
 - 1. जय प्रकाश पुत्र उग्रसैन जैन
 - 2. नेम चन्द पुत्र जय प्रकाश
 - 3. जनिन्द्र जैन पुत्र ज्यानी लाल
 - 4. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी ज्यानी लाल
 - 5. श्रीमती लक्ष्मी जैन पत्नी दर्शन लाल नि० जगाधरी।

(भ्रन्तरक)

- 2. 1. श्री नारायण सिंह पुत्र सुखा सिंह
 - कृष्ण लाल पुत्न काल राम मि० यमुना नगर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट का 1/4 भाग गोबिन्द पुरी, जगाधरी में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण, रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय जगाधरी में, रिजस्ट्री संख्या 7494 दिनांक 22-3-82 पर विया है।

ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, रोहतक।

विनांक : 10-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायूक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 नवम्बर 1982 निर्देश सं० जगाधरी/116/81-82:—-श्रतः मझे, श्रार० के० भयाना.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1/4 भाग प्लाट नं० ए० बी० सी० डी० ई० एफ० जी० एच० है तथा जो जगाधरी में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध कारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, मार्च 1982।

को पूर्वीक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िकमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थतः :——

- मै० यनियन मैटल इन्डस्ट्रीज, जगाधरी बजरिये
 - 1. जय प्रसाद जैन पृत्र उग्र सैन जन
 - 2. नेम चन्द्र जैन पुत्र जय प्रसाद।
 - 3. जतिन्द्र कुमार जैन पुत्र ज्यानी लाल
 - 4. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी ज्यानी लाल
 - 5. लक्ष्मी जैन पत्नी दर्शन लाल जैन नि० जगाधरी (श्रन्तरक)
- श्री राजपाल श्रानन्द पुत्र श्री रघनाथ धास
 नरेन्द्र कुमार पुत्र मनोहर लाल नि० शास्त्री कालोनी, यमुनानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति प्लाट का 1/4 भाग गोबिन्दपुरी रोड, जगाधरी में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण 7494 दिनांक 22-3-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, भक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, रोहतक

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आगकर आय्क्त (निरिक्षण)
श्रर्जनक रेंज, रोहतक
रोहनक, दिनांक 10 नवम्बर 1982
निर्देश सं० जगाधरी/117/81~82.—श्रतः मुझे, श्रार० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा में अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० ए० बी० सी० डी० ई० एफ० जी० एच० का 1/4 भाग है तथा जो जगाधरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982।

मे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दश्य मे उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं० युनियन मैंटल इन्ड्रस्ट्रींग जगाधरी, बजिरये
 - 1. श्री जय प्रसाद जैन पुत्र श्री उग्रसैन जैन
 - 2. नेम चन्द जैन पुत्र श्री जय प्रसाद जैन
 - 3. जितन्द्र कुमार पुत्र ज्यानी लाल जैन
 - 4. श्रीमती सुणीला देवी पत्नी ज्यानी लाल जैन
 - 5. श्रीमती लक्ष्मी जैन पत्नी श्री दर्शन लाल

(श्रन्तरक)

- 2. मार्फत यूनियन मैटल इंन्ड्स्ट्रीज जगाधरी
 - श्री राम चन्द्र पुत्र श्री दरिफ्ता
 - कुमारी श्राणा श्रानन्द पुत्त राजपाल श्रानन्द नि० शास्त्री, कालोनी, यमुनानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- धर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा आं उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति प्लाट का 1/4 भाग गोबिन्दपुरी रोड, जगाधरी में स्थित है जिसका स्रिधिक विवरण, रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्रीसंख्या 7492 दिनांक 22-3-1982 पर दिया है।

स्राट० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक।

नारीख: 10-11-1982

मोष्ट्र 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982

निदेश सं० बी० जी० म्रार०/519/81-82:—मृत: मझे, म्रार० के० भयाना,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाव उन्त प्रधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- स्था से प्रधिक है

भौर जिसकी सिं० मकान नं० बी० नं० सी०-37 एन० एन०, भाई० एन० आई० टी० है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्निलिख्त उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए;

वतः वतः जन्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- 27-366 GI/82

 भी पवन जैन, दलीप जैन, प्रवीत जैन, पुत्र श्री टिकम चन्द जैन सी-27, तेहरू गराउन्छ, एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री धर्मदेव, श्रीमित पुष्पा रानी, श्रीमिती रिता रानी, ग्रार/ग्रो० मोहरूला सेख पेंड, खुरिया अब बी० नं० 37 एन० एच०, एन० ग्राई० टी०, फरीयाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिकित में किए या सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

सम्पिति मकान नं बी० नं सी०-37, एन० बी० 1, एन० माई० टी० फरीदाबाद में स्थित है जिसका मिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 13263 दिनांक 9-3-82 में दिया है।

ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-11-1982

महिर:

प्रक्य वार्ड .धी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

जारत सरकाट

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982 निदेण सं० भिवानी/19/81-82:—श्चन मुझे, श्चार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उद्वित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० हाउम नं० 76 है तथा जो भिवानी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भिवानी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख भार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ज़रूरक के दासित्व में कजी करने ना उससे न्यने में स्विधा के सिए; अडि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी थन या अन्य आस्तियी की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विभा के सिष्टू

 श्री जोग राम पुत्र श्री रामजीत सिंह, र/० तेल् (भिवानी)।

(भ्रन्तरक)

 श्री सतनारायण पुत्र ड्रंगर मल हाउस प्लाट नं० 76 नजदीक पुरानी जेल हांसी रोड, भिवानी। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस स्थान के राधपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति वृवारा व्योहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

सम्पत्ति मकान नं० 76 नजदीक पुरानी जेल हांसी रोड, भिवानी में स्थित है। जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय भिवानी में रजिस्ट्री संख्या 3341 दिनांक 23-3-1981 पर दिया है।

म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख: 5-11**-**1982

मोहारः 🥫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोहतक रोहतक, दिनाक 5 नवम्बर 1982 निर्देशस०बी०डी०भार०/33/81-82.—श्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० हाउस नं० 6, है तथा जो सन्त कालोनी, बहादुरगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधकारी के कार्यालय, बहादुरगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् '--

- 1 श्री सुदर्शन लाल पुत्र डा० बिहारी लाल बहाबुरगढ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री छब्बील दास पुत्र झण्डाराम 11/16-ए०, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारील स' 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 6, सन्त कालोनी, बहादुरगढ में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बहादुरगढ में रजिस्ट्री सख्या 3098 दिनाक 11-3-82 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेज, रोहतक।

तारीख ' 5—11—1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 नवस्वर 1982 निर्देश सं०फतेहाबाद/1/81~82∵──म्रतः मुझे, म्रार० के० याना

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौरं जिसकी मं० मकान नं० 104/16/2 है तथा जो बस्ती भीमा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फतेहाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री चुन्नी लाल पुत्र रावत राम पुत्र श्री मोती राम र/ग्री० गांव डा० फतेहाबाद (हिसार)। (भ्रन्तरक)

 श्री रमेश कुमार पत्नी श्री रमेश चन्द पुत्र श्री नन्द लाल पुत्र परमानन्द आर/धो गांव डा० बस्सी (भीमा) फतेहाबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख है 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे

स्पद्धीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न० 104/16/2 गाव बस्ती भीमा (फतेहाबाद) में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय फतेहाबाद में, रजिस्ट्री संख्या 3517 दिनांक 8-3-1982 पर दिया है।

न्नार० कें० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 5-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर 1982 निदेश सं०सोनीपत/133/81-82:—श्रतः मुझे,ग्रार० के० याना.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो बाहलगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमति तारावती पत्नी पोखर दास सिक्का कालोनी, सोतीयतः।

(ग्रन्तरक)

2. श्री करतार सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह श्री दर्शना देवी पत्नी श्री हरी प्रकाश म० नं० 75-एल० माडल टाउन, सोनीपत।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनसर्वी

सम्पत्ति मकान (शाप) बहालगढ़ में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 5083 दिनांक 15-3-1982 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज, रोहतक

तारीख: 5-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन.सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 नवम्बर 1982 निर्देश सं० जे० डो० श्चार०/114/82-83:—श्वतः मुझे, श्चार०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० श्राधा भाग दुकान, नं० मी०-11-69, है तथा जो जगाधरी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकार के कार्यालय, जगाधरा, में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवान, नारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिया, अर्थात् .---

- 1. श्री जिव प्रसाद पुत्र श्री रातु मल पुत्र श्री ठाकुर दास, म० नं० 326 गली लठमारान, जगाधरी। (अन्तरक)
- 2. श्रामता लिलता गुप्ता पत्ना श्री के० पी० गुप्ता पुत्र श्री मूल चन्द गुप्ता, नं० 8, सुकेड्रेन, ए० ई० मी०, 99 ए० पी० श्री०।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भ्राधा भाग दुकान नं० जे०-सो०-II-69 देवा भवन वाजार चौक, जगाधरा श्रीर जिसका पुरा विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, मे रिजस्ट्री संख्या नं० 7358 दिनांक 17-3-82 मे दिया हुआ है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 10--11-1982

प्ररूप आई. ती एन एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० जर्मान 2 कनाल 1/2 मरला है तथा जो जगाधरी में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्री हत्ती श्रिधि हार के नार्यालय, जगाधरी में स्जिस्ट्री हरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तर खु मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए चा, छिपाने में स्विधा के लिए,

 श्रः जयप्रकास पुत्न श्रः बैनः प्रशाद श्रीमितः जनक दुलारः सुपुत्न श्रः जय प्रकाश श्रः चन्द्र प्रकाशः, रिव प्रकाश सुपुत्रगण श्रः जय प्रकाश श्रःमतः सिवता पत्न श्रीः चन्द्र प्रकाश निवास जगाधरः।

(ग्रन्तर्क) 2. श्रःमतः पुष्पा देवः पत्नः प्रेम प्रकाण निवार्सः 18/

117 पटेल नगर, सहारनपुर।

(म्रन्तरिर्ताः)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आशीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स' 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति 2 कनाल 1/2 मरला स्थित जगाधरी व जिसका अन्य ब्योरा रिजस्ट्री: संख्या 7596 दिनाक 24-3-1982 रिजस्ट्रीकर्त्ता जगाधरी के कार्यालय मे दिया हुआ है। स्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, रोहनक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

नारिखा 10--11—1982 ____

प्रारूप बाइं.टी.एन्.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक।

रोहतक, दिनोक 10 नवम्बर 1982 निर्देश सं० जे० डी० श्रार 100/81-82:——अतः मुझे, श्रार०के० भयाना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन 2 कनाल 1/2 मरला है तथा जो जगाधरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीक्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शींपीयम के बधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन निम्निसिया व्यक्तियों, अवृत् — श्रीमती वर्शन देवी पत्नी बृज भूषण निवासी नुकोई जिला सहीरनपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुन्शी राम पुत्र दया राम निवासी 18/117 पटेल नगर, सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करको पुर्वोक्त सम्मृत्ति को वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीषर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध,
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरणः--इंसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्मित्त अभोन 2 कनाल 1/2 मरला जगाधरी में जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्री नं० 7559 दिनांक 24-3-1982 रिजस्ट्रीकर्त्ता जगाधरी के कार्यालय में दिया हुन्ना है।

> म्नार० के० भयाना, मक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रोंज, रोहतक।

तारीखा: 10--11-1982

प्ररूप चाईं•टी•एन•एस•-

म्रायकर धिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व(1) के ग्रेधीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाक 10 नवम्बर 1982 निदेण सं० हिसार/187/81-82'—-ग्रतः मुझे,ग्रार० के० भयाना.

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० जमीन 4 कनाल 12 मरला है तथा जो सातरोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ यह विद्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफत निम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रश्नीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क्) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्री रिसाल पुत्र भाई सुख पुत्र कुन्दन निवासी हिसार (ग्रन्तरक)
- 2. फर्म मधु कोल्ड स्टोरेज एण्ड आईस फैक्टरी, सातरोड जिला हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्णन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अमितमों में से किसी अमित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो सकत प्रविनियम के प्रव्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनत्त्र ची

सम्पत्ति जमीन 4 कनाल 12 मरला स्थित सातरोड ग्रौर जिसका ग्रन्थ अौरा रजिस्ट्री संख्या 6039 दिनांक 3173-82 रजिस्ट्रीकर्त्ता हिसार के कार्यालय में दिया हुन्ना है।

> म्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहनक।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 28 -366GI/82

तारीख :10-11-1982

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 17th November 1982

No. F. 22/83-SCA(G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays, during the year 1983:—

Name of Holiday	Date & Month	Day of the week	No. of Day
New Year Day	Ist January	Saturday	1
Republic Day	26th January	Wednesday	1
Shivratr l	11th February	Friday	1
Holi	28th & 29th	Monday &	2
	March	Tuesday	
Good Friday	1st April	Friday	1
Ramnaymi	21st April	Thursday	1
Mahavir Jayanti	25th April	Monday	1
Independence Day	15th August	Monday	1
Janmashtami	31st August	Wednesday	1
Dusschra Holidays	10th to 15th	Monday to	6
	October	Saturday	
Muharram	17th October	Monday	1
Diwafi	2nd to 4th	Wednesday to	3
	November	Friday	
Christmas Holidays	19th to 31st	Monday to	13
	December	Saturday	

BY ORDER, R. NARASIMHAN Registrar (Admn.) Supreme Court of India

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th November 1982

No. A-19021/15/82-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Diwakar Prasad, IPS (HP-1968) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 8th November, 1982.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF New Delhi, the 16th November 1982

No.O.II-52/69-Estt.—Consequent on his retirement from Govt. service on superannuation pension, Shri Raj Singh relinquished charge of the post of DIGP, CRPF, Neemuch on the afternoon of 31-10-82.

No. O.II-294/69-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Shri K. K. George, Asstt. Comdt. 53 Bn. CRPF wef. 12-9-1982.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th November 1982

No. E-16015(2)/15/82-PERS.—On transfer on deputation. Shri A. K. Saxena, IPS (Raj; 73) assumed charge of

the Post of Assistant Inspector-General, CISF HQ, New Delhi, with effect from the afternoon of 8th November, 1982.

SURENDRA NATH, Director General.

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 1st December 1982

No. 23/3/82-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 in creased by two point to reach 591 (Five hundred & ninety one), during the month of September, 1982. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of October, 1982 works out to .597 (Five hundred and ninety seven).

A. S. BHARADWAJ Director, Labour Bureau, Simla-171004.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I, KERALA

Trivandrum, the 11th November 1982

No. Estt. A/VII/9-86/Vol.II/194.—The Accountant General I, Kerala is pleased to appoint Shri T. P. Narayanan, permanent Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 9-11-1982 forenoon until further orders.

S. GOPALAKRISHNAN, Deputy Accountant General, (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 16th November 1982

No. Admn.I/8-132/82-83/328.—The Accountant General I Andhra Pradesh has been pleased to promote the following section officers in the Office of the Accountant General Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the dates noted against their names until further orders:—

Name and Date of assumption of charge

- 1. S. Seshadri.—12-11-82 (A/N).
- 2. K. Chandrasekharan Nair.—12-11-82 (A/N).

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors, if any, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A. P. High Court/Supreme Court.

B. MASON, Sr. Deputy Accountant General Administration

CUSTOMS, EXCISE & GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 18th November 1982

F. No. 7-CEG-AT/82.—Shri K. V. Kunhikrishnan, Appraiser, Madras Custom House lately working as Inspecting Officer in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi, assumed charge as Technical Officer, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in the scale of Rs. 650-1200/plus special pay of Rs. 75/- per month, in the forenoon of 17th November, 1982.

R. N. SEHGAL, Registrar,

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 16th November 1982

No. 50/G/82—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg Addl. DGOF/Member with effect from the date shown against him.—

(1) Shri G N Ramaseshan,

5th Oct, 1982

G M. (in SAG-Level-1)

No 51/G/82.—The President is pleased to appoint the

undermentioned officers as Offg. Dy GM/Jt. Director with effect from the date shown against them .—

Shri S. S. R. Krishnamoorthy, 31st Aug , 1982.
 W. M.

(2) Shri M. Madappan, W.M.

31st Aug., 1982

(3) Shii G. P Sinha, W.M.

31st Aug., 1982.

(4) Shri S. Rajasekharan, W.M(5) Shri B L Gogia, W M.

31st Aug., 1982 15th Sept, 1982

(6) Shri M. M Gupta, W M.

30th Sept, 1982.

The 19th November 1982

No 52/82 G—Shri D. D. Mishra, Offg. Manager Voluntarily retired from Service with effect from 30th September 1981 (A, N).

V. K MEHTA, Director/Estt

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay 22, the 19th November 1982

No 5/4/82-Estt —Director General, Factory Advice Service and labour institutes, Bombay is pleased to appoint Shri R D. Kumar Balabhai substantively to the post of Inspector (Λ & I F.) in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institutes with effect from 12-7-1981.

A. K. CHAKRABARTY Director General

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 13th November 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No 6/730/64-ADMN(G)/7253—Shri K C. Acharya, Controller of Imports and Exports (Non CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been reinstated in the Government service with effect from the afternoon of 28-2-1978. The orders of his dismissal from service vide notification of even number dated 17-4-1978 stand cancelled.

- 2 On attaining the age of superannuation Shri K. C. Acharya, Controller of Imports and Exports (Non-CSS) actired from Government service on the afternoon of 31st October, 1978
- 3 This is in supersession of this office Notification of even number dated 2-7-1982

V. K. MEHTA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 25th October 1982

No A-12025(1)/1/82-Admn II(A) —The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 1st Octo-

bei, 1982 and until further orders Shri M k Palaniswamy as Senior Lecturer in Textile Designs in the Indian Institute of Handloom Technology, Gauhati.

VINAY JHA Addl Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALF INDUSTRIES

New Delhi, the 5th November 1982

No A-19018(374)/79 Admn.(G) —Consequent on his appointment as Deputy Manager, on deputation basis with the Bharat Leather Corporation Ltd, Agra, Shir P. P. Puri relinquished charge of the post of Assistant Director (Gi. 1) (L/F) in Central Footwear Fraining Centre, Agra, on the afternoon of 1st September, 1982

No A 19018(609)/82 Admn (G) —The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shii I Ramamohan Rao, Small Industries Promotion Officer (Glass/Ceramics), Small Industries Service Institute, Bangalore as Assistant Director (Gr II) (Glass/Ceramics) on ad hoc basis at Small Industries Service Institute, Hubli with effect from the forenoon of 8-9-1982 until further orders

No. A 19018(627)/82 A(G)—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri S. C. Roy, Superintendent, Bi SISI, Silchar as Assistant Director Gr Π) (GAD) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 17-9 1982 until further orders.

C C. ROY Dy. Director (Admn)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th November 1982

No. 8017B/A-19012(3-RLK)/80/19B—Shri R L Kalra, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 9-8 1982 (AN).

The 5th November 1982

No. 8031B/A 19012(3-PKJ)/80-19B—D1 P K Jain, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 26 6 1982 (A N).

No. 8038B/A-32013(AO)/80/19A—Shri Jameel Ahmed, Superintendent, Geological Survey of India, is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650-30-740 35-EB-810-EB 35-880-40-1000 EB 40-1200/- on ad-how basis with effect from the forenoon of 14 6-1982 to 2 8-1982 (FN) against the leave vacancy of Shri CN. Dakshmamurty, Administrative Officer, Southern Region, Hyderabad, Geological Survey of India

The 16th November 1982

No 8264B/A-19011(4-RLG)/78-19B—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Limited, Shri R. L. Gera, Drilling Engineer (Junior) resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 26-2-1976 (A.N.).

No 8278B/A-19012(4 GK)/78-19B—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Ltd., Shri George Kurion, Driller, has resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 12-3-1976. This is issued in supersession of this office notification No 5856B/A-19012(4-GK)/78/19B, dated 5-8-1980.

No 8291B/7/77/SRS/19A — Shri Sukh Raj Shaima, iclinquished charge of the post of Assistant Cost Accounts Officer in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 2-6-82 for joining his new appointment to the post

of Cost Accounts Officer of the Central Cost Accounts Pool, posting at the Government Opium & Alkaloid Works Undertaking, Gazipur Ministry of Finance, Department of Expenditure (Civil) with

S. K. MUKHERJEE Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 10th November 1982

No. 32/3/82-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Rattan I al Kotwal, F.P.O., D.F.P., New Delhi to officiate as Extension Officer at Radio Kashmir, Srinagar with effect from 20-10-1982 (F.N.).

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & PROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 12th November 1982

No. A.19012/10/82-Est.I.—Shri C. H. Roy Audit Officer in the office of the Director of Audit. Eastern Railway, Calcutta has been appointed as Accounts Officer in the Eastern Regional Production Centre, Films Division, Calcutta for a period of two years with effect from 20th October, 1982 (FN) on deputation basis.

> S. K. ROY Asstt. Administrative Officer For Chief Producer

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 12th November 1982

No. A-19024/4/79-A.HI.—On his attaining the age of super-annuation, Shri G. N. Garg, Chief Chemist of this Directorate at Regional Agmark Labouatory, Ghaziabad, retired from Government service in the afternoon of 30-9-1982.

The 13th November 1982

No. A-19025/4/78-A.III.—The resignation tendered by Shri B. B. Singh from the post of Assistant Marketing Officer in this Directorate has been accepted w.e.f. 1-7-1981 (A.N.). $(\Lambda.N.).$

> G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 3rd November 1982

No. A.32014/5/82/14479.—The Director. Reactor Research Centre hereby appoints the undermentioned officials of this Centre as temporary Scientific Officers/Engineers Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date shown against each and until further orders :---

SI. No.	Name	Present Status	Date of appointment the post of SO(SB)
1	2	3	4
S	/Shri	1	
1. S	S. Puvanasekar	Permanent Scientific Asst. (B) and officiating Scientific Asst. (C)	1-8-82 FN
2. K	C. Sathyamoorthy	Do.	1-8-82 FN
3. J.	. Brammasııı i	Do.	1-8-82 FN

1 2	3	4
4. V,G. Kulkarni	Quasi Permanent Scientific Asst. (C)	1-8-82 FN
5. R. Krishnamurthy	Permanent Scientific Asst. (B) and officiat- ing Scientific Asst. (C)	1-8-82 FN
6. M. Mannaru	Do.	1-8-82 FN
7. T. S. Dakshinamoorthy	y Do.	1-8-82 FN
8. Smt. K. Sankari	Do.	1-8-82 FN
9. A. Thiagarajan	Quasi Permanent Scientific Asst. (B) and officiating Scientific Asst. (C)	1-8-82 FN
10. S. Krishna Iyer	Permanent Asst. Foreman and officiating Foreman	1-8-82 FN
11. K. Sivasubramanian	Permanent Scientific Asst. (B) and officiat-	1-8-82 FN
12. V. Sivasubramanian	ing Scientific Asst. (C)	1-8-82 FN
13. R. Sundara Srinivasan	20.	1-8-82 FN

S. PADMANABHAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th November 1982

No. A-32014/B/82-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely adhoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Civil Aviation Training Centre, Bamrauli, Allahabad.

S. Name No.			-	Date
S/Shri				
1, J. P. N. Pandey				4-10-82
2. M. M. Phull				4-10-82
3. S. R. Sharma	•			4-10-82
4. J. S. Bhatia	•			4-10-82
5, S. P. Singh	4			4-10-82
6. P. K. Biswas				4-10-82
7. A. K. Sinha				4-10-82
8. R. Chaubey				4-10-82
9. V. T. Patil				4-10-82
10. M. J. Motwani				5-10-82
11. R. K. Sharma	<u>*</u>			5-10-82
12. V. D. Yadav	•			6-10-82
13. David Hore	*			6-10-82
14. N. J. Framewalla	•			6-10-82
15. G. B. Godbole	•			6-10-82
16. N. R. Ghate				6-10-82
17. S. Subramanian				6-10-82
18. D. C. Mishra				10-10-82
19. X. Alloysius	•	,	•	14-10-82
				D TAIN

O. P. JAIN

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 3rd November 1982

A.38013/1/82 EA.—Shri H. D. Lal, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Delhi retired from

17869

Government services on the 30-9-82 on attaining the age of superannuation.

O. P. JAIN Assistant Director of Administration

New Delhi, the 8th November 1982

No. A. 32013/7/80-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/5/80-EC dated the 18th Oct 82 the President is pleased to appoint the undermentioned officers in the order mentioned below in the grade of Deputy Director/Controller of Communication on a regular basis w.e.f. 29-9-82 and until further orders and to post them in the same office.

S. Name No.		Station of posting
S/Shri		
1. P. S. Dhunta		. ACS, Trivandrum
2. K. Ramalingam		. ACS, Madras
3. H. V. Sudershan		ACS, Bombay
4. S. H. Khan		. ACS, Calcutta
5. K. V. Rao		. ACS, Hyderabad
6. S. R. R. Rao		. ACS, Madras
7. Risal Singh		ACS, Palam
Suresh Chandra		ACS, Calcutta
9. V. K. Verma		ACS, Bombay
10. S. K. Kakkar		. ACS, Calcutta
11. D. C. Mehta		RCDU, New Delh

The 11th November 1982

No. A. 38013/6/82-EC.—The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office w.c.f. the date indicated against each on retirement on attaining the age of superannuation:—

S. Name & Designation No.	Statio <u>n</u>	Date of retirement
S/Shri		
1. M. A. Lele, ACO	ACS, Bombay	30-9-82 (AN)
2. B. C. Datta, ACO	ACS, Calcutta	30-9-82 (AN)
3. S. N. Ganguly, ACO	ACS, Calcutta	30-9-82 (AN)
4. P. A. Mathunny, ACO	O/o Regional Director, Delhi	30-9-82 (AN)
5. M. V. Rajan, ACO	O/o Regional Director, Madras.	30-9-82 (AN)

The 16th November 1982

No. A. 12025/1/82-EC.—The President is pleased to appoint the following persons as Technical Officers w.e.f. the date of taking over charge of the post and to post them to the stations indicated against each and until further orders:—

S. No.	Name	Date of taking over charge	Stn. to which posted.
1. S	hri K. Ramakrishna	2-6-82 (FN)	Aero. Comm. Stn, Hyderabad Airport.
2. S	hri Rajesh Maheswati	i 11-6-82 (FN)	O/o Director, ROCDU, New Delhi.

No. A. 12025/1/82-EC.—The President is pleased to appoint Shri Binay Ranjan Sena as Communication Officer w.e.f. 10-9-82 (FN) in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department and to post thim in the office of the Aero. Comm. Stn. Palam, New Delhi until further orders.

PREM CHAND Assistant Director (Admn.)

New Delhi, the 11th November 1982

No. A. 32014/1fff80-E(Ins).—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuation of ad hoc appointment of Shri D. S. Dhurve, Store Assistant, to the post of Store Officer (Group 'B' post) for a further period of six months with effect from 10-4-82 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

J. C. GARG Asstt. Director of Administration

Patna, the 3rd November 1982

C. No. II(7)2-ET/82/11495.—In pursuance of this office Establishment Order Nos. 150/82 dated 19-5-82 and 231/82, dated 31-7-82, the following Office Superintendents of Central Excise and Customs (Prev.) Collectorate, Patna, promoted to officiate as Administrative Officer, Central Excise/Customs (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules have assumed charge of Administrative Officer (Group 'B'), Central Excise and Customs at the places and with effect from the dates and hours as indicated below against each:—

SI. No.	Name of Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Rameshwar Dayal	Administrative Officer, Hqrs. Office, Patna (Posting revised vide this office Estt. Order No. 220/82 dated 26-7-82	26-7-82 (F.N.)
2.	D.P. Kanu	Administrative Officer, Customs (Prev.) Division Muzaffarpur	30-8-82 (F.N.)

K. K. SRIVASTAVA
Assistant Collector (Hqrs)
For Collector Central
Excise, Patna

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th September 1982

No. 1/3/69-ECIX.—Shri M. G. Alurkar, Architect of this Department retired from Government service on attaining the age of supermunuation with effect from 30-9-82 (AN).

MRS. MEENA GARG Dy. Director of Administration

CENTRAL RAILWAY CENTRAL MANAGERS OFFICE

Bombay, the 12th November 1982

No. HPB/220/G/I/S.—Shri Girish Bhatnagar, Probationary Officer of the Indian Railway Stores Service on completion of his Probationary period is confirmed in the Junior/ Class I service of this Railway with effect from 18-11-1975,

NEW TRIBLES AND AND AND THE RESERVE TO THE TO THE PARTY OF THE PARTY O

T. N. RAMACHANDRAN General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY) NATIONAL TEST HOUSE ALIPORE

Calcutta-27, the 18th November 1982

No. G-65/S.O.—The Director General, National Test Houses Calcutta has been pleased to appoint the following Scientific

Sl. Name No.	Designation	Promoted to the post of Scientific Officers on	In the Branch Office of
1. Sri M.K. Bhattacharjee	Scientific Assistant (Non-Destructive) Calculta	φ-9-82	National Test House Madras.
2. Shri Biswanath Sarkar	Scientific Assistant (Chemical) Calcutta	6-9-82	National Test House Ghaziabad.

No. G-65/S.D.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Sri Ramesh Chandra Gandhi Scientific Assistant (Non-Destructive), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Non-Destructive) in the office of the National Test House, Bombay Branch Office, Bombay on regular basis with effect from 30-8-1982 (F/N) until further orders.

> A. BANERJEE Dy. Director (Admn.) for Director General National Test House, Calcutta

MINISTRY LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, U.P.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Juggilal Kamlapat Gas Plant Mfg. Company (Rampur) Private Limited

Kanpur, the 20th August 1982

No. 1103-LC/9461.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Juggilal Kamlapat Gas Plant Mfg. Co. the name of the Juggilal Kamlapat Gas Plant Mfg. Co. (Rampur) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

> V. P. KAPOOR Registrar of Companies, U.P., Kanpur

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, NEW DEI HI

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Primo Private Limited

No. Liqn. 5052/21163.—Whereas, M/s. Primo Private Ltd. having its registered office at 924 Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi is being wound up;

And whereas the undersigned has responsible cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up, and that (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months:

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Primo Private Limited will, unless cause is shown to the contrary, he struck off the register and the company will be dissolved.

> Sd./- ILI FGIBI F Registrar of Companies New Delhi

Assistants (Non-Destructive) and (Chemical) of National Test House, Calcutta as Scientific Officers (Non-Destructive) and (Chemical) respectively in the Branch Offices of the National Test House (mentioned below) with effect from the date mentioned against each on a regular basis until further order.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES. KERALA, M. G. ROAD, ERNAKULAM,

In the matter of Companies Act, 1956 and of Navojyothi Private Limited

Cochin-682011, the 8th November 1982

No. 2022/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Navoyyothi Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

> In the matter of Companies Act, 1956 and of Cashew Products Private Limited

Cochin-682011, the 8th November 1982

No. 2518/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Cashew Products Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

> In the matter of Companies Act, 1956 and of Leero Pharma Private Limited

Cochin-682011, the 8th November 1982

No. 2742/Liq/560(3),—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Leero Pharma Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

> In the matter of Companies Act, 1956 and of Sai Fertilisers Private Limited

Cochin-682011, the 8th November 1982

No. 2833/Liq/560(3),—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Sai Fertilisers Private I imited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

> In the matter of Companies Act. 1956 and of Perinad Industrial Bank Limited (in liquidation)

Cochin-682011, the 11th October 1982

No 863/Liq 560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

17871

that the name of (Perinad Industrial Bank Limited (in liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of St. Mary's Permanent Fund Ltd.

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 1130/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of St. Mary's Permanent Fund Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Starch India Private Limited

No. 1137/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Starch India Private Limited unless cause is

shown to the contrary, will be struck off the Register and and company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mulukutla Farms & Constructions Private Limited

Hyderabad, the 20th November 1982

No. 2127/TA-III/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mulukutla Farms & Constructions Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad

17872

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th October 1982

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl|3099,—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No

Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 9/2 situated at Manorama ganj, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Kenaklata Bhargava, W/o Shri Ranjit Bhargava, R/o Nawalkishore Niwas, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Bhandari S 'o Shri Sajjan Singh Bhandari, 61, Ada Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First & Second floor of House No. 9/2 at Manoramaganj Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE.

BHOPAL, M.P. Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3100.—Whereas, I.D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 4/2 situated at Dr. R. S. Bhandari Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
29—366 GI/82

 Dr. Narendrasingh R. Bhandari, Shri A. R. Bhandari, Smt. Roshan Kunwar Bhandari, E-3, Idya Hill, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Lal chand Bangani, 78. Bada Sarafa, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/2 at Dr. R. S. Bhandri Marg, Indore. Area-2454 sk. ft, Out House & Plot.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Buildin
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 29-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3101.-- Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 46 situated at Gopal Bagh Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 2-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shanomal S/o Shri Vedomalji, R/o 46, Gopalbagh Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Chelaram Asnani S/o Khemchandji Asnani, R/o 32/1. Berati Colony. Indoic.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 46 at Gopal Bagh Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 29-10-1982 Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Rei. No. IAC/Acqn/Mpl/3102.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

l and situated at Vill. Majhaniya

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shapapur on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devnarayan S/o Shri Laxminarayan R/o Vill. Majhniya, at present R/o Neemkheri, Shajapur.

(Transferor)

(2) Shri Jaisukhlal S/o Shri Mohan Bhai Gujarati Soni, R/o Shajapur.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Majhania-measurement-1,610 Hector.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 29-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Devnarayan S/o Shri Laxminarayan, R/o Vill Majhaniya, at present, Neomwari, Shajapur

(Transferor)

(1) Shri Rajanikant S/o Shri Mohan Bhai Gujarati, R/o Shajapur

(Transferce)

OFFIC: OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Rel No IAC/Acqn/Bpl/3103.—Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Land situated at Vill Majhaniya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shajapur on 29-3-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insigment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Vill Majhaniya-measurement-1 829 Hector

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T T Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date 29-10-1982 Seal ,

FORM LT.N.S.--

(1) Shri Devnarayan S/o Shri Laxminarayan R/o Vill. Majhniya, at present R/o Neemwari, Shajapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Ila Devi W/o Shri Rajanikanth Gujarati Soni, R/o Bhatut Mohalla, Shajanur.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3104,--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Majhaniya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shajapur on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1f of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the normalisation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Majhaniya-measurement-1.673 Hector.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotrl Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 29-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3105.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fa'r market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Vill. Majhaniya

(and more fully described in the Schoduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shajapur on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Incometer Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Devnarayan
 S/o Shri Laxminarayan
 R/o Vill. Majhniya,
 at present R/o Neemwari, Shajapur.

(Transferor)

 Smt. Chandrika Devi W/o Shri Jaisukhlal Gujarati Soni R/o Shajapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Majhaniya-measurement-1.664 Hector.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 29-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3106.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Vill. Majhaniya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shajapur on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any meome arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi Devnarayan S/o Shri Laxminarayan R/o Vill. Majhniya, at present R o Neemwati, Shajapur.

(Transferor)

12) Shi Jathan Kumar S/o Shri Jaisukhlal Minot through Shri Mohan Bhai S/o Shri Rajshi Bhai Gujarati Soni, R/o Shajapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Majhaniya-measurement-1.735 Hector.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 29-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3107.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 8, situated at Narbada Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-3-1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Km. Usha D/o Narbada Prasad Sarda-through Power of attorney Narbada Prasad S/o Kanhaiyalalji Sarda, R/o 534, Mahatma Gandhi Marg, Indore.
- (2) Shri Ramesh Prasad S/o Rampratapji Sharma, R/o 642. Sheh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Narbada Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagan, BHOPAI

Date: 29-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mar g. Indore.

(Transferoi) ati,

(2) Smt. Kanta Bai W/o Keshavji Gujarati, R/o 65, North toda, Indore.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3108 —Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 17 situated at Narbada Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—
30—366 GI|82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(1) Smt. Jyoti Bai W/o Krishnadasji Through Power of

attorney Shri Narbada Prasad Sarda S/o Shri Kanhaiyalalji Sarda, R/o 534, Mahatma Gandhi

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 at Narbada Nagar, Indore measurement-40 x 65.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 29-10-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3109.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 10 situated at Narbada Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on 30-3-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Km. Usha D/o Narbada Prasad Sharda through Power of Attorney—Narbada Prasad, S/o Kanhaiyalalji Sharda, R/o 534, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Madhvi Potare W/o Madhukar Potare, R/o Chipabakhal, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, at Narbada Nagar, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 29-10-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3110.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of open land situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 9-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Vijendrakumar S/o Sundersinghji Jain— Power of attorney Shri Hukamchand S/o Sundersinghji Jain, R/o Mohalla—Tripoliya Gate, Ratlam.

(Transferor)

(2) M/s Ankelasariya Auto Mobile Firm—through partner Smt. Neena, T., Ankelesariya Chatriwali Phul, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of open land at Mohalla Mhow-Neemuch Road, Ratlam—Area—292.35 Sqmtr., on which Petrol Pump is situated.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 29-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3111,—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 33 situated at Professors Colony, Indose, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Indore Builders Through Ratanlal— Gupta S/o Bhavarlal Gupta, R/o 1/2, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

 Smt. Sumitra Bai W/o Murlidharji Nema, R/o 18, Malganj, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 33, at Bhavar Kua Road, Professors Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gaugotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 29-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3112.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Building

No. Plot No. 17 situated at Jain Colony, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shrimant Maharaja Lokendrasingh Sanathan Ratlam Power of Attorney Prabharajiya Laxmlji, R/o Lokendra Bhavan, Ratlam

(Transferor)

(2) Shri Prakashchand S/o Gendalalji Nahar, Mohalla Ghas Bazar, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, Jain Colony, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3113.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beating

No. Plot No. 99, situated at Jain Colony, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimant Maharaja Saheb Shri Lokendra Singh Sansthan Ratlam—Power of Attorney— Prabharajiya, Lokendra Bhuvan, Ratlam. (Transferor)
- (2) Shri Jai Parkash S/o Samirmalji Jafariya T.I.T. Road, Ratlam,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 99, Jain Colony, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Shri Bhupendra Kumar S/o Narendrakumarji, R/o Shaku Marg, Madhuv Nagar, Frre Ganj, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Premnarayan S/o Khusilalji Chordiya R/o Chowk Bazar, Ujjain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3114.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House M. New No. 8A situated at Shaku Marg, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujjain on 30-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. New-8-A (Portion) Double storeyed at Shaku Marg, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 29-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Dershanlal S/o Tehalramji Arthwani, Smt. Lajwanti W/o Dershanlal Arthwani, House No. 10, Rajesh Nagar Colony, Nandlalpura, Indorc.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar S/o Udharamji Rajpal, R/o 1-B Premnagar Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3115.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 56 situated at Rajmahal Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDUIE

Plot No. 56, at Rajmahal Colony, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3116.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. Old 15 New No. 16 situated at Jawahar Marg, Street No. 6, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 6-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

(1) Shri Balkrishna S o Mahadev-alias-Madhavra Joshi R/o 176, Vrindavan Colony, Indore. Smt. Malti W/o Madhukar Lonkar, R 'o Paan Dariba, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shii Rameshchandia S/o Gendalalji Ambekai, R/o 32/5, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. Old 15, New No. 16, at Jawahar Marg, Indore Street No. 6.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-10-1982

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 30th October 1982

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/3117.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 15 (Old) New No. 16 situated at Jawahar Marg Street, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Balkrishna S/o Mahadev alias Madhavrao
 - Joshi, 176, Vrindavan Colony, Indore.
 2. Smt. Malti w/o Madhukar Lonkar, Pan Dariba, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Premchand S/o Biharilalji Katariya, R/o 17, Pandhari Nath Path Ada Bazar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Old No. 15, New No. 16, Jawahar Maig, Street No. 6, Indore,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-10-82

Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3118.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12 situated at Javeri Colony, Mani Bagh Road, Block No. 1, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Judore on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kumar S/o Shri Lalchandji Badhwani, R/o 11-A Annapurna Building, Javeri Colony, Indore.
 (Transfero)
- (2) Shri Lalchand S/o Shri Kevalramji Sachdev, R/o 12-A Annapurna Building, Javeri Colony, Manak Bagh, Indore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 12, Javeri Colony, Manuk Bagh Road, Block No. 1, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 '(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3119.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8, situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shrimant His Highness Maharaj Lokendersingh S/o Shri. Sajjansinghji—Power of Attorney—Smt. Maharani Sahiba Prabharaj Laxmi, R/o Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt Susheela Bai W/o Govindiamji Soni, R/o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Surajpol, No. 8 at Ratlam-Area-1250 Sq. ft.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date 29-10-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 30th October 1982

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/3120.—Whereas I, D. P. Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/Land Kh. No. 664/2, 664/3 situated at Shanker Nagar, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parsu S/o Shri. Kali Rawat, R/o Mouza Shanker Nagar, Raipur,

(Transferor)

(2) Geetanjali Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Tikarapara, Raipur through Chairman Chavinath Mishra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land Kh. No. 664/2, 664/3, Shanker Nagar, Raipur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal, the 30th October 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3121—Whereas I, D P Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Land Kh No 663/2, 653, 661/1 situated at Shankei Nagai Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 29 3 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

(1) Shri Parsu S/o Kali Rawat, R/o Shanker Nagai, Raipur

(Transferot)

(2) Geetanjali Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Tikarapara Raipur through Chairman Chavinath Misra

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land Kh No 633/2 653, 661/1 Shanket Nagar, Respur

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T T Nagar, Bhopal

Date 30 10-82 Se il

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl /3132 —Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Kh. No. 18, 19 situated at Village Bathena, Dhamtari (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dhamtari on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Deshrathdas S/o Kapoorchand,
 2 Indaldas S/o Kapoorchand,
 R/o Arjuni, Teh, Dhamtari.

(Transferor)

(2) 1 Smt Sada Bai W/o Shri Amarchand; (2) Rajesh Kumar S/o Amarchandd, (3) Goutamchand S/o Nathulal; (4) Shashi Kanta W/o Madanlal Jain, R/o Sadai Bazar, Dhamtaii,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 18, 19 at Vill. Bathena, Teh Dhamtari, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3123.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 / and bearing

Land Kh. No. 18/2, 19 situated at Moza Bhisa, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 31-3-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Pandit Jainarayan Dubey S/o Jagannath Prasad Dubey, Pandit Babulal Dubey S/o Jagannath Prasad Dubery, R/o Civil Lines, Sagar.

(Transferor)

(2) Gurunanak Corporation Housing Society—Secretary, Gurucharan Singh, Dayashanker, Singh Sahni, Chairman, Sadar Bazar, Sagat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh, No. 18/2, 19, Mouza Bhaisa, Sagar.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-10-82 Seal :

FORM NO. J.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1982 •

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3125.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hercinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 316 situated at Mouza Amsena

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipun on 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remains namely:— $32-366~\mathrm{GI}|82$

(1) 1. Shri Babulal S/o Bodhav,

 Shri Daulal S/o Mohan Verma, R/o Khorsi, Teh. Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shatruhan Kumai S/o Sukhiram;

 Shri Sushil Kumar S/o Asaram Satuani, R/o Amsena, Tch. Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 316, at Mouza Amsena, Teh. Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ran"
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 2-11-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3125.—Whereas I, D. P. Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kh. No. 82/2, 85/1 situated at Mouza Bareli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadarwara on 27-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Anar Bai Wd/o Daduveer Korav, R/o Madegaon Khurd, Gadarwara. (Transferor)

(2) 1. Shri Kevalsingh; (2) Pritam Singh; (3) Dilip Singh; 4. Yeshwantsingh Minor Son of Shri Daulat Singh, Surat Singh; (5) Shri Surat Singh S/o Rambagas, All R/o Vill. Jamada, Gadarwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 82/2, 85/1, Mouza Bareli.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 2-11-82 Seal :

(1) 1. Shri Sharda Prasad Tiwari; 2. Susheelkumar Tiwari, Both S/o Shri Revaprasad Tiwari, R/o 335, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Bharath S/o Umrao Patel (Lodhi) R/o Mouza Maghargha, Teh. Jabalpur. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3129.—Whereas I, D. P. Panta being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

Kb. No. 32/1, 134 situated at Mouza Selivada, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 32/1, 134, at Mouza Salivada, Teh. Jabal-pur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dato: 2-11-82

Soal

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3128.—Whereas I D. P. Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the impossible property basing a fair market value

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 90, 32, 134 situated at Mouza Sahwada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Shaida Prasad Tiwari, 2. Susheel Kumar Both R/o 335, Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Shii Munnalal S/o Vipatlal Patel (Lodhi) R/o Mouza Gundakhera, Ieh, Mandla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 32, 90, 134 at Mouza Salivada, Tch. Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 2-11-82 Seal: FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Shelendrasingh S/o Dayanand Pavat, R/o Dokerbandi.

(Transferor)

(2) Lshulal S/o Dayanand Pavar, R/o Dokerbandi, Wara Sconi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No 1AC/Acqn'Bpl 3127—Wheters I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,030/- and bearing

Kh. No. 258, 260 situated at Monza Dokerbands (and more fully described in the Schedule enneyed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Wina Seoni on 29 3-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and Kh. No. 258, 260 at Mouza Dokerbandi, Wara Seoni

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangoth Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate precedings for the acquisition of the aloresaid property by the cone of this none under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-11-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3126.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Kh. No. 85/1, situated at Mouza Dokerbandi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wara Sconi on 29-3-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Isulal S/o Dayanand Pavar, R/o Dokerbandi, Wara Sconi.

(Transferor)

(2) Smt. Mena Bai Wd/o Dharamji Pavar, R/o Dokerbandi, Wara Seoni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 85/1 Mouza Dokerbandi, R.I., Circle Balbara, Teh. Wara Seoni.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 2-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3130.—Whereas I, D. P. Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 32/1, 134 situated at Mouza Salivada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Sharda Prasad Tiwari; 2. Susheel Kumar Tiwai, Both S/o Revaprasad Tiwari, R/o 335, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Delan Singh S/o Vipatlal Patel (Lodhi) R/o Mouza Gundakhera, Mandla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 32/1, 134 Mouza Salivada, Teh. Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T, T. Nagar, Bhopal

Date: 29-9-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BEJOPAL, M. P.

Bhopal, the 30th October 1982

Ref No JAC/Acqn/Bpl/3131—Wherea, I, D. P. Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

H No. 110, Kh. No. 1211/13, 1212, 1213, 1214/1, 1230/13 situated at Shanker Nagar, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 18-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitation, the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ster Ghevarchand S/o Saidar Jain, R o Panchsheel Nagar, Raipur

(Transferor)

(2) Automobiles Co-operative Housing Society, Raipur Modhapara, Raipur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lad which is situated in May i Shanker Nagar H. No. 110 Tehsil and Disti Raipur Kh No. 1211/13, 1212, 1213, 1214/1, 1320/13. This is the immobavle property which has been described in the form No. 37-G verified by the Secretary of the transferee society.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 2-11-82

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./3132.—Whereas, 1, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. 273/3, 273/4, situated at Vill. Bayadiva

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--- 33--366 GI¹⁸²

 (1) (1) Shri Hiralal (2) Ambaram S/o Bondaji Gari
 (3) Devkaran Minor Son Bapu Gari Minor Through Guardian Mother Bhavar Bai Wd/o Bapu Gari,
 (4) Bhavat Bai Wd o Bapu Gari, R/o Shantipura, Dewas.

(Transferor)

(2) Anoopam Griha Nirman Sahakari Sanstha Dewas, through Chairman Omkumar Vyas Bank Note Press, Dewas.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and Kh. No. 273, 3, 273/4, at Vill. Bavadiya. Dewas.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-11-1982

(1) Shri Gopal S/o Boderji, R o Bhopal Chouraha, Dewas.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3133.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land No. 360 situated at Sr. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Dewas on 6-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

(2) Shii (1) Jagdish S/o Narayangeer Goswami (2) Kailashgeer S/o Champalalji Goswami (3) Smt. Sajanbai W/o Champalalji Goswami (4) Smt. Shanta Bai W/o Babugeer Goswami,

All R/o 13, Kavi Kalidas Marg, Dewas.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kasba Dewas Senior, Land S. No. 360

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-11-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3134.--Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. House 349/6 to 349/29, Kh. No. 292 situated at Plot No. 615 at Gohalpur Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabahpur on 18-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajkumari Narulla W/o Shri Chamanlal-Narulla, R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

 M/s Babu Sales Corporation, Bedi Madar Tekari, Motinala Ward, Jabalpur-Through partners, (1) Modh. Salim
 Nazeem Ahmed (3) Mubin Ahmed S/o Shri Babu Mohd Afiz, R/o Bedi Madar Tekari, Motinala Ward, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Mucl. No. 349/6 to 349/29, Kh. No. 292, (portion) Plot No. 615, at Gohalpur, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

. Date: 10-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3135.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Kh. No. Jumla 5 situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Raipur on 25-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri (1) Parsu S/o Kali (2) Keza Bai Wd/o Parsu (3) Parasram S/o Kali, R/o Shanker Nagar, Raipur Teh. Raipur.

(Transferor)

(2) Geetangali Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Tikarapara, Raipur through Chavinath Mishra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. Jumla 5, Mouza Shanker Nagar Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-11-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1982

Ret. No. IAC/Acqn/Bpl/3136.—Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4, situated at Ramsagarpara Ward, Raipun pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Ast, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Monoharlal (2) Leelaram Pisran Gangaram Uthmani, R/o Jawahar Nagar, Raipur.
 (Transferor)
- (2) Shri Omparaksh S/o Ramswaroop Agrawal, R/o Ramsagarpara, Raipur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 353/3, 353/4, 354, 355 & 386/1, Plot No. 4, at Ramsagarpara, Ward, Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 2-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOrAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3137.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 3, situated at Ramsagarpara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 5-3-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- 1. (1) Manoharlal (2) Leelaram Pisram Gangaram-Uthmani, R/o Jawahar Nagar, Raipur.
- (Transferor) 2. Shri Bansidhar S/o Bhagchand Agarwal, R /o Ramsagarpara, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 353/3, 353/4, 354, 355, 386/1, Plot No. 3, at Ramsagarpara, Raipur.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-11-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3138.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1 situated at Ramsagarpara, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Manaharlel (2) I relatam Pisran Gangaram Uthmani, R. o Jawah ii Nagar, Raipin. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Prasad S/o Raia Swaroop Agrawal, R o Ramsagarpara, Raipin (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from
- the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and Kh. No. 353, 3, 353/4, 354, 355, 386/1, Plot No. 1 at Ramsagarpara, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangottr Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 2-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3139,—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2 situated at Ramsagarpara Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) (1) Mancharlai (2) Leelaram Pisran Gangaram-Utmani. R/o Jawaher Nagar, Raipur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Rajkumar S/o Bhagchand Agrawal, R o Ramsagarpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 353/3, 353/4, 354, 355 & 386/1, Plot No. 2, at Ramsagarpara Ward, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3140.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mucl. No. 1/1597, New No. 10

situated at Purana Naga Baba ki Talai, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 1-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---34--366GI/82

- (1) Earen Cotton & Oil Mill Ltd., Registered Head Office, Mohan Sadan 6/4, Snehlata Ganj, Indore. (Transferor)
- (2) Sh. Kamruddin S/o Haji Abdulshakur, R/o stwara Bazar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mucl. No. 1/1597, Purana Naga Baba ki Talai, Ujjain, New No. 10, which is known as Virendra Bhavan.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Dr. Narendra Singh R. Bhandari, Mr. A. R. Bhandari, Mrs. Roshan Kunwar Bhandari, F-3, Idgah Hill, Bhopal

(Transferor)

(2) Dr. Prakash Chandra Bangani, 78, Bada Sarafa, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3141.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 4/2, Dr. R. S. Bhandari Marg,

situated at Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indote on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/2, Dr. R. S. Bhandari Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 2-11-82

Scal:

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3142.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Survey No. 731, 747, 735, 760, 762, 766, 768, 770, 777, 781, 790, 733, 754, 759, 761, 765, 767, 769, 775, 778, 789, 776 satuated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vidisha on 15-3-1982

_ .. =======

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Madhya Pradesh Lamps Ltd. through B. K. Taimani S/o Oandit Swaroop Kishore Taimani, Director of M.P. Lamps Ltd., R/o Bhopal.

(Transferor)

(2) Britannia Industries Ltd., Regd. Office 15, Taratola Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Britannia Industries,15, Tara Tola, Calcutta.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said yproperty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 5 days from the date of publication of this notice half of Official Gazette or a period of 30 days from th rervice of notice on the respective persons, who ever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 731, 747, 735, 760, 762, 766, 768, 770, 777, 781, 790, 733, 754, 759, 761, 765, 767, 769, 775, 778, 789, 776 at Vidisha. This is the immovable property, which has been described in Form No. 37-G verified by Shrl B. K. Taimni, Director, Madhya Pradesh Lamps, Limited, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 11-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3143.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 12, situated at

Vill: Madankhera, Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vidisha on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Madhya Pradesh Lamps Limited Bhopal— Through: B. K. Taimni S/o Pandit Swrup Kishore— Taimni, Director of M.P. Lamps Ltd., R/o Bhopal. (Transferor)
- (2) Britannia Industrics Limited, Regd. Office 15, Taratola Road, Calcutta—Through— N. Sitaram S/o V. Narayanaswami, Director & Sccretary, Britannia, Industries, Ltd., R/o Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Village Madankhera, Teh: & Distt Vidisha, Survey No. 12, Area—2.246 hectare.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 11-11-82

(1) Sh. Dropdi Bui Wd/o Late Ramdeen Gupta, R/o Manik Vilas, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Devsthan Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 3rd November 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3144.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hercinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Land situated at Vill. Mehara Pargana and Distt. Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kitha-3-Rekba 3/542 Heotare, at Vill: Mehra Pargana, Gwalior,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 3-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 31d November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3145.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plot No. 14/6, Sheet No. 17,

situated at Civil Lines, Betul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Betul on 22-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Krishnadas S/o Kanhaiyalal Bhargav Vyapari R/o Lucknow—at present Betul.

(Transferor)

(2) Dr. Sh. Dharamchand Lashkere 2. P. S. Shah Jain, R/o Betul 3. Jayant Kumar S/o Prahladdas 4. Smt. Kant W/o Vijay Kumar Khandelwal Vyapari R/o Betul.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building on Plot No. 14/6, Sheet No. 17, at Civil Lines, Betul.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-11-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIIOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 10th November 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3146,—Whereas, J, D. P PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Land Kh. No. 360 situated at Dewas on 8-3-82

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 8-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Gopal S/o Bonderji, R/o 81, A.B Road, Bhopal Chouraha, Near Bohra Building, Dewas.

(Transferor)

(2) Sharad Kumar S/o Tilakrajshiehan, R/o
Nai Aabadi Dewas, 2. Ranjitkumar S/o Tilakraj
Shiehan, R/o Nai Aabadi, Dewas, 3. Anil Kumar
S/o Satyaprakash Malhotra, Nai Aabadi Dewas
4. Smt Rajkiran W/o Tilakraj Shrehan, Nai Aabadi,
Station Road, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ase given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No 360, at Kasba Dewas-Senior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 6th November 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3147—Whereas, I, D P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing House No. 18/334 situated at

Station Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 2-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt Jassu Bai 2 Smt Pushpa Bai 3 Smt Gangotri Bai 4 Smt Savitri Bai 5 Smt Anusaya All R o Shankai Nagar, Ratlam

(Transferor)

(2) Smt Jassu Bai 2 Smt Draupadi Bai 3 Smt Bhavna All R/o Shankai Nagar, Ratlam (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Station Road, Raipui. This, according to the information furnished in Form No 37 G verified by transferees Smt Jassu Bai, Smt Diaupadi Bai and Smt Bhavana bears municipal House No 18/334 This is the immovable property, which has been described in the form No 37-G verified by the transferees

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-11-82

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Bhagwan S/o Hanuman Kumar R/o Dewas Shantipura Mill Road Dewas. (Trunsferor)

(2) M/s Dewas Land and Finance Company-130 Subhash Chowk Dewas through Partner Kandhiya-lal S/o Narayanji Soni R o Dewas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.) Bhopal, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3148,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

723/1 situated at Village Mendki Chuk Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arlsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 723/1 at Village Mendki Chuk Dewas (with Well).

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 9-11-82 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:—35-366G1/82

(1) Sh. Bhagwan S/o Hanuman Kumar Shantipura Mill Road Dewas.

(Transferor)

Dewas Land and Finance Company-130 Subhash Chowk Dewas through Partner Kanhaiyalal S/o Narayanji Soni R/o Dewas.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3149.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fexceeding Rs. 25,000/- and bearing No. fair market

723/1, situated at Village Mendki Chak Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 25-3-82

Officer at Dewas on 25-3-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHPDULF

Land Survey Number 723/1 at Village Mendki Chuk Teh. Dewas.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bhagwan s/o Hanuman Kumar R/o Dewas Shatipura Mill Road.

(Transferor)

(2) Shri M/s Dewas Land and Finance Company 130 Subhash Chowk Dewas through partner Kanhaiyalal s/o Narayanji Soni R/o Dewas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1982

Ref. No. IΛC/Acqn/Bpl/3150.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 723/1 situated at Village Mendki Chuk Tehsil Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 30-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land survey number 723/1 at village Mendki Chuk Dewas and house.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-11-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3151.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 723/1 situated at Village Mendki Chuk Tehsil Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on 17-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Yacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwan S/o Hanuman Kumar R/o Shantipura Mill Road, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Dewas Land and Finance Co. 130 Subliash Chowk Dewas through partner—kanhaiyalal S/o Narayanji Soni R/o Dewas—Madhya Pradesh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land survey number 723/1 at village Mendki Chuk Tehsil Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-11-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1982

Ret. No. [AC/Acqn/Bpl/3]52.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House number-17, New number-23 satuated at Shitalamata Bazar Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sahukai Niptara Committee Trust Firm Siremal Choradia through Nathulal S/o Kesharimal and Siremal S/o Kesharimal Choradia R/o Shitalamata Bazar Indore.
- (2) Shri Chhattamal S/o Kewaliamji R/o North Raj Mohalla Street-number-4, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l'ouse number-17 and new number-23 at Shitalamata Bazar Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, MP

Bhopal, the 9th November 1982

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/3153—Whereas I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing

No House number 17 situated at Shitalamata Bazai Indoie,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fajr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfet, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sahukar Niptara Committee Trust Firm Siremal Chordia through Nathulal S/o Kesharimal Por wal and Siremal S/o Kesharimal Chordia R/o Shitalamata Bazar Indoic
- (2) Shri Mohanlal S/o Chhattamil R/o North Raj Mohalla, Indoje

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House number-17 situated at Shitalamata Bazai Indore

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date 9-11-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1982

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/3154.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House number-17 New Number-23 situated at Shitalamata Bazar Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sahukai Niptara Committee Trust Firm Siremal Chordia through Nathulal S/o Kesharimal Porwal and Siremal S/o Kesharimal Chordia R/o Shitalamata Bazar Indore.

(Transferor)

(2) Shri Manoharlal S/o Chhattamal R/o North Raj Mohalla Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 17 New Number 23 situated at Shitala Mata Bazar Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gungotti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-11-1982

Scal:

A. Hakim S/o A. Gafoor,
 Maqbul Khan S/o Anwar Khan,
 R/o Jabalpur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamrunnisa W o Mohd, Iqbal, R/o Ibrahmpura, Bhopal,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3155.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 208 situated at Mangalwara, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 11-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Double Storied House on plot No. 208 at Mangalwara, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGF BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Λcqn/Bpl/3156.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 67, 68 situated at Ujjain Road Dewas Ranibag,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—366GI/82

(1) Shri Krishnaji Rao Pawar S o Shri Vikramsinghji Pawar, Maharaja Dewas through Power of Attorney Shri Balkrishna S/o Tukaramji Gayeke, Advocate, R/o 115, Devi Ahiliya Marg, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Shivshakthi Land & Finance Dewas Shop No. 2, Gurudwara, A.B. Road, Dewas, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land S. No. 67, 68 at Ujjain Road, Ran bach, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3157.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 114, 104, 70 situated at Ujjain Road, Dewas, Ranibagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishnajirao Pawar S/o Shri Vikramsingh Pawar, Maharaja Dewas through Power of attorney Shri Balkrishna S/o Tukaramji Gayeke, Advocate, R/o 115, Devi Ahiliva Marg. Indore.
 (Transfero)
- (2) M.s Shivshakti Land and Finance Dewas Shop No. 2, Gurudwara, A. B. Road, Dewas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural S. No. 114, 104 and 70 at Ujjain Road, Dewas, Ranibagh.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3158.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 60, 61 & 62, 63, 88 situated at Ranibag Ujjain Road, Dewas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas on 16-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishnaji Rao Pawar S/o Vikram Singhji Pawar Maharaja Dewas through Attorney Shri Balkrishna S/o Tukaramji Gaike Advocate R/o 115 Devi Ahilya Marg Indore Madhya Pradesh. (Transferoi)
- (2) M s Shiv Shakti Land and Finance Dewas Shop Number 2 Gurudwara A.B. Road, Dewas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Ranibag Ujjain Road Dewas, Survey Number 60, 61 & 62, 63, 88.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3159.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 87, 62, 89, 86, 90, 85 situated at Ranibag Ujjain Road,

Dewas,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Vikram Singh (1) Shri Krishnaji Rao Pawar S, o Pawar, Maharaja Dewas—through Attorney—Shri Balkrishna S/o Tukaji Rao Gaike, Advocate, R/o 115, Devi-Ahilya Marg, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Shiv Shakti Land & Finance Dewas Shop No. 2, Gurudwara, A.B. Road, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 87, 62, 89, 86, 90, 85 situated at Ranibag, Ujjain Road, Dewas. This is the immovable property which has been described in the Form No. 37-G verified by the partner of the transferee firm.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-11-1982

Scal:

FORM I.T.N S-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M P

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No IAC/Acq./Bpl3160.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 68 situated at Ujiam Road, Dewas, Ranibagh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at

Dewas on 16-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shu Krishnan Rao Pawar S/o Shu Vikramsinghji Pawai, Maharaja Dewas through Power of attorney Shu Balkrishna, S/o Tukaramji Gayeke Advocate, R o 115, Devi Ahiliya Muig, Indoic
- (Transferot)
 (2) M s Shiyashakthi Land & Finance Dewas,
 Shop No. 2, Gurudwara, A.B. Road, Dewas
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No 68, at Ujjain Road, Dewas, Ranibagh.

D P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building 'T. T. Nagar, Bhopal

Date · 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3161.—Whereas I, D P. FANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 114 situated at Ujjain Road, Dewas Ranibagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishnajirao Pawar S/o Shri Vikramsinghji Pawar Maharaja Dewas—through Power of attorney Shri Balkrishua S/o Tukaramji Gayeke, Advocate, R/o 115 Devi Ahiliya Marg, Indore.
- (2) M/s Shivshakti Land & Finance Dewas Shop No. 2, Gurudwara, A.B. Road, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land S. No. 114, at Ujjain Road Dewas, Ranibagh.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3162.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 58, situated at Ujjain Road Dewas Ranibagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishnajirao Pawar S/o Shri Vikramsinghji Pawar Maharaja Dewas Through Power of attorney Shri Balkrishna S/o Tukaramji Gayeke, Advocate, R o 115, Devi Ahiliya—Marg, Indore

(Transferor)

(2) M/s Shivshakti Land & Finance, Dewas Shop No. 2 Guiudwara, A.B. Road, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 58 at Ujjain Road Dewas, Ranibagh.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1982

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, MP

Bhopal, the 10th November 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3163—Whereas I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Agrl land S No 83 84, 91, 92, 93 94 situated at Ujjain Road Dewas Ranibagh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officei at Dewas on 16-3 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Krishnajirao Pawar S/o Shri Vikramsinghji Pawar Maharaja Dewis through Power of Attorney Shri Balkrishna S o Tukaramji Gayeke, Advocate R/o 115 Devi Ahiliya Maig Indoic
- (2) M s Shiv Shakti Land Finance Dewas—Shop No 2 Gutudwara, A B Road, Dewas

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land S No 83, 84 91, 92, 93, 94 at Ujjain Road, Dewas, Ranibagh

D P PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gragotri Budding
T T Nagar, Bhopal

Date 10-11-1982 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3164.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural Land S. No. 114 situated at Ujjain Road Dewas, Ranibagh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
37—366GI/82

- (1) Shri Krishnajirao Pawar S/o Shri Vikramsinghil Pawar Maharaja Dewas through Power of Attorney Shii Balkrishna S/o Tukatamji Gayeke, Advocate, R o 115, Devi Ahiliya Maig, Indoic.
- (2) M/s Shivshakti Land & Finance Dewas Shop No. 2, Guidwara, A. B. Road, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land S. No. 114, at Ujjain Road, Dewas, Ranibagh,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. I. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISTIION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3165.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land S. No. 59 situated at Ujjain Road Dewas Ranibagh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewans on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Krishnajirao Pawar S/o Shri Vikramsinghji Pawar, Maharaja Dewas Through Power of Attorney Shri Balkrishna S/o Tukaramji Gayeke, Advocate, R/o 115, Devi-Ahiliya Marg, Indore.
- (Transleror) (2) M/s. Shivshakti Land & Finance Dewas, Shop No. 2, Gurudwara, A.B. Road, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land S. No. 59, Ujjain Road-Dewas, Ranibagh,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISTIION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3166.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 138/1, situated at Mouza Sondongri, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Satyanarain S/o Shri Lakhanlal Tiwari, R/o Kankatipura, Raipur.
- (2) Shri Itwarilal alias Bachhu S/o Shri Gudlu Sahu, R/o Mouza Sondongri, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4.50 Acres Kh. No. 138/1, at Mouza Sondongri, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTIION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./3167.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land Kh. No. 138/1, situated at Mouza Sondongri, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Sutyanarain S/o Shri Lakhanlal Tiwari, R/o Kankatipura, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Sewaram S/o Shri Gudlusahu, R/o Mouza Sondongri, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 138/1 measuring 4.90 Acres—at Mouza Sondongri, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-11-1982

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3168.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Plot No. 44/1, Kh. No. 19, 25 & 26/1 situated at Phafadih, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 1-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 off 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nagji S/o Shri Ladharem Rathore, R/o Phafadih, Raipur.
- (Transferor)
 (2) Shri Yogesh Kumar S/o Shri Karsan Bhai Patel.
 C/o M/s Karan Bhai & Bros.,
 In front of Besan Mill, Phafadih, Raipur.
 (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 44/1, bearing Kh. No. 19, 25, & 26/1 situated in Phafadih, Raipur area 2680 sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISTIION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3169.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 44/1 (Portion) situated at Phafadih, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 1-3-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nagji S/o Shri Ladharam Rathore, R/o Phafadih, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Dharmendia Kumar S/o Shri Karsen Bhai Patel, C/o M/s Karan Bhai & Bros., In front of Besan Mill, Phafadih, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44/1 (Portion) Kh. No. 19, 25 & 26/1, Phafadih, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3170.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Kh. No. 123/1 situated at Deepak Colony, Mauja Titurdih, Durg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shripad Rao S/o Shri Krishnarao Thakur, R/o Tithurdih, Durg.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh S/o Shri Surjan Singh, R/o Durg, Ayapura, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 123/1 (Portion) at Deepak Colony, Mauja Titurdih, Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTIION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3171.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. Mucl. House New No. 8A, situated at Shanku Marg. Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ujjain on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

- (1) Shri Bhupendia Kumar S/o Shri Narendra Kukarji, R/o Shanku Marg, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain. (Transferor)
- (2) Shri Anokhilal S/o Shri Khusilal Chotiishiya, R/o Ujjain, Mohalla Daulatganj, Phouwara Chowk, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Double storied House Mucl. New No. 8-A at Shanku Marg, Madhavnagar, Freegani, Ujjaln.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISTION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3172.-Whereas, f, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 55-B, situated at Civil Court Shahjanabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-38—366G1/82

Smt. Farzana Akhtar w/o Shri Shaid Akhtar Hassan, R/o Karbala Rd. Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Ashmatjan W/o Mohd. Akhtar Imam Ismaili, R/o 32 M. Shahjanabad, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55 Kh. No. 44, Shahjanabad Bhopal, and House constructed Thereon.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 11-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pramod Kumar Agrawal S/o Shri Mahabeer Prasad Agrawal, R/o Raigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

(2) Shri Prataprai S/o Shri Prahlad Rai, R/o Raigarh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3173.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Nazul Plot No 230 situated at Naya Ganj, Raigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raigarh on 22-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 230 (Portion) at Naya Ganj, Raigarh.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-11-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3174.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Cinema Building, Plot Kh. No. 367/1 and Machine situated at Jaspur Nagar, Distt. Raigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaspur on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jhjumermall Jain S/o Late Babu Dhurmall Jain, R/o Jashpirnagar, Teh. Jeshpur, Raigarn (Transferor)
- (2) Shri Balmukundlol S/o Late Babu Ramsınghasanlal, Church Road, Ranchi Bihar at present R/o Jashpurnagar, Jashpur, Raigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Building in the name and style of Sanjay Talkies land bearing Kh. No. 367/1 and Cinema machine, which have been described in the form No. 37-G verified by the transferec. This is the property which has been described in the form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTIION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3175.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 22/3 situated at Shakkar Bazar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indoic on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Geeta Bai W/o Shri Komaldusji, R/o H. No. 22/3, Shakkar Bazar, Indore. (Transferot)
 - (2242277)
- (2) Shri Vijay Kumar S/o Shri Achalchandji Jain, R/o Indralok Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 22/3 at Shakkar Bazar, Indore. (Portion of First floor)

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-11-1982

17949

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2130 Acq. 23/1/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 26, 22, 23, 24—Sub Plot No. 2-FP 48, sub-plot No. 2-FPS 15 "Keshavkunj Hlat, No. 10, Near sthanakvashi Socy. Wadaj, situated at Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedahad on 15-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sumati Land Corporation, Prop: Shyamlal Ramlal, Jitendra Chambers, 1st Floor, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Prabhaben Navnitlal Shah Keshav Kuuj Flat, No. 10, Near Sthanakvasi Society, Navrangpura, Railway Crossing, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 90 sq. yd. situated at Wadaj, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide S.R. No. 3566/15-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P.R No. 2131 Acq. 23/I/82-83,—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

FP No. s. 195+196-T.P.S. 19 situated at Memnagar, A'bad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jasudben Shivchand Sanghavi, 13, Pratima Society, Memnagar Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Nanakram Varialdas Kakwani 2. Shri Varialdas Kakwani

3. Shri Suresh V. Kakwani

all at Kapce Corporation, (Foam Wala)

Three Gates, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 585.27 sq. mtr. situated at Memnagar, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide Sale-deed No. 2980/March, 82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2132 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃. 25,000/- and bearing

S. No. 1050/1, Sub Plot No. 1, situated at Vejalpur, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Shankarbhai Keshavlal Patel
 Smt. Jiviben widow of Keshavlal Patel both at Sutharvas, Village: Ambli Dist: Ahmedahad.

(Transferor)

(2) Shri Damodardas Mohanlal 23, Swetal Society, Gulbai Tokra, Ellisbridge, Ahmedabad-380006.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2666 sq. yd.—situated at village Vejalpur—Dist; Ahmedabad—duly registered by S.R. Ahmedabad vide saledeed No. 3144 & 3143/4-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2133 Acq. 23/I/82-83.--Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 116, Kalupur Ward-3, situated at Ratanpole, Sheth's Pole, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 11-3-82

TO CANADA TO for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shantilal Bhudharbhai C/o Mahasukhlal Shantilal, Ratanpole, Hathikhana, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ali Sakur Shaikh Jamalpur, Khandni Sheri, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 108 sq. yd. situated at Ratanpole. Sheth's Pole, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 3354/11-3-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2134 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Building

T.P.S. 3, F.P. 255—S.P. No. 3 situated at Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—366 GI/82

 Shri Anubhai Ramanlal Gajjar & Others, Near Mithakhali Railway Crossing, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Jivandas Kavaldas & Others, "Indra Bhavan", Naroda, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 128-16 sq. yd.—situated at Ellisbridge, A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide sale deed No. 3404/11-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2135 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP No. 187/2, pa'ki T.P.S. 3 situated at Office No. 1, 1st floor, National Chambers, Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-3-1982

for an applaent consideration

which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nima Trading Co.
Sole Proprietor
Shri Vithalbhai Purshootambhai Amin,
"Nima' Sardar Patel Colony,
Opp: Stadium, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

 Damines & Chemicals Ltd. Director, Narendamasad, C. Patel, 5, Patel Society, Filisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office adm. 804 sq. ft. situated at National Chamber-Office No. 1, 1st Floor, Ashram Road, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 3376/11-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2136 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 119, 122, 123, 124, 126, 128 paiki Plot No. 62 situated at Vastiapur, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Punamahand Rajpal, 4, Manglam Society, Jintan Road, Surendianagar.

(Transferor)

(2) Shri Ashwinkumar Manubhai Patel & Others, Dilip Apartment Co. Op. Heasing Socy. Ltd. Opp: L.G. Hospital, Maninagar, Ahmedahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1267 sq. yd. with plinth situated at Vastrapur Dist: Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 3512/15-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2137 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 140/1 situated at village: Bodakdev Dist: Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhikhabhai Jivabhai & Others, Village: Bodakdev Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Himabhai Patel & Others, Near Navrangpura—Sardar Patel Stadium, "Vaijayantana" Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1A-21G situated at Bodakdev Dist: A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide sale deed No. 3331/8-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 19th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2138 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

S. No. 146/5 situated at Village: Bodakdev Dist: A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ambalal Motiram Village: Ambli, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Himabhai Patel & Others, Near Navrangpura—Sardar Patel Stadium, 'Vaijayantana' Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I.and adm. 2A-2G situated at Bodakdev Dist: A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide sale-deed No. 3332/8-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 19-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2139 Acq. 23 I/82-83.---Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 360 paiki, FP 248, T.P.S. 26, situated at Vasna Sim, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri

- Kalidas Govindbhai Patel
 Kantaben Kalidas Patel
- 3. Bhavnaben Kalidas Patel
- 4. Kaushikkumar Kalidas Patel
 5. Paruben Kalidas Patel
- Urmilaben Kalidas Patel at Vasna Village, Dist : Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramanbhai Ranchhodbhai Main Promoter: Shri Daman Co. Op. H. Socy. Taluka Mojo Makarbz, C/o Kalidas Govindbhai Patel, Village, Vasna, Dist: Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2874 sq. mt —situated at Vasna Sim, A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide sale-deed Nos. 4881, 4882, 4888, 4893/31-3-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 22-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2140 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. FP 280 situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dipakkumar S. Kusumgar,
Power of Attorney Holder,
Shri Satishchandra Budhalal Shah,
Near Gita Baug, Opp: Nutan Society,
C.G. Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Saileshkumar, S. Shah,8, Krishna Kunj,94, Marine Drive, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 84 sq. yds. No. 9 situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 4807/31-3-81

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad.

Date : 22-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedahad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2141 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No. S. No. 296 paiki situated Wadaj, Ahmedabad,

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-3-1982

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shailesh Apabhai Amin, through P.A.H.—Shri Apabhai H. Amin, 1280, Sarangpui, Opp: Talia's Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Ambalal Dahyabhai Patel & another, 14, Friends Colony, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 95 sq. mt. situated at Wadaj Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 4140/29-3-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. 2142 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP No. 548 paiki Sub Plot No. 4 (Paiki), TPS 3 situated at Chhadavad, Opp: V.S. Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—366 GI/82

- (1) 1. Shri Gautamkumar Budhalal Sutaria, himself & Karta & Manager of (HUF) of Budhalal Shakralal.
 - Ashwinkumar B. Sutaria—co-parceners of HUF of Budhalal Shakralal both residing at Opp: V.S. Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) M/s. Emkay Builders, Calcot House, 8-10 Ramrin Lane, Fort, Bombay.

(Transferee)

(3) Shri Mathurdas Chhaganlal Sutaria Buildings out house, Opp: V.S. Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Jazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 1910.65 sq. mt. situated Opp: V.S. Hospital. Ellisbridge, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 4898/31-3-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-10-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Hyderabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2143 Acq.23/I/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 54 & 55, situated at Vasna Sim, Dist: Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 31-3-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(i) Naranbhai Bababhai Patel & Chandubhai B. Patel both at Village Gota, Dist:

Ahmedabad.

2 Jadiben D/o Ranchhodbhai Kandas Village: Vasna, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) (Proposed) Kadam Co.op. H. Socy. Ltd. Organiser: Dasrathbhai. Keshavlal Patel, Village: Makarba—(Near Sarkhej) Dist: Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 836 sq. m. + 625.10 sq. mt. with structure situated at Vasna Dist: Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No 4824/4818 Dt. 31-3-82.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 Hyderabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2144 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 1050/1, Sub Plot No. 1, situated at Vejalpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 24-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sitaben D/o Keshavlal Mohanlal, Sutharvas, Village: Ambli, Dist: Ahmedabad.

2. Shardaben D/o Keshavlal Mohanlal Surhatvas, Village, Ambli, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

17963

(2) Shri Damodardas Mohanlal 23, Swetal Society, Gulabi Tokra, Ellisbridge, Ahmedabad-380 006.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land adm. 2666 sq. yd. situated at Village: Vejalpur, Dist: Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-decd No. 4266 & 4261/24-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 22-10-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Hyderabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2145 Acq. 23/I/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 262-2 paiki, 220 & 221 paiki situated at Ghodasar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ahmedabad on 24-3-1982

than the fair for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Rasikmen Wd/o Ratilal Panchand
 Jayendra Ratilal Patel
 Harshad Ratilal Patel &

Narendra Ratilal Patel 4. Bharathbhai Ratilal Patel all at Jethabhai's Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shaligram Ghodasar Co.op. H. Society Ltd. C/o Popular Construction Co. Shanti Chambers, Behind Aaykar Bhayan, Opp: Dinesh Hall, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 15106 sq. yds.—situated at Ghodasar Distt: Ahmedabad, vide sale-deed No. 4230, 4231, 4232, 4237, 4226, 4227, 4233 & 4234/24-3-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ramanlal Vithalbhai Patel & Others, Shyamkunj Society, Opp: St. Zavier's College, Naviangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Shri Kiritkumar Mohanlal Shah, 1/2, Swastik Super Market, Ashram Road, Ahmedabad-380-009.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Hyderabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2146 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

FP No. 247—of T.P.S.20 situated at Shyamkunj Society, Opp: St. Zavier's College, Navrangpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building—standing on land 355 sff. mtrs., situated at Nav rangpura, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ah medabad vide sale-deed No. 3904/18-3-1982.

R. R. SHAH Compression Authority, Inspecting Assit. Commissioner, of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 22-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Hyderabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2147 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F.P. No. 163 paiki, T.P.S. 22 situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in in Similar annexed to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manilal Somehand Mody, Jamalpur Chakla, Ahmedabad.

(Transferor)

 Hemaben Pravinchandra Shah, C/o Manilal Somehand Mody, Jamalpur Chakla, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm 88 sq. yds. at Paldi, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 3760/17-3-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 22-10-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Hyderabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2148 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP No. 99-13, T.P.S. North side Paiki situated at Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shrì Jaikishanbhai. B. Panchal,
 - Shri Mahendrabhai, B. Panchal,
 Shri Hirenbhai, B. Panchal,

Shri Hareshbhai. B. Panchal, Dariapur, Char Rasta, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. M/s. Rajesh Corporation, Through: Shri Vajubhai, Bhimjibhai Patel & anothers Lataben Vajubhai, Rupapari, Dariapur, Ahmedabad,

2. Shri Natwarlal Sanhalchand Patel, Amlini Pole, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 700 sq. yd.—situated at Ellisbridge, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 3718, 3714, 3713, & 3717/16-3-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ahmedabad.

Date: 22-10-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THF INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Hyderabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2149 Acq. 23/I/82-83.--Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No 86+98+87+89+217/T.P.S. 1, sub Plot No. 9

F.P. 240, situated at Mcmnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dr. Shri Mukund Sanatkumar Mehta, 25, Inklab Society, Ambawadi, Gulabai's Tekra, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Surendra Mohanlal Sharma B-5, Suresh Apartment, Darshan Road Navrangpura, Ahmedabad.

Minaben Babubhai Ramesh Sharma, C/o Gita Murti Bhandar, Khadia Char Rasta, Ahmedabad.
 Shri Shashikant. C. Chokshi,

Shri Ram Apartment, Nr. Dada Saheb's Pagla,

Navrangpura, Ahmedabad, Shri Parag Harivadan Satyapathi, Shubhem Socy. Navrangpura, Ahmedabad.

5. Kalpesh Babubbal Parikh & another. Sevkani wadi, Khadia, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 400 sq. yd. +386 sq. yd. 1/6th paiki situated at Memnagar T.P.S. 1, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 3487, 3488, 3489 &_3491/ 12-3-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 22-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOMETAX,

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD

> Ahmedabad-38009, the 22nd October 1982

Ref. No. P R No. 2150 Acq 23/I/82-83 —Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No FP 280 situated at Paldi, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office; at A'bad on 31-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—41—366 GI/82

- (1) Shri Dipakkumar S Kusumgar through P.A.H Shri Satishkumar Budhalal Shah, Near Gita Baug, Opp Nutan Society C.G. Road, Paldi, A'bad. (Transferor)
- (2) Vasumatiben Manubhai Shah, 5. Sudha, 20. Napean Sea Road, Bombay-6 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 84 sq. yd. No. 3, situated at Paldi, A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide sale-sleed No. 4843/31-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 22-10-82

(1) Ena Oil Mill Ginning Factory, Sole Prop Shri Bal Bhadrasinhji Indresinhji Zela, Lalhtu Palace Lakhtar, Disti Swendranagar.

(2) The Lakhtar Oil Products P. Ltd. through Director, Shri Shah Kantilal Himatlal & Others, Lakhtar, Dist. Swendranagar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMCDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2151 Acq. 23 I 82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a exceeding Rs 25,000,- and bearing

Exceeding Rs 25,000,- and hearing Factory Building situated at O. S. Petdi Darwaja, Near Bhanawadi Talayadi, Lukhtar, Dist: Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Wadhwan on 31-3-81

at Wadhwan on 31-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Factory building situated at Lakhtar, Dist. Surendranagar, duly registered by S.R. Wadhwan vide Sale-deed. No. 934/ 31-3-82

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 22-10 82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Harshadbhai Ratilal Patel, Jethabhai's pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sargam Ghodasat Co-op. Hag. Secy. C o Popular Construction Co. Shanti Chambers, Opp. Dinesh Hall. Behind Aaykai Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad.

((Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2152 Acq. 23/f/82-83.—Whereas, 1 R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 262-1 & 263 situated at Ghodasar, Dist. A'bd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Office) at A'bad on 18-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION - The term, and expressions used herein us are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 5360.75 & 3830.25, situated at Ghodasar, Dist. A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide sale-deed No. 3776, to 3779/18-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 22-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2153 Acq. 23/I/82-83.---Whereas, I. R. R. SHAH

sioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 320-Sub Plot No. 8, situated at Mithakhali, Changispur, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 18-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Minal Land Development Co. Through pattner Shri Pramodbhai Retilal himself & Karat & Manager: Shri Hasmukhbhai Kasturbhai Shah, Navrangpura, A'bad.

(Transferor)

(2) Pallavi Park Apartment owners Association, Members, Rekhaben Harendra Gandhi, Opp Naviangpura Market, Navianpura, Ahmedabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 136 sq. yd.—situated at Mithakhali—Changispur, A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide salo deed No. 3893/18/18-3-82.

R. R. SHAII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd October 1982

Ref. No. P.R. No. 2154 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000, - and bearing

F.P. 255—Sub Plot No. 3- T.P.S. 3 satuated at Sheikhpur, Khanpur Navrengpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Anubhai Ramanlal Gajjar & Others, Near Mithakhali Railway Crossing, Mithakhali, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shii Srevas Mangaldas Zaveri & anothers, near Mahalaxmi Mata's Mandii, Doshiwada's Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat adm. 121.65 sq yd.—situated at Ellisbridge, A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide sale deed No. 3736/March, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedahad-380009, the 30th October 1982

Ref. No. P.R. No. 2155 Acq. 23/1/82-83,—Whereas, J. R. R. SHAH,

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 16 S, No. 262 & 262A situated at Praduman Nagar, Sadar Bazar, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office:

at S.R. Rajkot on 12-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Taramati Navnitlal Parekh, Jasani Road, Sadar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Desai Builders C/O Shri Taysukhlal Mohanlal Desai, 56, Jan Kalyan Society, Near Astrone Cinema, Rajkot.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land adm, 81.31 sq. mt. situated at Ward No. 16 S. No. 262 & 262A, Sadar Bazar, Praduman Nagar, Rajkot registered vide sale deed R. No. 231, dt. the 15-1-81 registered in March, 82 by S. R. Rajkot.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Keshavlal Bhurabhai Rajkot

(Transferor)

(2) Shri Jai Raghuraj Sinhii Pradumansinhii Jadeja Amin Park, Near Panchvati Society, Opp. Housing Board, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1982

Ref. No. P.R. No. 2156 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Amins Vanda near Panchvati Society, situated at Amin Park, near Panchvati Socy. Opp. Hsg. Board, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 30-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sail instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said \$c\tau\$, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being bldg, adm. 445.65 sq. mtr. situated at Amin Park, near Panchvati Society, registered vide sale deed R. No. 1970 dated the 30-3-1982 by S.R. Rajkot.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date:: 30-10-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

Ahmedabad-380009, the 30th October 1982

Ref. No. P.R. No. 2157 Acq. 23/I/82-83 -- Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2552 to 2562 of Rajendraprasad Road, situated at near Panchnath Temple, Rajendraprasad Rd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Suncel alias Rajnikant Harilal Maniar, Abhay Kunj' Near Panchnath Temple, Rajendraprasad Road, Rajkot,

('Liansferoi)

(2) Smt. Vasumati Bhagwandas Khakhar, B-Anand Darshan Flat No. 25, Pedar Road, Bombay-26. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being bldg. named 'Abhay Kunj' situated at Rajendraprasad Road, Rajkot, registered vide sale-deed R. No. 928 dt. the 4-3-82 by S.R. Rajkot

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/317.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building situated at Hide Market, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Kishan Chand r/o Hide Market, G.T. Road, Amritsar c/o Sh. Brij Mohan, Employee in Lakshmi Commercial Bank, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferor)
(2) Smt. Nirmal Rani d/o Shri Bali Ram, r/o Khazana
Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2, above and tenants if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building in Hide Market, Amritsar property No. 61 and 352 urban as mentioned in Sale deed No. 21526 dated 16-3-1982 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-10-1982

Seal:

42--366GI|82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/318.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One building situated at Hide Market, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Brij Mohan s/o Sh. Kishan Chand, r/o Hide Market, G.T. Road, Employee of Lokshmi Commercial Bank, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Daulat Ram s/o Shri Puran Chand, r/o Gate Khazana, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2, overleaf and tenants if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building in Hide Market, Amritsar property No. 61 and 352 urban as mentioned in sale deed No. 21525 dated 16-3-82 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-10-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/319.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One bldg, situated at Hide Market, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ashok Kumar
 S/o Shri Kishan Chand
 R/o Hide Market, G.T. Road, Amritsar.
 C/o Shri Brij Mohan,
 Employee, Lakshmi Commercial Bank,
 G.T. Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Daulat Ram S/o Shri Puran Chand R/o Gate Khazana, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building in Hide Market, Amritsar, property No. 61 and 352, urban as mentioned in Sale deed No. 21118 dated 19-3-82 of the Registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritan.

Date: 13-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 20th October 1982

Rcf. No. ASR/82-83/320.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinæfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property in Gali Bank situated at Wali, Kishankot, ASR (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:

Shri Chatar Singh
 S/o Shri Mehna Singh,
 R/o Ganga Building, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Dev Raj S/o Shri Narain Dass, R/o Bara Makan, Islamabad, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

h share in House Khasra No. 111 (area 9 marlas) situated in Kishankot, Amritsar, urban as mentioned in Sale deed No. 21469 dated 15-3-82 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 20-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 15th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/321.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One shed in plot No. 4, situated at Bharat Nagar, Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mahant Bishan Dass Chela Mahant Harnam Dass, R/o Gree Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Moinder Singh
S/o Shri Bishan Singh,
R/o Chajra, Distt. Hoshiarpur.
2. Shri Gurbhajan Singh

S/o Shri Amar Singh, R/o V. Haripur, P.O. Chajra, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seid Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shed plot No. 4, in Khasra No. 693 (area 1430 sq. yards) situated in Abadi Bharat Nagar, Batala Road, Amritsar, urban as mentioned in sale deed No. 21994 dated 22-3-1982 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/322.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property situated at 5 Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Singh S/o Shri Berjinder Singh, R/o Patti Mehla Osang,
 Distt. Faridkot,
 Presently 5 Race Course Road,
 Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bhola Nath S/o Shri Kishan Chand, R/o 5 Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of building measuring 250 sq. yards situated at 5 Race Course Road, Amritsar, urban as mentioned in sale deed No. 21862 dated 22-3-82 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 2-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/323.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property situated at 5 Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely 5—

 Shri Surinder Singh S/o Shri Berjinder Singh R/o Patti Mehla Osang, Distt. Faridkot, Presently 5 Race Course Road. Amritaar.

(Transferor)

(2) Shri Bhola Nath S/o Shri Kishan Chand R/o 5 Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

1/4th share of building measuring 250 sq. yards situated at 5 Race Course Road, Amritsar, urban as mentioned in Sale deed No. 22441 dated 29-3-82 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 2-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/324.--Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Rani Ka Bagh, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Amritsar in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jasmeen Jackson D/o Shri A. R. Asgar, R/o Court Road, Amritsar, Shri Santosh Asgar S/o Shri A. R. Asgar R/o Court Road, Amriasar. Near Grand Hotel, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Schgal, Advocate Shri Sunder Kumar Sengai, Advocate S/o Shri Guan Chand Sehgal, Smt. Bhupinder Sehgal W/o Shri S. K. Sehgal, R/o 4009,734 Rani ka Bagh, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 above and tenants:

1. Shri Sukh Lal, 2. Shri Ram Rattan, 3. Smt. Sundri Devi, 4. Mr. Pali Ram, 5. Mr. Babu Lal, 6. Mr. Lekh Raj, 7. Mr. Amin Chand, 8. Mr. Pitamber Lal. (Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usade in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the spid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9/21 share of property No. 3009/734 situated at Rani ka Bagh, Amritsar, urban, as mentioned in sale deed No. 22352 dated 26-3-82 of the Registering Authority. Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar,

Date: 5-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR**

Amritsar, the 5th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/325.--Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. one property, situated at Rani-ka-Bagh, ASR (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March,1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

(1) Shri Maikal Asgar S/o Shri A. R. Asgar, R/o Court Road, Amritsar. Near Grand Hotel, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Sehgal, Advocate S to Shri Gian Chand Schgal, Smt. Bhupinder Sehgal W/o Shri S. K. Sehgal, R/o 3009/734 Rani ka Bagh, Amritsar,

(Transferec)

(3) As at S. No. 2 above and tenants:—

1. Shri Sukh Lal. 2. Shri Ram Rattan, 3. Smt. Sundi Devi, 4. Mr. Pali Ram, 5. Mr. Babu Lal, 6. Mr. Lekh Raj, 7. Mr. Amin Chand, 8. Mr. Pitamber Lal. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9/21 share of property No. 3009/734 situated at Rani ka Bagh, Amritsar, urban as mentioned in sale deed No. 22351 dated 26-3-82 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 5-11-1982

Scal:

persons, namely :-43--366GI/82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (AP)

Hyderabad, the 30th October 1982

Ref No RAC No 179/82 83—Whereas, I, M IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Asst No 10138 situated at Ramanaidupet Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M Rajamani
 S/o Shri Varada Rajulu Naidu, Ramanaidu Pet, Machilipatnam

(Transferor)

(2) Shri G Narasimha Raju, S/o Shii Venkata Subbayya Managing Partner, Sri Buchi Venkateswara Enterprises Godugupet, Machdipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property in 630 sq. yds Vacant site at 21st Ward, Ramanaidupeta, Machilipatnam registered with SRO, Machilipatnam vide document No 830/82 Asst No 10138.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (AP)

Date 30-10-1982 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th October 1982

Ref. No. RAC. No. 180/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

D. No. 21/50C situated at Ramanaidupet Machilipamam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Ahobala Rao, S/o Sri Varadarajulu Naidu,
 Sri M. Bhanu Prakash, M/g. Father M. Ahobalarao, Ramanaidupet, Machilipatnam.

(Transferor)

(2) Sti G. Narasimharaju, Managing Partner Sri Buchi Venkateswara Enterprises Godugupet, Machilipatnam.
(Transfar

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I-YFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Door No. 21/50-C. 21st Ward, Ramanaidupet, Machilipatnam in 448 sq. yds, registered with S.R.O., Machilipatnam vide document No. 824/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th October 1982

Ref. No. RAC. No. 181/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D. No. 21/50C situated at Ramanaidupet Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Machilipatnam in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sri M. Varadarajulu Naidu, S/o Sri M. Venkata Ramarao Ramanaidupet, Machilipatnam. (Transferor)
- (2) Shri G. Narasimharaju, S/o Venkata Subbayya, Managing Partner Sri Buchivenkateswara Enterprises, Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Door No. 21/50-C 21st Ward, Ramanaidu Pet. Machilipatnam in 601 sq. yds, registered with S.R.O., Machilipatnam vide document No. 826/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 30-10-1982

FORM NO. 1.T.NS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th October 1982

Ref. No. RAC. No. 182/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Asst. No. 10138 situated at Ramanaidupet Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Machilipatnam on March '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Motupalli Ramesh, S/o Varadarajulu, Naidu Ramanaidupeta, Machilipatnam.

(Transferor)

 Srt G. Narasimha Raju, S/o Venkata Subbayya, Mg. pr. Sri Buchi Venkateswara Enterprises, Godugupet, Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in Vacant site at Ramanaidu peta, 21st word Asst No. 10138, measuring 600 sq. yds. registered with S.R.O., Machilipatnam, vide document No. 828/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad (AP), the 30th October 1982

Ref No RAC No 183/82-83—Whereus, I, M JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

H. No 8-3 situated at Pattabhipuram, Guntui (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntui on March '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than latteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Kolla Peda Nausireddi, Prakashnagar, Narasataopet, Guntui (Transferor)
- (2) Smt V Muralı Ramandh W/o Dı V Kamanadh Singh, r/o Trunk Road, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property at D No $8.3\,$ Asst No $2067\,$ Old Pattabhiputam, Guntur with Ground and First floor, in $800\,$ sq yds and registered with $S\,R\,O$, Guntur vide document No. 3174/82

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date 30-10-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shii Valluru Venkata Ramakrishna S/o Venkateswara Rao, r/o Pitamati Vijayawada

(Transferor)

(2) Sri Rima Coop Building Society, President, Sii K Srii (ma Murthy 1/o Patemata, Vijayawada

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad (AP), the 30th October 1982

Ref No RAC No 184/82-83 —Whereas I, M JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

RS No 50/3 situated at Patamuta Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerat on and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Vacant Site at Patamata of 0.73 cents in R.S. No. 50/3 registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 1771/82

THE SCHEDULE

M IFGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 30 10-1982 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad (AP) the 30th October 1982

Ref. No RAC No 185/82-83 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vacant Site situated at 4th Ward, Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Polu Balavengala Reddy, S/o Sri Musalayya Reddy, r/o Vigram Road, Innespeta, Rajahmundiy. (Transfetct)
- 2) Smt. P. Vanajalakshmi, W/o P. Chinavengulareddy, 1/o Devathavari Lane, Vigram Road, Innespeta, Ragihmundry. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vacant site at Devathavari Lane, Innespeta, measuring 369 Sq. yds., in 4th Ward (Villithota Street, Bact), registered with SRO., Rajahmundry, vide document No. 2056/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th October 1982

Rcf. No RAC. No. 186/82-83.—Whereas, I, M. IFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agr. land situated at

RS No. 56/3 situated at Patamata Vijayawada

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Valliirii Venkata Ramakrishna S/o Venkateswara Rao, i/o Palamata, Vijayawada.

(Transferor)

 Sri Rama Co-op, Building Society, President, Sri K. Srirama Murthy, r/o Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in 0-73 cents at Patamata in R.S. No. 56/3, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1728/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44-366 GI/82

Date: 30-10-1982

Seal

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th October 1982

Ref. No. RAC. No. 187/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income (ix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D. No. 17/538 situated at Englishpalem Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to therefor that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in superior of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the congent to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby instate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '—

 Sri Vemuri Somayya, S/o Ramayya, Englishpalem, Machilipatnam.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Same Ramabrahmam, 2 Sri S Rajamohanarao
 - Sri S. Rajamohanarao,
 Sri S. Prasada Rao,
 Sri S. Krishna Rao,

r/o Circle pet, Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Door No. 17/538, Englishpalem Machilipatnam in an area of 1077 sq. yds. including 1st floor, registered with S.R.O., Machilipatnam, vide document No. 1229/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-10-1982

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th October 1982

Ref. No. RAC. No. 188/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS No 55/2 situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijavawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shii Valluru Venkata Ramakrishna 5/o Venkateswara Rao, r/o Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Rama Co-op. Building Society, President. Sri K. Srivama Murthy, r/o Patamata, Vijayawada

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the soid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used he, ein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in R.S. No. 55/2 area 1-40 cents at Patamata, Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada vide Jocument No. 1667/82.

> M. IEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 30-10-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)
Hyderabad (AP), the 4th November 1982

Ref No RAC No 189/82-83—Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R S No 60/2 situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Smt Boyapatı Sarojinidevi, W/o Nagabhushanam, Mogalrajapuram, Vijayawada

(Transferor)

(2) The Andhia Cement Co, & Employees and Industrial Workers Co-op Housing Society Ltd., G, No 2477
Represented by its president Sri AVG Klishna Murthy, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Khanduka within the limits of Pathapadu panchayat of Vijayawada, land measuring 5-00 acres, registered with SRO Vijayawada vide document No 2481/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date 4-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th October 1982

Ref. No. RAC. No. 190/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS No. 55/2 situated at Patamata Vijayawada

RS No. 55/2 situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Valluru Venkata Ramakrishna S/o Venkateswara Rao, r/o Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Rama Co-op. Building Society, Picsident, Sri K. Siirama Murthy, r/o Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in Vacant site of 1-40 Cents in R.S. No. 55/2, at Patamata, Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1581/82,

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-10-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th October 1982

Ref. No. RAC. No. 191/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS No. 55/2 situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Valluru Venkata Ramakrishna S/o Venkateswara Rao, r/o Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Rama Co-op. Building Society, President, Sri K. Srirama Murthy, r/o Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in R.S. No. 55/2, at Patamata area 1-40 Cents, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1626/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 30th October 1982

Ref. No. RAC. No. 192/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. RS No. 55/1, 55/2 situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Valluru Venkata Ramakrishna S/o Venkateswara Rao, r/o Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Rama Co-op. Building Society, President, Sri K. Srirama Murthy, r/o Patomata, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in R.S. No. 55/1 & 55/2 at Patamata mea in 1-38 Cents near Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1519/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 193/82-85.--Whereas I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269D of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in Saraswathi Talkies 1/4th Rice mill Mummidivaram situated at Sri Sitaram rice mill

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mummidivaram on March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, 'u pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Ch. Sitharamaraju, S/o Satyanarayanaraju,

(2) Sri Jagathavenkata Ratnam S/o Sri J. Padmanabham Thannellanka Mummidivaram Taluk, W. G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Share in a cinema theatre known as Saraswathi Talkis and 1/4th share in M/s, Sri Sitaram Rice Mills, Mummidivaram registered with S.R.O., Mummidivaram, vide document No. 622/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-82 Seal:

 S1i Ch. Sitharamaiaju, S/o Satyanarayanaraju, Amalapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jagatha Ianakiramaiah, S/o. Sri Padmanabham, Thanellanka, Mummidivaram, Taluk, E. G. Dt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Rcf. No. RAC No. 194/82-83.—Whereas, f, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in Saraswathi Talkis 1/4th Rice mill Mummidivarom situated at Sri Sitarama rice mill

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer

at Mummidivaram on March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Share in a cinema theatre known as Saraswathi Talkies and 1/4th share in M/s. Sri Sitarama Rice Mill, Mummidivaram registered with S.R.O., Mummidivaram, vide document No. 623/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45-366 GI/82

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (AP.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Rcf. No. RAC. No. 195/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MCHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

R. S. No. 514/3 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in t. e office of the Registering Office:

at Bhimavaram on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohd Abdul Majid, S/o Mohd, Ibrahim, Sabeb, 11th Ward, Door No 14-3-79, Bhimavaram. (Transferor)
- (2) Smr. Bhimavaram Educational Society Regd 91/75, Represented by President Natchu, Venkataramaiah, S/o. Adeyya, Door No. 9-4-36, 20th Ward, Bhimavaram W. G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant Land of 1-78 Cents in R.S. No. 514/3 at Bhimavaram registered with S. R. O. Bhimavaram vide document No. 815/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ityderabad (A.P.)

Date: 4-11-82

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref No RAC No 196/82-83 -Whereas I, M JEGAN MOHAN,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

D No 11-62-52 to 11-62-53 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer

at Vijayawada on Maich 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) B. V. Nara Lihar to Neda S/o Lite Sri. Venkata-rayulu. Namu. Pangidigudem. Fiuru. Eq. W. G. Dt. (Transferor)
- (2) 1 Smt T China Satyavathi,
 W/o Sri Sithaiamanjineyulu,
 2 Smt T Suguna Sushecia Eharati,
 W/o Venka a Hanumanthaiao,
 - Shop No 90, Vastraty, Vijayawada Smt k Jagadeeswat, W/o Radhakishnarao, Governor pet

W/o Radhakiishnarao, Governor pet Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official (razette)

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at door No 11-62-52 to 11 62-53 in 1082 sq yds at Vijayawada, registered with SRO Vijayawada, vide document No 1515/82

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Hyderchad (AP)

Date 4-11-82 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 197/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 143 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 153/2 situated at Durgapuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the ead Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. Sivaramakrishna Prasad, S/o. Nagabhushanam Mogalrajapuram, Vijavawada.

(Transferor)

(2) Sri Tarakaprabhu Co-op. House Building Society, Ltd., No. G. 2682, Vijayawada, R/P. by President Sri Ch. Madangopal, S/o Sitharamayya, Satyanaranapuram, Srinagar, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Land of 1-66 Cents at Durgapuram of Vijayawada, Town, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 2157/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IIYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC No. 226/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

D. No. 23-6-8 situated at Patnambazar Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ch. Sivaji, S/o. Venkataratnam Fancy Merchant, Kumarampalem Street, Vijayawada.

(Transferor

(2) Smt. Alivelu Manga Tayaru, W/o. Sri Matta Koteswara Rao, C/o. Sri Hanuman Iron Stores, Patnam Bazar, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door, No. 23-6-8, Patnam Bazai, Guntur, 25 1/3 sq. yds. registered with S.R.O. Guntur, vide document No. 3500/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Srl M. Pitchaiah,
 S/o Ramayya, Business,
 D. No. 16-2-91, Tenali.

(Transferor)

 Smt. K. Aruna Kumari, W/o. Sri Saibaba, Bose Road, Tenali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 225/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 153, 157, 158 & 159 situated at Tenali

No. 153, 157, 158 & 159 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at R. S. No. 153, 157, 158, 159 upstair House in 176.2½ Sq. yds. in Block No. 1, Ward No. 5 at Tenali, registered with S.R.O. Tenali, Vide document No. 2386/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 4-11-82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Rcf. No. RAC. No. 224/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 153, 157, 158 & 159 situated at Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fac htating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. mamely:—

- M. Pitchaiah, S/o. P. Ramaiah,
 M. Venkatrao,
 S/o. Pitchaiah,
 Bose Road, Kothapet, Tenah, Guntur Dt.
 (Transferor)
- (2) 1. K. Saibaba, S/o Venkat Rao, Sri Balaji, Rice Trading Co., Bose Road, Tenali.
 2. Smt. K. Aruna Kumary, W/o. Sri Saibaba, Bose Road, Tenali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property in T. S. No. 153, 157, 158 & 159 at Bose Road, Tenali, Survey Ward, No. 5, Block No. 1, registered with S.R.O. Tenali, vide document No. 323/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-82

Seal.

FORM JTNS---

- (1) Mohd. Abdul Majad, S/o. Mohd. Ibrahim Saheb 11th Ward, Door No. 14-3-79, Bhimavaram. (Transferor)
- (2) Bhimavaram Educational Society Regd. No. 91/75 Represent by President Machu Venkateamaah, S/o Adayya, Door No. 9-4-36, 20th Ward, Bhimavaram. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 223/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
R. S. No. 515/514/I situated at Bhimavaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhimavaram on March 1982
for an apparent consideration which is less than the
tair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptei.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land of 1-09 Cents in R. S. No. 515/1, R. S. No. 514/1 at Bhimavaram registered with S.R.O., Bhimavaram, vide document No. 813/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 222/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 15-65 situated at Pamarru Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
46—366 GI/82

(1) K. Subbamma, W/o Subbayya, Pamarru.

(Transferor)

(2) Sri B. Krishna Reddy, S/o. Sri Ramireddy, D. No. 15, 65 Pamarru, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill Bearing No. 15-65, Pamarru, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 401/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 221/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 66/1A situated at Payakapuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri K. Hari Satyanarayana Rao, S/o. Purnachandra Rao, D. No. 11-40-117, Pulipativari St., Vijayawada, (Transferor
- (2) The Harsha Co-op. Building Society R/p. by Sri K. Hanumayya, S/o Mamayya, President D. No. 11-59-23, Jammu Mosque Street, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land of 2-02 acres, in R. S. No. 66/1A, at Payaka-puram near Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 2384/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982.

Ref. No. RAC. No. 220/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 66/1A situated at Payakapuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. Purnachandra Rao, S/o. Punnaiah, Pulipativari St., Vijayawada.
 - (Transferor)
- (2) The Harsha Co-op. Building Society No. G. 2757 VZA, President K. Hanumaiah, S/o Mamaish, D. No. 11-59-23, Jammu Mosque, St. Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter,

THE SCHEDULE

Agrl. land of 2-02 in R. S. No. 66/1A, Payakapuram village near Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2383/82.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 219/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 66/1A situated at Payakapuram Vijayawada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) K. Punnarao, S/o. Purnachandra Rao, D. No. 11/40-120 Pulipatiwari Veedi VZA. (Transferor)
- (2) The Harsha Co-op. Building Society R/by Sri K. Hanumayya, S/o Manayya, Door No. 11-59-23 Jammu Mosque Street, Vijayawada.

 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-02 Acres of land in R. S. No. 66/1A, at Payakapuram near Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2385/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC, No. 218/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

R. S. No. 66/1-A situated at Payakapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Harisatyanarayana, S/o Purnachander Rao, VZA. Pulipativari St., D. No. 11-40-117, VZA. (Transferor)
- (2) The Harsha Co-op. Building Society, R/by. Shri K. Hanumayya, S/o. Mamayya, Door No. 11-59-23, Jumma Mosque Street, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0-50 cents in R. S. No. 66/1-A, at Payakapuram near Vijayawada registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 2467/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

(1) Shri K. Punnarao S/o Punachandra Rao, 11-40-120, Pullpativari Veedhi, VZA.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 The Harsha Co-op. Building Society, R/by, Shri. K. Hanumayya, S/o. Mamayya, Door No. 11-59-23, Jumma Masque Street, Vijayawada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC No. 217/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 66/1-A situated at Payakapuram, Vijayawada

R. S. No. 66/1-A situated at Payakapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in March, 82 for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

0-50 cents of land at Payakapuram in R.S. No. 66/1A registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 2465/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. 216/82-83.--Whoreas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 66/1-A situated at Payakapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada in March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Poornachandra Rao, S/o Punnaiah, VZA, (Transferor)

18015

(2) The Harsha Co-op. Building Society, R/B. President Shri K. H anumayya So. Mamayya, Door No. 11-58-23, Jumma Mosque Street, Vijayawada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0-50 cents of land at Payakapuram in R. S. No. 66/1-A near Vijayawada registered with S.R.O. No., Vijayawaad, vide document No. 2466/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 215/82-83.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 13 situated at Adivivaram, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. D. Saraswathidevi, W/o Shti D.V.A.N. Gajapathiraju, Gupta Street, Bhimunipatnam, Vizag.
 (Transferor)
- (2) Krishna Real Estate and Partnership Firm R/p. by its M/p. Shri S. Venkataramana S/o Yaganarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Vizag, in R. S. No. 13, measuring Ac. 0-76.20 cents registered with S. R. O., Vizag, vide document No. 2865/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-11-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC No. 214/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN, MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 13 situated at A divivaram, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——47—366 GI/82

 Shri D. Appalanarasimha Gajapathi Raju S/o. late China Appalanarasimharaju, Gupta Street, Bhimunipatnam, Vizag.

(Transferor)

(2) Krishna Real Estate and Partnership Firm R/p. by its M/p. Shii Venkataramana S/o Yaganarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Vizag measuring Ac. 0-76.20 cents in R. S. No. 13, registered with S. R. O. Vizag, vide document No. 2646/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 213/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 13 situated at Adivivaram, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri D. Appalanarasimha Gajapathlraju S/o. Late China Appalanarasimharaju, Gupta Street, Bhimunipatnam, Vizag.
- (Transferor)

 (2) Krishna Real Estate and Partnership Firm R/p. by its M/p. Shri Venkataramana, S/o Yaganarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Vizag measuring Ac. 0-76.20 cents in R. S. No. 13, registered with S. R. O. Vizag, vide document No. 2647/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 4-11-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC No. 213/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R. S. No. 13 situated at Adivivaram, Vizag (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforseaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. D. Saraswathidevi W/o Venkata Appalanarasimha Gajapathiraji, Gupta Street, Bhimunipatnam Vizag.

(Transferor)

(2) Krishna Real Estate and Partnership Firm R/p. by its M/p. Shri Venkataramana S/o Yaganarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Vizag measuring Ac. 0-76.20 cents in R. S. No. 13, registered with S. R. O. Vizag, vide document No. 2950/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 211/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 13 situated at Adivivaram, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D. V. Appalanarasimha Gajapathi Raju, S/o. Late China Appalanarasimharaju, Gupta Street Bhimunipatnam, Vizag.

(Transferor)

(2) Krishna Real Estate and Partnership Firm R/p. by its M/p. Shri Venkataramana, S/o Yagnarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Vizag. measuring Ac. 0-76.20 cents in R. S. No. 13, registered with S. R. O. Vizag, vide document No. 2553/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

18021

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC, No. 210/82-83.—Whereas, I, M. JAGEN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. No. 13 situated at Adivivaram, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. V. Appalanarasimha Gapathiraju, S/o. Appala Narasimha Raju, (Late) Gupta Street, Bhimunipatnam Vizag.

(Transferor

(2) Krishna Real Estate and Partnership Firm R/p. by its Managing Partner Shri S. Venkataramana, S/o Yaganarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Visakhapetnam Taluk, measuring 0-76.20 cents in R. S. No. 13, registered with S.R.O. Vizag, vide document No. 2383/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 209/82-83,---Whereas, 1, M. JEGEN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

RS. No. 13 situated at Adivivaram, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D.V.S.S. Appalanarasimharamalingaraju S/o Venkata Appalanarasimha Gajapathiraju, Gupta Street, Bhimunipatnam, Vizag.

(Transferor)

(2) Krishna Real Estate and Partnership Firm R/p. by its M/p. Sri S. Venkataramana S/o Yagnanarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adiviviram village of Vizag, measuring Ac. 0-76.20 cents, in R. S. No. 13, registered with S. R. O., Vizag, vide document No. 2555/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC No. 208/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and baring

No. R. S. No. 13 situated at Adivivaram Vigaz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 D. V. S. S. Appalanarasimharamalingaraju S/o V. Appalanarasimha Gajapathraju, Gupta Street, Bhimunipatnam, Vizag

(Transferor)

(2) Krishna Real Estate and Partnership firm, Represented by its Managing partner Sti S. Venkataramana S/o Yagnanarayana, Door No 11-7-14, Near Judge Court, Vizag

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Vizag, measuring Ac. 0-76.20 Cents in R. S. No. 13 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 2554/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 207/82-83.—Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 13 situated at Adivivaram Vizag (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vizag on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) D. V. S. S. Appalanarasimharamalingaraju S/o V. Appalanarasimha Gajapathiraju, Gupta Street, Bhimunipatnam, Vizag.
- (2) Krishna Real Estate and Partnership Firm, Represented by its Managing partner Sri S, Venkataramana S/o Yagananarayana Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Visakhapatnam measuring Ac. 0-76.20 Cents in R.S. No. 13 resistered with S.R.O., Vizag, vide document No. 2649/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No RAC.No. 206/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 13 situated at Adivivaram Vigaz.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri D. V. S. S. Appalanarasimharamalingaraju, S/O Late D. China Appalanarasimharaju, C St., Bhimunipatnam, Vizag-DY. Gupta

(Transferor)

(2) Krishna Real Estate and Partnership Firm represented by its Managing partner Sri S. Venkataramana, S/o Yagnanarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Visakhapatnam measuring Ac. 0-76.20 Cents in R.S. No. 13-resistered with S R.O. Vizag. Vide document No. 2384/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydernbad (A.P.)

Date: 4-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC No. 205/82-85,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceed-

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 13 situated at Adivivaram Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- D. V. S. S. Narasimha Ramalinga Raju S/o
 D. Venkata Appala Narasimha Gajapathiraju Gupta Street, Bhimunipatnam, Vizag.
- (2) Krishna Real Estate and Partnership firm., Represented by its Managing partner Sri S. Venkataramana, S/o Yagnanarayana Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Visakhapatnam measuring Ac. 0-76.20 Cents in R.S. No. 13-registored with S.R.O. Vizag. vide document No. 2385/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent, Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 204/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

25,000/- and bearing
No. R. S. No. 13 situated at Adivivaram Vizag,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri D. V. Appala Naras'mha Gajapathiraju, S/o Late, Sri D. Ch. Appala Narasimharaju, Gupta Street Bhimunipatnam, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Krishna Real Estate and Partnership firm., Represented by its Managing partner Sri Saripalli Venkataramana, So Yagnanarayana, Door No. 11-7-14, Near Judge Court, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Adivivaram village of Visakhapatnam measuring Ac. 0-76.20 Cents in R.S. No. 13-registered with S.R.O. Visakhapatnam vide document No. 2552/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 4-11-82

Scal:

(1) Smt D Saraswathi Devi, W/o Venkata Appalu Narasımha Gajapathı Raju, Bhimunipatnam, Visakhapatnam

(Transferor)

(2) Krishna Real Estate and Partnership Firm Repiesented by its managing partner Sri I Venkataraman S/o Yagnanatayana, Door No 117-14 near Judge Court Visakhapatnam

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref No RAC No 203/82-83—Whereas, I M JLGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No RS No 13 situated at Adivivaram Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Visakhapatnam on Maich 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LYPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Vac int land at adivivaram village of Visakhapatnam 0-76-20 Cents in R S No 13 Registered with S R O Visakha pitnim, vide document No 2949/82

> M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 4-11 82 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC No. 202/82-83.—Whereas, I, M. IFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No R.S.No. 13 situated at Adivivaram Visakhapatnam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometan Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri D.V.A. Narasimharaju, S/o Late China Appalanara Simharaju, Bbimunipatnam, Bisakhapatnam.

(Transferors)

(2) Krishna Real Estate and Partnership Firm, Represented by its managing partner Sri Venkatramana S/o Yagnanarayana, Door No. 11-7-14, near Judge Court Visakhapatnam

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vicant land at adivivaram village of Visakhapatnam 0-76-20 Cents in R.S. No. 13 registered with S. R. O., Vizag, vide document No. 2388/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref No RAC No 201/82 83 -- Whereas, I, M IEGAN MOHAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sild Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No RS No 13 situated at Adivivaram Visakhapatnam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Visakhapatnam on March 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt D Saraswathı Devi, W/o Sri Datla Venkata Appala Narasımha Gajapathıraju, Gupta veedi Bhimunipatnam Visakhapatnam

(Transferor)

(2) Krishna Real Fstate and Partnership Firm, Represented by its managing partner Sri B Venkataramana S/o Yagnanatayana, Door No 11 7-14, near Judge Court, Visakhapatnam

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land at adivivaram village of Visakhapatnam 0-76-Cents in R S No 13 registered with SRO, Vizag vide document No 2866/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date 4-11-82 Stal.

FORM NO. I.T.NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref No. RAC No 200/82-83—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. NTS No 3 situated at Machavaram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri A Seshireddi, S/o Venkata Reddi,
 Sri A Venkatareddi, S/o. Seshireddi,
 Munnangi, Tenali, Taluk, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) The Veenus Co-op Building Secrety 1 td. R. No G. 2744 Vijayawada, R/P. By its President Shii Λ Mohanareddi, S/o Nagireddi, 33-22-1/2 Mogaltajapuram, VJA.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac. 3-13 Cents at Machavatam of Vijevawada in Revenue Ward, No. 16, NTS. No. 3, Registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2352/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 4-11-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

tur-Dt (Tran (2) The Veenus Co on Building Society Ltd

(1) A Seshireddi, S/o Venkatareddi & Sri A Venkata Reddi S/o Seshireddi Munanoi Tenuli T Gun-

(Transferor)

(2) The Veenus Co op Building Society Ltd Vijayawada R/P By its Ptesident Sii A Mohanareddi, Sii O Nigireddi 33 22-1/2 Mog ili ijapui im Vijayawadi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad the 4th November 1982

Rci No RAC No 199/82-83 —Whereas I M IFGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No NTS No 3 situated at Machavaram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac 3 13 Cents at Machavaram of Vijayawada registered with S R O, Vijayawada, in NTS No 3 Revenue ward No 16, VJA, vide document No 2187/82

M JEGAN MOHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range Hyderabad (AP)

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC. No. 198/82-83 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 27-12-63 situated at Governorpet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciltating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—366GI/82

Smt. A. Perimdevi,
 Tayaramma,
 W/o Lakshminarayana
 Smt. T. V. Subbamma,
 W/o Adiseshu,
 Kumariveedi, Samaramgam Chowk,
 Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Sri M. Balakamakrishna, S/o Venkata Nagabhushamam Dr. Swamy Veedhi, Gandhinagaram Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Door No. 27-12-63 Governorpet, Vijayawada, 560 sq. yds., registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 2283/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri B. Krishnasagar Managing Partner
M/s Krishnasagar & Associates Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Saraswathi W/o Shri P. Sambasiyarao, 8-3-966/24, Nagatjuna Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A,P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1982

Rcf. No. RAC. No. 302/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property havin exceeding Rs. 25,000/- and bearing having a fair market value

No. Flat situated at Dattativa Nagar, Hyderabad (und more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and the property as aforesaid property and the property as aforesaid property and the property as aforesaid property in the property by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8-3-69/ID Pallavi Apartments Dattatreyanagar Colony, Hyderabad registered with sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 695/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 303/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Dattatriya Nagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad on March 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri B. Krishnesagar Managing Partner M/s. Krishnasagar & Associated Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) T. V. Krishnaveni D/o T. Srinivas r/o Santhapet, Ongole.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8-3-169/113/D Pallavi Apartments Dattatriyanagar Colony Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad Hyderabad vide Doc. No. 694/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 304/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Dattatriya Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khairatabad on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri B. Krishnosagar Managing Partner M/s. Krishnasagar & Associates Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S. Janaki W/o K. Bhaskar, r/o H. No. 652/RT, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8-3-169/113/1 Pallavi Apartments Dattatreyanagar Colony, Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 693/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP.)

Hyderabad (AP), the 8th November 1982

Ref No RAC No 305/82-83—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Flat situated at Dattatijya Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairatabad on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

- (1) Sri B Krishnasagar Managing Paitner M/s Krishnasagai & Associates Somajiguda, Hyderabad
- (2) B Venkatarao S/o B Ranga Rao 1/o Kantaram village, Gudivada Taluk

(Transferor)

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 8-3-169/113/2C Pallavi Apaitments Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide No. 692/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A P.)

Date 8-11-1982 Seal

FORM ITNS----

 Sri B. Krishnesagar Managing Partner M/s. Krishnasagar & Associates Somajiguda, Hyderabad. Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

18038

(2) B. Saraswathi W/o B. Balaramreddy Supdt. Engineer APSEB

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.F.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 306/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Dattatriya Nagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the red action or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the rissue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 8-3-169/113 Pallavi Apartments Dattatreyanagar Colony, Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc No 691/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. 307/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Flat, situated at Dattatreya Colony. Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khanatabad on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Krishnasagar and Associates, 6-3-902/5 Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Chanduri Venkatasatya Kusumahara Baba, s/o Sri Chanduri Viswanatham, 75, Shantiniketan, Anusaaktinagar, Bombay.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'D second floor Pallavi Apartments in 8-3-169/113/2D Dattatreya Nagar, Hyderabad registered with subregistrar, Khairatabad vide Doc. No. 690/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC 308/82-83.—Whereas I, M. JFGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot, situated at Ammerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Balaram s/o Sri Raghuiamaiah, 7-1-407 Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Vijaya Towers, 7-1-70/B/1, Nature cure Hospital Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at 7-1-209/5/A area 511 sq. yards at Ameerpet, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 1596/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME rax act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Nichhanainetla Fodin lucius di s/o Stituriulu 54/A Sanjeevateddy magat, Hyderabad.

(Fransferor)

(2) M/s Vijat Towers 7 1 70/B/L Nature Circ Pospit I Road, Ameurpad Hyderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (AP)

Hyderabad, the 8th November 1982

No RAC 309/82 63 - Whereas I, M JEGAN Ref MOHAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot, situated at Ameeipel, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabiltiy of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION; -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land no 7-1-209/5 free 511 sq yards at Ameripet Hyderabad registered with Sub-registrar, Hyderabad vide Doc No 1597/82

M JEGAN MOHΛN Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Ãeguisitioa Range, Hyderabid (ΛΡ)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceeding for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 50-366GI 82

Date: 8-11-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. 310/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-2-287/11/A, situated at Banjara Hills, Hyderabadd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Bhagyanagar Studios, Road No. 14, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abbas Ali Baig s/o Late H. A. Baig, Smt. Vmu Baig w/o Sri Abbas Ali Baigh, Miss Sheyna Baigh d/o Sri Abbas Ali Baigh, Master Rizvan Baig s/o Sri Abbas Ali Baigh, 3/16 Shanti Niketan, New Delhi-110021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed and land 500 sq. yards at M. No. 8-2-287/11/A and Survey No. 129/73 Tattikhana on the road No. 14 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 2380/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

Scal:

(1) D. Umadevi s/o D. V. Shanker Rao, K. Vijaya Lakshmi d/o K. Keshava Rao, Hyderabad.

(Transferor)

(2) K. Sitarama Raju s/o K. Venkatarama Raju, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

No. RAC 311/82-83.—Whereas I, M. JEGAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Kompally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 55 dry land area 4 Ac-36 guntas, situated at Kompally village Medchal registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 1991/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 8-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDFR SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 5th November 1982

Ref. No. KNL/122/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. MC No. VIII-479, situated at Ramesh [Nagar, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Karnal in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Shakuntla Rani wd/o Shri Om Parkash, Shri Rajinder Kumat S/o Shri Prem Parkash, R/o H. No. VII-323, Ibrahim Mandi, Karnal. (Transferor)
- (2) Smt. Bhagwan Devi W/o Shri S. Gopal Dutt Sharma, House No. VIII-479, Ramesh Nagar, Karnal. (Transfered)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. MC No. VIII-479, Ramesh Nagar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6400 dated 8-3-82 with the S. R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 5th November 1982

Ref. No. AMB /77/81-82,—Whereas, ſ, R. K. BHΛΥΑΝΑ,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kothi No. 101-L, Model Town, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Kumar Sharma S'o Shri M. C. Sharma, Model Town, Ambala City.

(Transferor)

(2) Smt. Vardha Arora w/o Shri Ramesh Kumar Arora, Kothi No. 101-L, Model Town Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 101-I, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6329 dated 17-3-1982 with the Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shri Jagmohon Krishan Bhalla S/o Shri Jawahar Lal Bhalla, Yamuna Garli, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) (1) Mrs. Surjit Kaur W/o Sh. Jagmohan Singh,(2) Shri Bhagat Singh S/o Shri Jagmohan Singh, Vill. & P.O. Kharwan Teh. Jagadhari. (Transferee)

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 5th November 1982

Ref. No. JDR /105/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. B-11/187, situated at Yamunanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Property being house No. B-11-187 situated at Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7188 dated 8-3-1982 with the S.R. Jagadhari.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 5-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMF-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 5th November 1982

Ref. No. KNL/123/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 40 kanal situated at Ajond Teb. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Jai Singh, Zila Singh Sa/o Sh. Shiv Dayal.
 (2) Smt. Bhagwati wd/o Sh. Shiv Dayal, R/o Vill. & P.O. Agond.
- (Transferor)
 (2) M/s. Mahadev Rice Mills Agond through Sh. Mohan
 Lal S/o Shri Parshotam Dass,
 R/o Vill. & P.O. Agond Teh. Karnal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 kanal situated at village agond and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6557 dated 12-3-82 with the S.R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-11-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L F. COLONY

Rohtak, the 2th November 1982

Ref. No. BGR /23/81-82.—Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Factory No. 4, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitfeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Iqbal Nath Bhandary S/o Shii Naubat Ram, R/o 9 Jaipur Estate, Neezamudeen Fast, New Delhi.
- (2) (1) Smt. Basant Kaur W /o Sh. Kartar Singh,

 - (2) Shri Kuldeep Singh S/o Shri Kurtar Singh,
 (3) Shri Kartai Singh S/o Shri Lachha Ram, S
 All 15/o 1-N-128, New Township, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial Sector No. 4 Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 977 duted 26-4-82 with the Sub Registrar, Ballabgarh,

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 5th November 1982

Ref. No. AMB /8/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 kanals situated at Village Sindha (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 51—366GI/82

(1) Shri Bhug Singh S/o Sh. Chandan Singh, Vill. & P.O. Šindha Teh, Ambala,

(Transferor)

- (2) (1) Sh. Roshan Lal S /o Sh. Ram Das,
 - (2) Smt. Jagjit Kaur W/o Sh. Inder Singh,
 - (3) Sh. Ameriit Singh S /o Sh. Inder Singh,
 - (4) Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Ram Narain, (5) Smt. Pushpa Mittal W/o Sh. Suresh Mittal. Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used here'n as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanal situated at village Sindha and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6261 dated 15-3-1982 with S.R. Ambala.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 6th November 1982

Ref. No. AMB/87/81-82.—Whereas J, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of 'the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 11 kanals 12 marla situated at Sindha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922; (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chandan Singh alias Chaman Singh, S/o Shri Mangal Singh, R/O Vill. & P.O. Sidha, Teh. Ambala.

(Transferor

(2) Smt. Jagjit Kaur w/o Shri Inder Singh, Shri Amarjit Singh s/o Inder Singh, Shri Roshan Lal s/o Ram Jas, Smt. Pushpa Mittal w/o Shri Suresh Kumar, Shri Suresh Mittal S/o Vasdev Mittal, r/o 358 Hanuman Gali, Jind.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanals 12 marla at Sindha Kalan and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6262 dated 15-2-1982 with the S.R. Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 25th October 1982

Ref. No SPT/6/82-83 —Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot area 728 1/3 sq. yards situated at Opposite Civil Hospital, Sonepat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchases of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Chander S/o Shri Ladha Ram, House No. 578, Mohalla Kalan, Sonepat. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Sıma Wanti w/o Shri Ram Sarup S/o Shri Arjan Dass.
 2. Shri Behari Lal S/o Shri Ram Lal
 - Shri Benari Lai S/o Shri Ram La S/o Shri Lakhi Mal, R/o H. No. 152-L, Model Town, Sonepat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot area 728 1/3 sq. yards situated at opposite Hospital, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 100 dated 12-4-1982 with the S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtek

Date: 25-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 3rd November 1982

Ref. No. BGR/534/81-82,—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 18 Bigha 15 Biswas, situated at Faridabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ballabgarh in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been urally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mathura Imports & Exports Pvt. Ltd. 201 202, Deepali Building, Nehru Place, New Delhi.

(2) Shri Bhulli s/o Bhawani, Harchandi s/o Shri Bhawani, Siya Rum s/o Hira Lal, Faridabad Old. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 18 Bigha 15 Biswas Kachha, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 15622 dated 17-3-1982 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-11-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 2nd November 1982

Ref. No. SPT/130/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 728 1/3 sq. yds situated at Opposite Civil Hospital, Sonepat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonepat in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chander S/o Shri Ladha Ram r/o House No. 578, Mohalla Kalan, Sonepat.

(Transferor)

Shri Krishan Lal S/o Shri Behari Lal
 Smt. Somawanti w/o Shri Ram Sarup,
 c/o 1-218, Ashok Vihar,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 728 1/3 sq. yards situated opposite Civil Hospital, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4854 dated March 1982 with the S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 25-10-1982

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 2nd November 1982

Ref. No. SHN/49/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 28 kanals situated at Ghamroj, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sohna in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- Shri Munshi S/o Shri Umrao S/o Shri Gokal, r/o Vill. & P.O. Ghamroj, Teh. Sohna.
- (2) Smt. Savitri Chhata Ram W/o Shri R. Chhata Ram r/o 114 Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanals situated at village Ghamroj and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1386 ddate 17-3-1982 with the Sub Registrar, Sohna.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 2-11-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 2nd November 1982

Ref. No. SHN/48/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 48 kanals situated at Chamroj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaipal Singh 5/0 Shri Mitru Singh S/0 Shri Jaswant Singh

r/o Ghamroj Teh. Sohna,

(Transferor)

(2) Shri Mohan Chhata Ram s/o Shri R. Chhata Ram R/o 114 Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 48 kanals situated at village Ghamroj and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1388 dated 17-3-1982 with the Sub Registrar, Sohana.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rehtak

Date: 2-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 5th November 1982

Ref. No. HSR/177/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-adn bearing

No. 1/2 portion of shop situated at Rajguru Market, Hissar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evosion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sham Dass s/o Shri Narain Dass, r/o 666 Auto Mobioil Market, Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh S/o Shri Shankar Lal s o Shri Lekh Rum, H. No. 705 XVIII, Mohalla Sainian, Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/2 portion of shop situated at Rajguru market, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5727 dated 15-3-1982 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sham Dass s/o Shri Narain Dass, 666-Auto Mobioil Market, Hissar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shii Haii Singh S/o Shii Shankar Lal, Mohalla Salian, Hissar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 5th November 1982

Ref. No. HSR/183/81-82.—Whereas I, R. K. ΒΗΛΥΛΝΑ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 portion of shop situated at Rajgutu Market, Hissar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—366GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-

sons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1 portion of shop situated in Rajguru Market, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5961 dated 9-3-1982 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Rohtak

Date: 5-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 6th November 1982

Pef. No. PNP/210/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 1 bigha 8 bishwas situated at Rajputana. Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Ashok Kumar, Vinod Kumar, Anil Kumar ss/o Shri Khushal Singh, r/o Sita Ram House, Geeta Road, Panipat.

(Transferor)

(2) Shii Ram Niwas s/o Matu Rum, c/o Sarvotex Fabrics, G.T. Road, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 bigha 8 bishwas situated at Rajputana, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10245 dated 29-3-1982 with the SR Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 6th November 1982

Ref. No PNP/211/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 bigha 8 bishwas situated at Rajputana Panipat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar s/o Khushal Chand r/o Sita Ram House, Gita Mandir Road, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar S/O Ram Niwas, Smt. Siksha Vati w/o Shri Ram Niwas, c/o M/S Servotex Fabrics, G.T. Road, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the baid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 bigha 8 bishwa situated at Rajputana, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10246 dated 29-3-1982 with the S.R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAL DLF COLONY

Rohtak, the 5th November 1982

Ref No PNP/198/81 82—Whereas I, R K BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Land measuring 4 bigha 5 bishwas situated at Krishna Pura, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March 1982

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

 Shii Avtar Kiishan Khanna S/O Shri Radha Krishan Khanna Krishanpura, Gohana Road Panipat

(Transferor)

(2) Shri Girdhau Lal Sharma S/O Shri Vishnu Dutt Sharma s/o Shii Asas Singh, Shii Ishwai Singh S/o Shii Suijan Singh Kiishan Puia, Gohana Road, Panipat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Cazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 5 bishwas situated at Krishna Pura Pampat and as more mentioned in the sale deed registered at No 9491 dated 9 3-1982 with the SR Pampat,

R K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Robital

Date 5 11-1982 Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. Colony

ROHTAK, the 2nd November 1982

Ref. No. PNP/192/81-82 — Whereas, I, R. K. BHAYANA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Area 26 kanals 1 marla situated at Siwha

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S'Shii Randhir singh, Sube Singh, Pokhar Singh, S/o Sh. Charan Singh S/o Shri Juglal, Smt. Phoolpat Wd/o Sh. Charan Singh R/o Vill & P.O. Siwaha

(Transfer or)

(2) S/Sh. Rajesh Kumai, SS/O Shii Kalu oRam S/ Paras Ram. H. No. 51, Rishi Colony, Panipat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 kanals 1 marla situated at Village Sivaha and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9626 dated 15-3-82 with the S. R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Dated 2-11-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. Colony

Rohtak, the 6th November 1982

Ref. No. PNB/193/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 29 area 778 sq. yds., situated at M. T. Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satish Kumar S/o Sh. Chandl Ram, R/o Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Jain S/o. Shri Naresh Chander Jain, R/o 393-B, Model Town, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 778 sq. yds. situated at Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9987 dated 22-3-82 with the S. R Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 6-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. Colony

Rohtak, the 9th November 1982

Ref. No. KNL/127/81-82.—Whereas, I.R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fam market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 159-R.M.T. situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karnal in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Lal Sharma, S/o Sh. Amba Datt, House No. 260, Sector 22-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Dhuambii Summi, S/o Shri Girdhati Lal, R/o House No. 77, Jawahar Nagar, Panipat.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 159-R, Model Town, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6568 dated 15-3-1982 with the S. R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 9-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. Colony

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. SPT/132/81-82.--Whereas, I R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 17, Lajpat Rai Mandi, Sonepat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Sonepat in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S'Shri Nemi Chand, Moji Ram, Ramesh Chand Ss'o Shri John Mal, Vill. & P.O. Khewia Distt., Sonepat.

(Transferor)

(2) M/s. Jain G. Pvt. Ltd., 12-13, Rani Jhansi Marg, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 17, Lajpat Rai Mandi, Gur Mandi, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5074 dated 15-3-1982 with the S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Dated: 10-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. GRG/292/81-82.—Whereas, I R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 155-B(half portion) situated at New Colony, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

53-366 GI/82

(1) Shri Ashi Lal S/o Shri Uttam Chand R/o 155-B, New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

18065

(2) Smt. Phulut Kaur, W/o S. Narender Singh Kohli, (C-2, Chirag Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House at New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 8 dated 31-3-72 with the S. R. Gurgaon.

P. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 10-11-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. GRG/3/82-83.—Whereas, 1 R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (helcinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

House No. 155-B(half portion) situated at New Colony,

Gurgaon

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ashi Lal S/o Sh. Uttam Chand r/o 155-B, New Colony, Gurgaon. (Transferor)
- (2) Smt. Phuljit Kaur, W/o S. Narender Singh, r/o C-2, Chirag Enclave, New Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House measuring 70'×50' situated at New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered No. 8 dated 31-3-1982 with the S. R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 10-11-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. JDR/118/81-82.--Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in plots A. B. C. D. E. F. G. H. situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

(1) M/s. Union Metals Industries, Jagadhari through

1. Jai Parkash Jain S/o Uggarsain Jain,
2. Nam Chand S/o. Jai Parkash,
3. Jaininder Jain S/o Jainilal,
4. Smt. Sushila Devi Jain W/o. Jainilal

5. Smt. Lakshmi Jain W/o Darshan Lal, all rs/o Jagadhari.

(Transferors)

1. Sh. Des Raj S/o Nanak Chand,
 2. Lekh Raj S/o Chopa Ram rs/o Yamunanagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share in plots situated at Gobindpuri Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7493 dated 22-3-82 with the S. R. Jagadharl.

> R. K. BHAYANA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. JDR/119/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in plots A, B, C, D, E, F, G, H. situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) M/s. Union Metals Industries, Jagadhaii through
 - 1. Jai Parkash Jain S/o Uggarsain Jain,
 2. Nam Chand S/o. Jai Parkash,
 3. Jaininder Jain S/o Jainilal,

 - Smt. Sushila Devi Jain W/o. Jamilal
 - 5. Smt. Lakshmi Jain W/o Darshan Lal, all rs/o Jagadhari.

(Transferors)

1. Sh. Narain Singh S/o Sukha Singh,
 2. Krishan Lal S/o Kulooram
 15/o Yamunanagar.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPTANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share in plots situated at Gobindpuri Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 749 dated 22-3-82 with the S. R. Jagadhari.

> R. K. BHAYANA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 10-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L, F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. IRD '116/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in plots A, B. C, D, E, F, G, H. situated at Jagadhari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Union Metals Industries, Jagadhari through
 - 1. Jai Parkash Jain S/o Uggarsain Jain, 2. Nam Chand Jain S/o Jai Prashad Jain
 - 3. Jaininder Jain S/o Jainilal,
 4. Smt. Sushila Devi Jain W/o. Jainilal
 - Smt. Sushia Devi Jain W/o. Jainiai
 Smt. Lakshmi Jain W/o Darshan Lal, all rs/o Jagadhari.

(Transferor)

1. Sh. Rajpal Anand S/o Sh. Raghu Nath Dass,
 2. Sh. Narinder Kumar S/o. Sh. Manohar Lalrs/o Shastri Colony Yamunanagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share in plots situated at Gobindputi Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 749 dated 22-3-82 with the S.R. Jagadhari.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtal

Date: 10-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. JDR/117/81-82.—Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 1/4th share in plots A, B. C, D, E, F, G, H. sltuated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jagadhari in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- M/s. Union Metals Industries, Jagadhari through
 Jai Parkash Jain S/o Uggarsain Jain,
 Nem Chand Jain S/o Jai Parshad Jain
 Jaininer Kumar S/o Jainilal Jain,
 Smt. Sushila Devi W/o Jainilal Jain
 Smt. Lakshmi Jain W/o Darshan Lal Jain

 - C/o Union Metal Industries.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Ram Chander S/o Sh. Daryitta, 2. Miss Asha Anand d/o Sh. Rajpal Anand r/o Shastri Colony, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share in plots situated at Gobindpuri Road Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7492 dated 22-3-82 with the S. R. Jagadhari.

> R. K. BHAYANA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 10-11-82.

Scal:

FORM LTN9 ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. BGR/519/81-82.—Where I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. B. No. C-37, NH. I, NIT situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ha respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pawañ Jain, Dalip Jain, Parveen Jain 85/0 Shri Tikam Chand Jain C-27, Nehru Ground, NIT, Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Dev, Smt. Pushpa Rani & Smt. Reena Rani r/o Mohalla Sheikh Pend, Khuria no B. No. 37, N.H. 1, NIT, Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being B. No. C-37 N.H. 1, NIT, Faridabad and more mentioned in the sale deed registered at No. 15263 dated 9-3-1982 with the S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-11-1982

Scal:

(1) Shri Joge Ram S/O Sh. Ramjeet Singh, r/o Talu (Bhiwani).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. BWN/10/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 76 situated at Bhiwani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhiwani in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sat Narayan s/o Dungar Mal, House on Plot No. 76 near old Jail, Hansi Road, Bhiwani,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazage.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 76, near Jail Hansi Road, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3341 dated 23-3-1982 with the S.R. Bhiwani.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-11-1982

- 14

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. BDR/33/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 6, situated at Sant Colony, Bahadurgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bahadurgarh in March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—366 GI/82

(1) Sh. Sudharshan Lal S/o Dr. Behari Lal, Bahadurgarh.

(Transferor)

 1. Sh. Chhabil Dass s/o Jhanda Ram, 11/16-A, Tilak Nagar, New Delhi.
 2. Sh. Jaisa Ram s/o Bura Ram Narang, 2/21 Double Storey Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 6 Sant Colony, Bahadurgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3098 dated 11-3-82 with the S.R. Bahadurgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-11-1982

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. FTB/1/81-82.—Whereas, I. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House No. 104/16/2 Village Basti Bhiwa situated at Basti

Bhiwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatchabad in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Chuhi Lal s/o Ravat Ram s/o Shri Moti Ram r/o Vill. & P.O. Fatchabad (Hissar).

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar W/O Sh. Ramesh Chand s/o Shri Nand Lal s/o Parma Nand, r/o Vill, & P.O. Basti Bhiwa (Fatchabad.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 104/16/2, Village Basti Bhiwa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3517 dated 8-3-82 with the Sub Registrar, Fatchabad.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-11-1982

 Smt. Tara Wati W/o Pokhar Dass, Sika Colony, Sonepat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Kartar Singh S/o Sh. Sunder Singh, Smt. Darshna Devi W/o Sh. Hari Parkash, H. No. 75-L, Model Town, Sonepat.
 (Transferee)

(1

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, ROTHAK D.L.F. COLONY,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Rohtak, the 10th November 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. SPT/133/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Indiametax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop at situated at Bahalgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sonepat in March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being shop situated at Bahalgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5083 dated 15-3-1982 with the Sub Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Shiv Parshed S/o Sh. Ratu Mal, S/o Shri Takur Dass, H. No. 326 Gali Latmaran, Jagadhari.

(Transferor)

(2) Smt. Lalita Gupta W/o Shri K. P. Gupta S/o Shri Mool Chand Gupta No. 8 squadron, A.E.C. 99 A. P. O.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROTHAK D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. JDR/114/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No 1/2 share of shop No. C-II-69, situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property being 1/2 share of shop No. J-C-II-69, Devi Bhawan Bazar Chowk, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7358 dated 17-3-82,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Thite: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROTHAK D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. JDR /102/81-82.--Whereas, I. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Land measuring 2 kanals 1/2 marla situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadharl in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jai Parkash S/o Sh. Baini Parshad, Shri Janak Dulari W/o Sh. Jai Parkash Shri Chander Parkash, Ravi Parkash Ss/o Shri Jai Parkash & Savita W/o Sh. Chander Parkash R/o Jagadhari.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi W/o Sh. Prem Paraksh R/o 18/117 Patel Nagar, Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein no are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kanals 1/2 marla situated at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7596 dated 24-3-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Oits: 10-11-1982

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROTHAK D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. JDR/100/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Land measuring 2 kanals 1/2 maria situated at Jagadham (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhari in March 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Darshan Devi W/o Sh. Brij Bhushan R/o Nukoi Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Munshi Ram S/o Sh. Daya Ram, R/o 18/117, Patel Nagar, Saharanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kanals 1/2 marla situated at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7559 dated 24-3-1982 with the S. R. Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1982

Soal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROTHAK D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 10th November 1982

Ref. No. HSR/187/81-82/309,—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land area 4 kanols 12 marlas situated at Satroad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Kasalu. S/o Bhai Sukh S/o Shri Kundan R/o Satroad.

(Transferor)

 M/s Madhu Cold torage and Ice Factory, Satroad. Distt. Hisar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanals 12 marls situated at Satroad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6039 dated 31-3-1982 with the S. R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P.

Bhopal, the 25th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl|3098.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 67, situated at Vaikunth Nagar, Khandwa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 30-3-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-

(1) of Section 269D of the said Act to the following namely:—

(1) Lt. Col. N J Kapadia of Poona through agent Kanhaiyalal Shrof, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Kumar S/o Kanhaiyalal Shroof, C/o Kamal Chitra Mandir, Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may b_{i_2} made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesald persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 67 alongwith Bunglow situated at Ranjit Ward, Varkunth Nagar, Khandwa

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 25-10-82

Scal.